MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 | गुरुवार, 24 सितंबर, 2026 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 10 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-8 | अंक-263

बंसल तेलंगाना इंचार्ज

नितिन ने अनुभवी टीम बनाई

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रदेश प्रभारियों और सह-प्रभारियों की संगठनात्मक टीम का ऐलान कर दिया है। अगस्त में हुए केंद्रीय संगठनात्मक फेरबदल के बाद जारी की गई इस सूची में कई अनुभवी नेताओं को महत्वपूर्ण राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है।वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों के मद्देनजर कई राज्यों में अनुभवी नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस फेरबदल में वरिष्ठ नेताओं के साथ नए चेहरों को भी संगठनात्मक जिम्मेदारियां दी गई हैं।

2027 के विधानसभा चुनावों पर नजर

भाजपा ने ये नियुक्तियां ऐसे समय की हैं, जब उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, गोवा और मणिपुर समेत कई राज्यों में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। पार्टी की नई संगठनात्मक व्यवस्था के तहत इन राज्यों में प्रभारियों और सह-प्रभारियों की नियुक्ति की गई है।

अगस्त में उत्तर प्रदेश, पंजाब और गुजरात के लिए प्रारंभिक नियुक्तियां की गई थीं। विनोद तावड़े को उत्तर प्रदेश, सतीश पूनिया को पंजाब और तरुण चुघ को गुजरात की जिम्मेदारी दी गई थी। अब नई सूची के साथ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए विस्तृत संगठनात्मक ढांचा घोषित किया गया है।

नई व्यवस्था में प्रभारियों को संबंधित राज्यों की प्रदेश इकाइयों के साथ काम करने, संगठनात्मक गतिविधियों के समन्वय और चुनावी तैयारियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी।

उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा संगठनात्मक तंत्र

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ चार सह-प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। इनमें जगदीश पटेल, मेधा कुलकर्णी, प्रदीप वर्मा और अनंत ओझा शामिल हैं।

80 लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। तावड़े के साथ चार सह-प्रभारियों की नियुक्ति से राज्य के संगठनात्मक कामकाज के लिए बड़ी टीम तैयार की गई है।

स्मृति ईरानी को हरियाणा और छत्तीसगढ़ की जिम्मेदारी

राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी को हरियाणा और छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया गया है। हरियाणा में भोला सिंह और छत्तीसगढ़ में सिद्धार्थ शंभू उनके साथ सह-प्रभारी के रूप में काम करेंगे। अगस्त में केंद्रीय संगठन में राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी मिलने के बाद स्मृति ईरानी को दो राज्यों का प्रभार दिया गया है।

राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड का जिम्मा

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड का प्रभारी बनाया गया है। उत्तराखंड में अरविंद मेनन और बांसुरी स्वराज सह-प्रभारी होंगे। तमिलनाडु में निर्मल कुमार सुराणा और डी.के. अरुणा को उनके साथ जिम्मेदारी दी गई है।उत्तराखंड में राम माधव की नियुक्ति की पुष्टि विभिन्न रिपोर्टों में हुई है, जबकि तमिलनाडु के प्रभार को लेकर शुरुआती रिपोर्टों में कुछ असमंजस का उल्लेख भी किया गया था। बाद की सूची में उनका नाम दोनों राज्यों के प्रभारी के रूप में दिया गया है।

हरीश द्विवेदी संभालेंगे बिहार और कर्नाटक

राष्ट्रीय महासचिव हरीश द्विवेदी को बिहार और कर्नाटक का प्रभारी बनाया गया है। बिहार में उनके साथ संगीता यादव और रोहन गुप्ता सह-प्रभारी होंगे।

▶8 पर

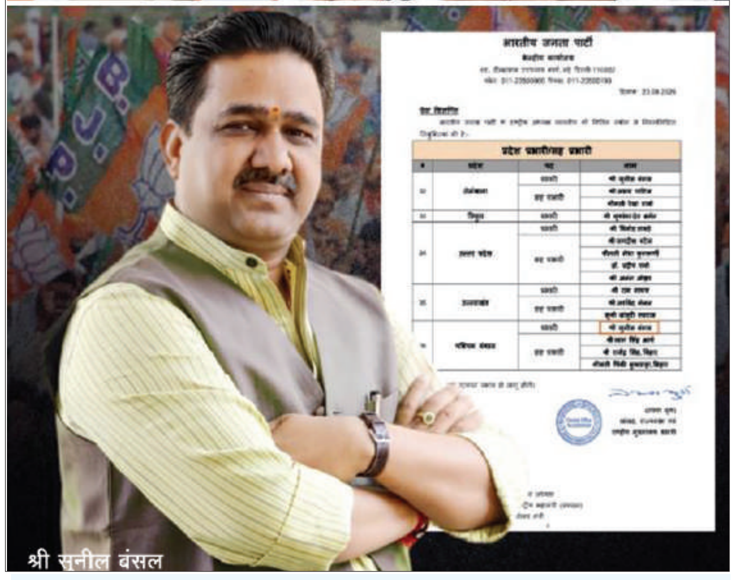

श्री सुनील बंसल

सुनील बंसल को तेलंगाना और पश्चिम बंगाल

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का प्रभारी बनाया गया है। तेलंगाना में अभय पाटिल और रेखा शर्मा को सह-प्रभारी बनाया गया है। पश्चिम बंगाल में उनके साथ लाल सिंह आर्य, राजेंद्र सिंह और पिंकी कुशवाहा सह-प्रभारी के रूप में काम करेंगे।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने बीजेपी राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल को बीजेपी तेलंगाना प्रभारी नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने पार्टी के नए सह-प्रभारियों को भी बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, तेलंगाना में बीजेपी को और मजबूत करने में आपके दिशा-निर्देश और मार्गदर्शन की प्रतीक्षा है।

गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने भी एक्स पर नए प्रभारी और सह-प्रभारियों को बधाई दी। संगठन को मजबूत करने और पार्टी को आगे बढ़ाने में सभी को बड़ी सफलता की शुभकामना देते हुए उन्होंने कहा।

पूर्व मंत्री और महबूबनगर सांसद डी.के. अरुणा को तमिलनाडु के लिए सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है।

लेक्चरर हत्यारा

फर्जी सुसाइड नोट, ज़हर पिलाया

पेद्दापल्ली, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में एक युवती की संदिग्ध मौत, जिसे शुरुआत में आत्महत्या माना जा रहा था, अब कथित हत्या के मामले में बदल गई है। पुलिस का कहना है कि युवती को जबरन कीटनाशक पिलाया गया और इसके बाद घटना को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई।

गोदावरिखानी वन टाउन पुलिस ने सिंगरेनी कोलियरीज पॉलिटेक्निक कॉलेज में संविदा लेक्चरर रहे जेट्टी नवीन कुमार को इस मामले में मुख्य आरोपी के रूप में चिन्हित किया है। पुलिस ने मृतका से जुड़े आरोपों के संबंध में सिंगरेनी में ओवरमैन के पद पर कार्यरत बोम्मकंठी रविकुमार को भी पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है।

युवती को 12 सितंबर को गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान अगले दिन उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। रामागुंडम पुलिस आयुक्त के निर्देश पर वैज्ञानिक तरीके से जांच की गई। जांचकर्ताओं ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल डाटा, कॉल रिकॉर्डिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की। पुलिस का कहना है कि इन साक्ष्यों की मदद से घटनाक्रम को दोबारा समझने में मदद मिली।

प्रेम संबंध को लेकर हत्या का आरोप

पुलिस के मुताबिक, नवीन कुमार पहले से शादीशुदा था और उसके दो बच्चे हैं। आरोप है कि वर्ष 2022 में युवती के सिंगरेनी कोलियरीज पॉलिटेक्निक कॉलेज में पढ़ाई के दौरान दोनों की जान-पहचान हुई थी। पुलिस का कहना है कि बाद में यह जान-पहचान कथित रूप से रिश्ते में बदल गई।पुलिस के अनुसार, नवीन पारिवारिक मतभेदों के चलते अपने परिवार से अलग रह रहा था और कथित तौर पर युवती के साथ अपने रिश्ते को शादी तक ले जाना चाहता था। डिप्लोमा पूरा करने के बाद युवती बीटेक माइनिंग की पढ़ाई के लिए हैदराबाद स्थित उस्मानिया विश्वविद्यालय चली गई थी। बाद में प्रशिक्षण के लिए वह गोदावरिखानी लौटी, जहां उसकी जान-पहचान सिंगरेनी में ओवरमैन के तौर पर काम करने वाले रविकुमार से हुई। पुलिस का आरोप है कि नवीन को युवती और रविकुमार की बढ़ती नजदीकी की जानकारी मिली तो वह नाराज हो गया।

हत्या की कथित साजिश

जांचकर्ताओं का आरोप है कि नवीन ने 12 सितंबर को हत्या की योजना पहले से बनाई थी। पुलिस के मुताबिक, उसने एक दोस्त के घर से कीटनाशक लिया, उसे पानी की बोतल में भरा और अपनी कार में रख लिया।

काम खत्म करने के बाद युवती ऑटो से जा रही थी। पुलिस का कहना है कि नवीन ने उसे एफसीआई क्रॉसरोड्स के पास कथित तौर पर कार में बैठा लिया। इसके बाद वह उसे एनटीपीसी, एफसीएल और आईओसी समेत कई इलाकों से होते हुए ले गया और इस दौरान दोनों के बीच बहस होती रही। पुलिस का आरोप है कि नवीन ने युवती को एक सुसाइड नोट लिखने के लिए मजबूर किया, जिसमें यह दावा किया गया था कि वह रविकुमार की वजह से यह कदम उठा रही है। पुलिस के अनुसार, नवीन ने युवती के मोबाइल फोन से उस नोट की तस्वीर भी खींची। इसके बाद पुलिस का आरोप है कि नवीन ने अपने साथ लाई कीटनाशक की बोतल से युवती को जबरन कीटनाशक पिला दिया। बताया गया कि इसके बाद युवती कार में ही बेहोश हो गई।

अस्पताल ले जाने में देरी का आरोप

पुलिस के अनुसार, युवती की हालत बिगड़ने के बावजूद नवीन उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल नहीं ले गया। जांचकर्ताओं का आरोप है कि युवती के बेहोश होने के बाद भी वह कुछ समय तक कार चलाता रहा, क्योंकि उसे कथित तौर पर डर था कि घटना में उसकी भूमिका सामने आ सकती है। पुलिस का कहना है कि उसने युवती के मोबाइल फोन से उसके पिता को फोन किया और घटना को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की।

▶8 पर

सीसीटीवी ने खोली आईआईटी छात्र की पोल

नकलची आत्महत्या!

मुंबई, 23 सितंबर (एजेंसियां)। आईआईटी बॉम्बे में छात्र साहिल वाकोड़े की आत्महत्या के मामले में एक नया और महत्वपूर्ण मोड़ सामने आया है। परीक्षा केंद्र का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जो घटना वाले दिन की परिस्थितियों से जुड़े घटनाक्रम को दिखाता है।

सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि परीक्षा हॉल में बैठकर साहिल अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर रहा था। आरोप है कि साहिल मोबाइल फोन के जरिए प्रश्नपत्र को कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरण 'चैटजीपीटी' पर अपलोड करने की कोशिश कर रहा था। आरोप है कि जब साहिल अपने फोन पर चैटजीपीटी के जरिए प्रश्नपत्र हल करने या उसे अपलोड करने की कोशिश कर रहा था, उसी दौरान परीक्षा हॉल में ड्यूटी पर तैनात प्रोफेसर सूर्य नारायण डूला की नजर उस पर पड़ी। प्रोफेसर तुरंत साहिल के पास पहुंचे और उसका मोबाइल देखने के बाद उसे अपनी सीट से उठने को कहा। फुटेज के अंतिम हिस्से में देखा जा सकता है कि प्रोफेसर डूला छात्र साहिल को परीक्षा हॉल से बाहर ले जा रहे हैं। गौरतलब है कि इस घटना के कुछ ही समय बाद साहिल का शव उसके कमरे में मिला था। इस मामले में पुलिस ने आरोपी प्रोफेसर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने और अनुसूचित जाति एवं

▶8 पर

जहाज़ पर अटैक

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। ओमान के पास समुद्री क्षेत्र से भारत के लिए एक दुखद खबर सामने आई है। यहां मालवाहक जहाज एमवी केप डाओ पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। जहाज भारत की ओर बढ़ रहा था, तभी उसे निशाना बनाया गया। भारतीय दूतावास ने बुधवार को घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि ओमानी अधिकारियों के साथ मिलकर जहाज पर सवार सभी चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा पर नजर रखी जा रही है। इस जहाज पर 19 भारतीय नागरिक सवार थे।

ओमान का समुद्री तट होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ही है। होर्मुज जलडमरूमध्य के एक किनारे पर ईरान है और दूसरे किनारे पर ओमान।

मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने सामाजिक माध्यम पर जारी पोस्ट में भारतीय नागरिक की मौत पर दुख जताया। दूतावास ने कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों और आरपीएसएल के साथ लगातार संपर्क में है। मृतक भारतीय नागरिक के परिवार के साथ भी संपर्क किया जा रहा है और उन्हें जरूरी सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। फॉरवर्ड सीमेन यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के देवरिया निवासी सूरज यादव के रूप में की है। यूनियन के मुताबिक सूरज यादव जहाज पर वाइपर के तौर पर काम कर रहे थे। यूनियन ने सामाजिक माध्यम पर जारी पोस्ट में कहा कि भारत की ओर बढ़ रहे एमवी केप डाओ पर हमला हुआ और इसमें एक भारतीय नाविक की जान चली गई।

हालांकि, जहाज पर सवार भारतीयों की संख्या को लेकर भारतीय दूतावास और एफएसयूआई के आंकड़ों में अंतर है। दूतावास ने 19 भारतीय नागरिकों के जहाज पर होने की बात कही है, जबकि एफएसयूआई ने दावा किया कि जहाज पर कुल 28 चालक दल के सदस्य थे, जिनमें 20 भारतीय थे। एफएसयूआई के मुताबिक जहाज पर दो टॉरपीडो से हमला किया गया। यूनियन का दावा है कि इनमें से एक जहाज के

▶8 पर

एक भारतीय की मौत से खलबली

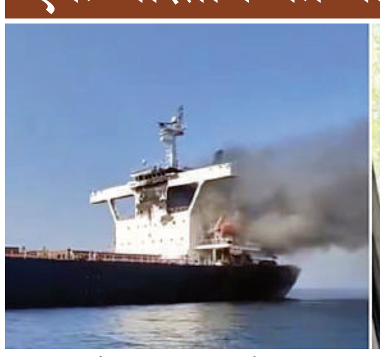

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 21^0

फॉर्म-6 कटघरे में : पूर्व चुनाव आयुक्त ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 23 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा ने बुधवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान अपनाई गई कुछ प्रक्रियाओं की कानूनी वैधता पर सवाल उठाए। उन्होंने चुनाव आयोग से यह स्पष्ट करने को कहा कि फॉर्म-6 और ईआरओ-नेट प्रणाली में किए गए बदलावों के लिए निर्धारित कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया था या नहीं।

उनकी यह टिप्पणी 'द इंडियन एक्सप्रेस' की एक रिपोर्ट को लेकर उठे विवाद के बीच आई है। रिपोर्ट में कहा गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 बार औपचारिक रूप से आपत्ति दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार, इन आपत्तियों में नए मतदाता पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-6 में बदलाव और मतदाता सूची के आंकड़ों को केंद्रीकृत करने जैसे मुद्दे शामिल थे। लवासा ने कहा कि इन मुद्दों की जांच होनी चाहिए, चाहे तीनों चुनाव आयुक्त इन बदलावों पर सहमत हुए हों या नहीं।

एक विशेष साक्षात्कार में लवासा ने कहा, भले ही तीनों आयुक्त सहमत हो गए हों, लेकिन क्या जरूरी मंजूरी की प्रक्रिया से गुजरे बिना फॉर्म-6 में बदलाव करना कानूनी था? यह एक ऐसा सवाल है, जिस पर अभी भी विचार किया जा सकता है।

लवासा ने यह भी सवाल उठाया कि क्या ईआरओ-नेट प्रणाली ने निर्वाचक पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) की कानूनी शक्तियों को प्रभावित किया है। ईआरओ ही मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने से जुड़े निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार अधिकारी होते हैं।

गोवा के एक मामले का जिक्र करते हुए, जहां एक ईआरओ कथित तौर पर 97 लोगों की पात्रता से संतुष्ट होने के बावजूद उन्हें अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं कर पाया था, लवासा ने कहा कि ऐसी स्थिति चिंता पैदा करेगी।

उन्होंने कहा, अगर ईआरओ को ऐसा लगा कि वे 97 लोगों की पात्रता के बारे में पक्का होने के बावजूद उन्हें शामिल नहीं कर सकते, तो यह निश्चित रूप से एक समस्या है।

लवासा ने कहा कि मतदाता सूची के आंकड़ों को केंद्रीकृत करना अपने आप में कोई समस्या नहीं है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईआरओ के पास अपनी कानूनी शक्तियों का इस्तेमाल करने की क्षमता बनी रहनी चाहिए।

उन्होंने कहा, भारत के चुनाव आयोग के पास किसी मतदाता के भविष्य के बारे में फैसला करने का अधिकार नहीं है कि उसे सूची में शामिल किया जाए या नहीं। इसलिए, ईआरओ ही वह अधिकारी है, जिसके पास पूरा अधिकार होता है।

उन्होंने कहा कि केंद्रीकृत आंकड़ा तंत्र बनाए रखा जा सकता है, बशर्ते कानूनी रूप से अधिकृत ईआरओ के पास प्रणाली के संबंधित हिस्से तक पहुंच हो और वे अपने अधिकार क्षेत्र में मतदाता सूची में बदलाव कर सकें।

लवासा ने कहा, कानूनी रूप से अधिकृत व्यक्ति के पास अपने सीमित अधिकार क्षेत्र तक पहुंच होनी चाहिए, ताकि वह कानून के अनुसार मतदाता सूची में बदलाव कर सके।

चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की बताई गई आपत्तियों पर लवासा ने कहा कि चुनाव आयोग के अंदर राय में अंतर होना अपने आप में औपचारिक असहमति नहीं माना जा सकता।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को बातचीत और निर्णय प्रक्रिया की पूरी जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए। इसमें यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि क्या दोनों आयुक्तों ने किसी खास मुद्दे पर एक ही राय रखी, क्या उनकी राय पर विचार किया गया और क्या वे अंत में लिए गए

▶8 पर

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

जिनपिंग के अमेरिका पहुंचते ही ट्रंप से होगा आमना सामना, 25 सितंबर को होगी उच्च स्तरीय द्विपक्षीय बैठक

बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस सप्ताह अमेरिका के तीन दिवसीय महत्वपूर्ण राजकीय दौरे पर पहुंच रहे हैं, जहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उच्च स्तरीय बातचीत करेंगे। बीजिंग के विदेश मंत्रालय ने इस बात की आधिकारिक पुष्टि करते हुए बताया कि शी जिनपिंग तेईस से पच्चीस सितंबर तक अमेरिका में रहेंगे। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन के अनुसार, इस आगामी बैठक के दौरान दोनों शीर्ष नेताओं के बीच चीन-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ वैश्विक शांति, स्थिरता और आर्थिक विकास से जुड़े तमाम प्रमुख मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। चीन का यह भी कहना है कि वह अमेरिका के साथ मिलकर दोनों देशों के बीच रचनात्मक रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने, आपसी संवाद को बढ़ाने और वर्तमान मतभेदों को उचित तरीके से प्रबंधित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। दुनिया की इन दो सबसे बड़ी महाशक्तियों के बीच हो रही इस मुलाकात को व्यापार, अत्याधुनिक तकनीक और भू-राजनीतिक तनावों को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

कूटनीतिक प्रोटोकाल से हटकर एक विशेष पहल के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड खुद ज्वाइंट बेस एंड्रयूज पहुंचने पर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का व्यक्तिगत रूप से स्वागत करेंगे, जबकि दोनों नेताओं के बीच मुख्य और निर्णायक बैठक होने की उम्मीद है। पिछले साल मई में ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान बीजिंग पहुंचने पर चीनी उपराष्ट्रपति ने उनका स्वागत किया था, जिसके बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति का यह व्यक्तिगत स्वागत दोनों देशों के रिश्तों में कूटनीतिक गर्माहट लाने का संकेत देता है। हाल ही में एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने स्पष्ट किया था कि वे इस मुलाकात के दौरान व्यापार और तकनीकी प्रतिस्पर्धा से लेकर लगभग हर संवेदनशील मुद्दे पर खुलकर चर्चा करेंगे। विश्लेषकों का मानना है कि पिछले लगभग एक साल से दोनों देशों के बीच टैरिफ और व्यापारिक मोर्चे पर केवल एक अस्थायी समझ ही बन पाई है, लेकिन अभी तक कोई ठोस या स्थायी व्यापार समझौता नहीं हो सका है, जिसे इस बैठक में अंतिम रूप देने का प्रयास किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, ताइवान की संप्रभुता, दक्षिण चीन सागर में सैन्य गतिविधियों और उच्च तकनीक आपूर्ति श्रृंखलाओं को लेकर दोनों महाशक्तियों के बीच लंबे समय से चला आ रहा रणनीतिक तनाव भी इस उच्च स्तरीय वार्ता के सबसे प्रमुख और संवेदनशील एजेंडे में शामिल रहने वाला है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान ने रद की तेहरान से बगदाद और मस्कट जाने वाली उड़ानें, टर्किश एयरलाइंस की सेवा मार्च तक बंद

तेहरान। ईरान ने तेहरान से बगदाद और मस्कट जाने वाली उड़ानें रद कर दी हैं। ऐसा क्षेत्रीय एयरपोर्ट्स पर अमेरिकी दबाव बढ़ने के कारण किया गया है। इस दबाव का मकसद ईरान की एयरलाइंस को इंटरनेशनल आपरेशन्स से अलग-थलग करना है। ईरान के सिविल एविएशन आर्गनाइजेशन ने कहा कि इराकी और ओमान की राजधानियों के लिए उड़ानें 23 सितंबर को स्थानीय समयानुसार रात 12 बजे से रद कर दी जाएंगी। ईरान इंटरनेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने बताया कि ईरानी अधिकारी बगदाद जाने वाली उड़ानों को नजफ की ओर मोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। तस्नीम ने कहा कि बाकी इंटरनेशनल उड़ानें, जिनमें इस्तांबुल के लिए सेवाएं भी शामिल हैं, तय समय के अनुसार चलेंगी। इराक सिविल एविएशन अथारिटी के सूत्रों ने बताया कि इराकी सरकार ने अधिकारियों को बगदड्डाद के लिए ईरानी उड़ानें रोकने का आदेश दिया था। ईरान के सिविल एविएशन आर्गनाइजेशन के प्रवक्ता माजिद अखवन ने भी कहा कि मस्कट एयरपोर्ट अब ईरानी यात्रियों को स्वीकार नहीं करेगा और तेहरान इन प्रतिबंधों को लेकर ओमान के अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहा है। इन उड़ानों का रद होना ईरान के एविएशन सेक्टर के खिलाफ वाशिंगटन के तेज किए गए अभियान का शुरुआती नतीजा है। अमेरिकी वित्त सचिव स्काट बेसेंट ने कहा कि ईरानी एयरलाइंस 23 सितंबर से इंटरनेशनल आपरेशन्स से प्रभावी रूप से बाहर हो जाएंगी। उन्होंने एयरपोर्ट्स, फ्यूल सप्लायर्स, ग्राउंड-हैंडलिंग फर्मों और अन्य कंपनियों को चेतावनी दी कि प्रतिबंधों का सामना कर रही ईरानी एयरलाइंस को सेवाएं देने से उन पर अमेरिकी जुर्माना लग सकता है।

नेपाल को पुनर्निर्माण के लिए अमेरिका देगा 31 मिलियन डालर की अतिरिक्त सहायता

काठमांडू। अमेरिका ने नेपाल में बाढ़ के बाद पुनर्स्थापना और पुनर्निर्माण के लिए अतिरिक्त 31 मिलियन अमेरिकी डालर की सहायता देने की घोषणा की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की राजनीतिक मामलों की उपसचिव एलिसन हुकर ने न्यूयार्क में नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल के साथ मुलाकात के दौरान यह घोषणा की। बैठक में हुकर ने नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों और अब भी लापता करीब 70 अमेरिकी नागरिकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। अमेरिका ने प्रभावित क्षेत्रों में परिवहन बुनियादी ढांचे की बहाली और क्षेत्रीय संपर्क मजबूत करने के लिए 10 मिलियन डालर मूल्य के स्थायी तथा जरूरत के अनुसार स्थापित किए जा सकने वाले पुल उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इन पुलों की खरीद अमेरिकी कंपनियों से की जाएगी। इसी तरह, प्रभावित समुदायों के लिए पेयजल, स्वच्छता एवं साफ-सफाई, आश्रय, संरक्षण, आजीविका और सर्दियों के लिए आवश्यक सहायता समेत विभिन्न क्षेत्रों में अतिरिक्त 8 मिलियन डालर उपलब्ध कराने की योजना है। बाढ़ के बाद आपदा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के लिए अमेरिका में निर्मित ड्रोन उपलब्ध कराने पर 13 मिलियन डालर खर्च करने की योजना भी घोषित की गई है। इस घोषणा के साथ नेपाल में बाढ़ राहत और पुनर्स्थापना प्रयासों के लिए अमेरिका की कुल सहायता 36 मिलियन डालर से अधिक हो गई है। अमेरिकी दूतावास ने यह जानकारी दी।

ईरान के रणनीतिक केशम द्वीप के पास जोरदार धमाके

तेहरान। ईरान के रणनीतिक केशम द्वीप के पास जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई है। यह आवाज

समुद्र की तरफ से आई। फिलहाल द्वीप के भू-भाग पर किसी मिसाइल या राकेट के गिरने की पुष्टि नहीं हुई है। यह रणनीतिक इलाका होर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित है। अनादोलू की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी मीडिया और इरना न्यूज एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। इरना ने साफ किया है कि यह आवाज जमीन की तरफ से नहीं, बल्कि समुद्र की तरफ से आई थी। एजेंसी ने कहा कि द्वीप पर कोई राकेट या मिसाइल नहीं गिरी। स्थानीय अधिकारियों ने धमाके की असल वजह पर अब तक कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में स्थित केशम द्वीप खाड़ी का सबसे बड़ा द्वीप है। यह घटना होर्मुज में लगातार चल रहे समुद्री और सैन्य तनाव के बीच हुई है। यह ऊर्जा के परिवहन का एक अहम रास्ता है और ईरान से जुड़े संघर्षों का मुख्य केंद्र रहा है। इससे पहले 16 सितंबर को भी केशम द्वीप के तटवर्ती इलाके में धमाके हो चुके हैं।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा की तैयारियां तेज

काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की भारत यात्रा की तैयारियां तेज हो गई हैं। दोनों देशों के बीच नवंबर के अंतिम सप्ताह में शाह की भारत यात्रा को लेकर समन्वय चल रहा है। सूत्रों के अनुसार, 23 से 25 नवंबर के बीच प्रस्तावित यह यात्रा प्रधानमंत्री शाह की पहली औपचारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा होगी।

प्रधानमंत्री शाह इस समय संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका के न्यूयार्क में हैं। हालांकि न्यूयार्क यात्रा उनकी पहली विदेश यात्रा है, लेकिन भारत यात्रा को उनकी पहली औपचारिक द्विपक्षीय विदेश यात्रा के तौर पर देखा जा रहा है। भारत ने जुलाई में प्रधानमंत्री शाह को औपचारिक रूप से भारत आने का निमंत्रण दिया था।

भारत और नेपाल 23-25 नवंबर में शाह की यात्रा की तारीख तय करने के लिए काम कर रहे हैं। नेपाल के वित्तमंत्री स्वर्णिम वाग्ले की हालिया भारत यात्रा को भी इस दौरे की पृष्ठभूमि तैयार करने से जोड़कर देखा जा रहा है। वाग्ले ने भारतीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण और विदेशमंत्री एस. जयशंकर के साथ आर्थिक, ऊर्जा और कनेक्टिविटी सहयोग पर चर्चा की थी।

महत्वपूर्ण समझौतों की तैयारी - प्रधानमंत्री शाह की प्रस्तावित भारत यात्रा को केवल राजनीतिक मुलाकात तक सीमित रखने के बजाय कनेक्टिविटी, ऊर्जा, व्यापार, बुनियादी ढांचे और बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित करने की तैयारी की जा रही है।

रक्सौल-काठमांडू रेलमार्ग पर समझौते की संभावना - शाह के दिल्ली दौरे के दौरान रक्सौल-काठमांडू ब्राडगेज रेलवे लिंक को लेकर महत्वपूर्ण प्रगति की संभावना जताई जा रही है। भारत और नेपाल के अधिकारियों ने जून में काठमांडू में रेलवे सहयोग पर हुई बैठक में रक्सौल-काठमांडू रेल लिंक की फाइनल लोकेशन सर्वे रिपोर्ट पर चर्चा की थी। इसी बैठक में जनकपुर-अयोध्या यात्री रेल सेवा शुरू करने के लिए आवश्यक एसओपी पर भी चर्चा हुई थी। ऐसे में शाह की भारत यात्रा के दौरान रक्सौल-काठमांडू रेल परियोजना को लेकर आगे की प्रक्रिया, समझौते या कार्यान्वयन संबंधी घोषणा महत्वपूर्ण विषय बन सकती है।

जनकपुर-अयोध्या ट्रेन सेवा - नेपाल के धार्मिक शहर जनकपुर और भारत के अयोध्या के बीच रेल कनेक्टिविटी को भी यात्रा के दौरान प्रमुखता मिलने की संभावना है। दोनों देशों के बीच इस मार्ग पर यात्री ट्रेन सेवा शुरू करने की तैयारियां पहले से चल रही हैं। जून में दोनों पक्षों ने सेवा शुरू करने से संबंधित स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर पर चर्चा की थी। संभावित रूप से प्रधानमंत्री शाह और भारतीय नेतृत्व इस सेवा को औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाने की दिशा में घोषणा कर सकते हैं।

750 मेगावाट पश्चिम सेती परियोजना पर भी नजर - शाह के भारत दौरे के दौरान 750 मेगावाट पश्चिम सेती जलविद्युत परियोजना को लेकर भी महत्वपूर्ण समझौते की तैयारी की चर्चा है। भारत की सरकारी कंपनी एनएचपीसी को पश्चिम सेती और 450 मेगावाट सेती नदी-6 परियोजना के विकास से जोड़ा गया है। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास अनुसार, पश्चिम सेती और सेती नदी-6 की संयुक्त क्षमता 1,200 मेगावाट है और परियोजनाओं को लेकर अध्ययन तथा तकनीकी प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। सरकार के निर्देश पर नेपाल इन्वेस्टमेंट बोर्ड के तरफ से इस दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है।

दोधारा-चांदनी में इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट - नेपाल के सुदूर पश्चिमी क्षेत्र में भारत-नेपाल व्यापार और सीमा कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए दोधारा-चांदनी में इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट भी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल हो सकती है। यात्रा के दौरान इसके शिलान्यास को लेकर भी तैयारी की जा रही है। यह परियोजना सुदूर पश्चिमी नेपाल की भारत से व्यापारिक कनेक्टिविटी बढ़ाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

महाकाली नदी पर मोटरेबल पुल का उद्घाटन - भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए महाकाली नदी पर बने मोटरेबल पुल का उद्घाटन भी प्रस्तावित कार्यक्रम का हिस्सा हो सकता है। इससे नेपाल के सुदूर पश्चिमी क्षेत्र और भारत के उत्तराखंड सीमा के बीच आवागमन तथा व्यापारिक गतिविधियों को सुगम बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

नेपाल पुलिस एकेडमी का उद्घाटन - भारत के सहयोग से निर्मित नेपाल पुलिस एकेडमी को भी प्रधानमंत्री शाह की भारत यात्रा के दौरान औपचारिक रूप से उद्घाटित किए जाने की तैयारी है। यह परियोजना दोनों देशों के सुरक्षा और क्षमता निर्माण सहयोग का हिस्सा है। भारत और नेपाल के बीच सुरक्षा एजेंसियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण में लंबे समय से सहयोग होता रहा है।

भैरहवा इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट भी कार्यक्रम में - भारत सरकार के सहयोग से भैरहवा में निर्मित इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट का उद्घाटन भी प्रस्तावित कार्यक्रम में शामिल किया जा सकता है। भैरहवा नेपाल के प्रमुख व्यापारिक प्रवेश बिंदुओं में से एक है और भारत के उत्तर प्रदेश क्षेत्र से इसकी सीधी कनेक्टिविटी है। ऐसे में आईसीपी के संचालन से सीमा व्यापार, माल परिवहन और सीमा प्रबंधन को व्यवस्थित करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

संरा महासभा में तुर्किये के दृष्टिकोण का विरोध, इजराइल का बहिर्गमन

न्यूयार्क

तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में एक कड़े भाषण में गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइल की कार्रवाई की निंदा की। इससे नाराज इजराइली प्रतिनिधिमंडल बहिर्गमन (वाकआउट) कर गया। मगर फिलिस्तीनी प्रतिनिधियों ने तालियां बजाईं। एर्दोगन ने गाजा में इजराइल के लगातार हो रहे युद्ध अपराधों और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बस्तियों में रहने वाले लोगों द्वारा किए जा रहे हमलों और हिंसा के बढ़ने का मुद्दा उठाया।

रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन से हमने युद्धविराम में योगदान दिया। लेकिन इस तथाकथित युद्धविराम के बावजूद गाजा में 1,300 से ज्यादा आम नागरिकों की हत्या कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हालांकि हमास और अन्य फिलिस्तीनी समूहों ने अक्टूबर के युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण को स्वीकार कर लिया है, लेकिन इजराइल गाजा में अपनी कार्रवाई बंद नहीं कर रहा है। एर्दोगन ने कहा, हम एक ऐसी नरसंहार वाली मानसिकता का सामना कर रहे हैं जिसका खून-खराबे से कभी मन नहीं भरता। इंसानियत, दया या जमीर रखने वाला कोई भी व्यक्ति इससे आंखें नहीं मूंद सकता। एर्दोगन ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि वह संघर्ष वाले इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा, इक्यासी (81) साल पहले, दुनिया में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए संयुक्त राष्ट्र बनाया गया था, लेकिन अफसोस की बात है कि यूएन अपना फर्ज निभाने में नाकाम रहा है।

एर्दोगन ने कहा कि यूएन बेअसर हो गया है और फिलिस्तीन, लेबनान और सूडान में उसकी हालत बहुत खराब हो गई है। एर्दोगन ने दुनिया के नेताओं की यूएन बैठक में फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास की गैर मौजूदगी का भी जिक्र किया, क्योंकि अमेरिका ने फिलिस्तीनी नेता को देश में आने के लिए वीजा देने से मना कर दिया था। ऐसा दो साल में दूसरी बार हुआ है।

एर्दोगन ने कहा, भले ही राष्ट्रपति अब्बास यहां हमारे साथ मौजूद नहीं हैं, लेकिन हम फिलिस्तीन को आजाद और संप्रभु देश मानते हैं और उसकी आवाज उठाते रहेंगे। तुर्किये के राष्ट्रपति ने यूक्रेन पर रूस के युद्ध का भी जिक्र किया और कहा कि अब इस संघर्ष को खत्म करने का समय आ गया है।

साटा ने मनाया 96वां साउदी राष्ट्रीय दिवस

रियाद । साउदी अरब तेलुगु एसोसिएशन (एसएटीए), रियाद ने 96वें साउदी राष्ट्रीय दिवस को बड़े उत्साह, मित्रता और एकता के माहौल में मनाया। इस विशेष अवसर पर साटा के सदस्यों ने साउदी अरब की जनता को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

साटा के संस्थापक मल्लेशन ने कहा कि भारत से आकर यहाँ रोजगार और पेशेवर अवसरों से जुड़े भारतीयों के लिए साउदी लोगों के साथ आपसी सम्मान, भाईचारे और सद्भाव में रहना अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। रियाद साटा के अध्यक्ष श्रीनिवास माचा ने अपनी बात रखते हुए कहा, यद्यपि हम भारतीय हैं, लेकिन साउदी अरब हमारे लिए दूसरे घर की तरह बन चुका है, जिसने हमें रोजगार और बेहतर अवसर प्रदान किए हैं। साउदी समाज की संस्कृति और मूल्यों का सम्मान करते हुए उनके साथ काम करना हमारे लिए खुशी की बात है। भारतीय अपनी कड़ी मेहनत, निष्ठा और प्रतिबद्धता के बल पर यहाँ जो सम्मान अर्जित कर रहे हैं, उस पर मुझे भारतीय होने के नाते बेहद गर्व है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि भारतीय नागरिक साउदी अरब के विकास में योगदान देते रहेंगे और दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेंगे।

इस समारोह में साटा महिला अध्यक्ष शरवाणी विद्याधारिणी, कोर टीम के सदस्य, श्रीणि ह्यूमैनिटी सर्विसेज के प्रतिनिधि तथा संस्थापक तिरुपति स्वामी स्वर्ण सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने साउदी अरब के निवासियों को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। यह आयोजन भारतीय और साउदी समुदायों के बीच सांस्कृतिक सद्भाव, मित्रता और आपसी सम्मान का प्रतीक बना।

उत्तर कोरिया के हाथ लगा रूस का गेरान ड्रोन, सैमसंग से टोयोटा तक की फैक्ट्रियां बन सकती हैं निशाना

मास्को

रूस में बन रहे उन्नत गेरान श्रेणी के ड्रोन और उनकी मारक तकनीक को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं, क्योंकि इसका असर अब केवल यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रहने वाला है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि रूस ने इन घातक ड्रोन्स या उनकी निर्माण तकनीक को उत्तर कोरिया तक पहुंचा दिया, तो इससे कोरियाई प्रायद्वीप और एशिया के सामरिक संतुलन पर कितना गहरा और खतरनाक असर पड़ेगा। रूस के तातारस्तान स्थित अलाबुगा विशेष आर्थिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गेरान ड्रोन का उत्पादन किया जाता है, और रिपोर्ट्स के अनुसार वहां संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों से बचने के लिए छात्र वीजा की आड़ में हजारों उत्तर कोरियाई नागरिकों को कामगारों के रूप में भेजा गया है। बहुपक्षीय प्रतिबंध निगरानी समूहों की रिपोर्टों का अनुमान है कि रूस में ड्रोन निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में लगभग पच्चीस हजार तक उत्तर कोरियाई नागरिक शामिल हो सकते हैं, जिन्हें इस पूरी अत्याधुनिक तकनीकी प्रक्रिया की गहरी जानकारी मिल रही है।

रूसी सैन्य और रक्षा क्षेत्रों में काम कर रहे इन उत्तर कोरियाई कामगारों के माध्यम से यदि गेरान ड्रोन की तकनीक प्योंगयांग के हाथों में पहुंचती है, तो यह दक्षिण कोरिया और जापान जैसे देशों के लिए एक विकट चुनौती बन सकती है।

रूस द्वारा यूक्रेन में व्यापक रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले गेरान-2 और विशेष रूप से छह सौ किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ने वाले तथा नब्बे किलोग्राम तक के विस्फोटक ले जाने में सक्षम गेरान-5 जैसे ड्रोन अपनी अत्यधिक गति और सटीक मारक क्षमता के कारण दुश्मन के रक्षा तंत्र को भेदने में माहिर माने जाते हैं। रूसी सैन्य विश्लेषकों और ब्लाग्स के हालिया आकलन के अनुसार, यदि उत्तर कोरिया को ऐसी लंबी दूरी की और तेज रफ्तार ड्रोन क्षमता हासिल हो जाती है, तो पारंपरिक सैन्य ठिकानों के अलावा उसके निशाने पर दक्षिण कोरिया और जापान के प्रमुख औद्योगिक और ऊर्जा प्रतिष्ठान भी आ सकते हैं। इस संभावित भू-राजनीतिक खतरे के चलते दक्षिण कोरिया के बड़े तकनीकी और विनिर्माण केंद्रों, विशेष रूप से सीमा के करीब स्थित सैमसंग जैसी दिग्गज कंपनियों के उत्पादन संयंत्रों और अमेरिकी सैन्य ठिकानों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं काफी बढ़ गई हैं।

न्यूयार्क पहुंचे ईरान के राष्ट्रपति, समझौता न होने पर ट्रंप ने इस्लामिक रिपब्लिक को खत्म करने की धमकी दी

न्यूयार्क

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र में हिस्सा लेने के लिए न्यूयार्क पहुंच गए। वह युद्ध पर ईरान का पक्ष रखेंगे और तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक समाधान की कोशिश करेंगे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चेतावनी दे चुके हैं कि अगर समझौता नहीं हुआ तो वे इस्लामिक रिपब्लिक को खत्म कर देंगे।

इरना और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, पेजेश्कियान महासभा के सत्र को संबोधित करेंगे। उम्मीद है कि वह इस दौरान संघर्ष, कथित अपराधों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं पर ईरान के अविश्वास जैसे मुद्दों पर तेहरान का पक्ष रखेंगे। न्यूयार्क रवाना होने से पहले पेजेश्कियान ने कहा हम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ईरान का पक्ष मजबूती से रखेंगे। संयुक्त राष्ट्र में हम जो मुद्दे उठाएंगे, उनमें ईरानी जनता

की दयनीय स्थिति, हुए अपराध और पैदा हुए अविश्वास को उजागर करना शामिल है। हम कई बार बातचीत की मेज पर बैठे और समझौतों पर हस्ताक्षर किए, लेकिन दुर्भाग्य से, पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे वादे पूरे नहीं किए गए और समझौतों को पैरों तले रौंद दिया गया।

पेजेश्कियान का आगमन ट्रंप के संयुक्त राष्ट्र महासभा संबोधन के ठीक बाद हुआ, जिसमें उन्होंने ईरान के साथ समझौता करने या इस्लामिक रिपब्लिक के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करने के बीच एक विकल्प पेश किया। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर संघर्ष खत्म करने के लिए कोई समझौता नहीं हुआ तो वे इस्लामिक रिपब्लिक को खत्म कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें बड़ा फैसला लेना है।

ट्रंप ने कहा कि ईरान इंतजार कर रहा है कि अमेरिकी मध्यावधि चुनाव में उनका प्रदर्शन कैसा रहता है। उन्होंने कहा कि चुनाव का तेहरान के प्रति उनके नजरिए पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा, ईरान के मामले में मैं चुनाव को बिल्कुल भी अहमियत नहीं देता और न ही दूंगा। यह मेरे दिमाग में भी नहीं आता। मेरे लिए सिर्फ एक ही बात मायने रखती है कि ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, जब ट्रंप ने तेहरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों के बारे में बोलना शुरू किया तो ईरानी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने वाकआउट करदिया। इरना के अनुसार, रवानगी से पहले पेजेश्कियान को पहले उप राष्ट्रपति मोहम्मद रजा अरेफ, सुप्रीम लीडर के कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों के डिप्टी होज्जतोलइस्लाम वालमोस्लेमिन मोहसेन कोमी और ईरानी कैबिनेट के सदस्यों ने आधिकारिक तौर पर विदाई दी।

न्यूयार्क में प्रवास के दौरान, पेजेश्कियान वहां मौजूद राष्ट्राध्यक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। साथ ही अमेरिका में रहने वाले पढ़े-लिखे ईरानियों, अमेरिकी विशिष्ट लोगों और थिंक टैंक के साथ अलग-अलग बातचीत भी करेंगे। पेजेश्कियान का भाषण ऐसे समय में होगा जब संयुक्त राष्ट्र में वाशिंगटन और तेहरान के रुख में जबरदस्त मतभेद है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मध्यम रहेगा। किसी भी काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करने पर सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। दाम्पत्य जीवन खुशनुमा रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मनमुताबिक रहेगा। व्यापार लाभ देगा कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। कर्ज किसी को भी नही देना हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिलाझुला रहेगा। आय के स्त्रोत बढ़ेंगे व्यापार अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाही पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। धार्मिक कार्य में कुछ समय व्यतीत करें । यात्रा का योग नही हैं

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन आप का समय अनुकूल रहेगा। नक्षत्र बल रहेगा समय तारा अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा । सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जा रहे है तो गाय को गुड खिलाकर निकलें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन कमजोर हैं । आमदनी मे भी रुकावटें बनेगी व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। छात्रो का परिणाम शतप्रतिशत रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य से कुछ बहतर रहेगा। काम धंधा तो मध्यम रहेगा परन्तु काम मे रुकावटें नही आएगी कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा । क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा । सेहत तंदुरुस्त रहेगी डीनर के समय दूध का ही सेवन करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कोई मशीन खरिदने का योग बनरहा हैं वाहन भी ले सकते है । कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए नंदी को लाल फल खिलाए।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन शानदाय हैं आप रिस्क मे भी हाथ डाल सकते हैं । नुकसान की सम्भावना कम हैं कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का साथ रहेगा शाम को टहलने के लिए जरुर निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन महनत ज्यादा करनी पडेगी । आज सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा किसी से विवाद होने की आसंका मे अपने को दूर ही रखें ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज सुबह ही कोई काम बनेगा खुशखबरी से दीन बन जाएगा । व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। मित्रों के साथ डीनर का प्रोग्राम बनेगा । सेहत भी जबरदस्त रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन थोडा व्यस्तता मे बीतेगा थकावट ज्यादा रहेगी । धंधा जरुर अच्छा चलेगा लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। विरोधी परास्त होंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सुबह ही हनुमान मंदिर के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें कार्य सिद्धि होगी । आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा । जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। दिन का पीछला भाग जरूर सुकून भरा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 24 सितंबर 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद, शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 11:20 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा प्रातः 11:35 तक
योग : धृति सायं 03:34 तक
करण : कौलव प्रातः 11:11 तक
चन्द्राशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:05, सूर्यास्त 06:10 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:14 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:07 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:02 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत ,पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

वी. हनुमानथ राव ने मित्रा यूथ एसोसिएशन के 59वें गणेश नवरात्रि उत्सव में की पूजा–अर्चना

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): पिछड़ा वर्ग (बीसी) कल्याण एवं विकास मामलों के तेलंगाना राज्य सरकार के सलाहकार तथा पूर्व राज्यसभा सांसद श्री वी. हनुमानथ राव ने छात्रिनाका, हैदराबाद स्थित मित्रा यूथ एसोसिएशन के गणेश पंडाल का दौरा किया। मित्रा यूथ एसोसिएशन इस वर्ष अपना 59वां वार्षिक गणेश नवरात्रि उत्सव धूमधाम से मना रहा है।इस अवसर पर वी. हनुमानथ राव ने भगवान श्री गणेश की विशेष पूजा–अर्चना की और महाआरती में भाग लिया। दर्शन के उपरांत एमवाईए समिति के पदाधिकारियों द्वारा उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान (शॉल व स्मृति चिह्न भेंटकर) किया गया।इस धार्मिक आयोजन में एमवाईए के महासचिव एस. पी. क्रांति कुमार, सीएफआई सचिव शंबुला श्रीकांत गौड़, एमवाईए के सदस्य के. भारद्वाज, बी. नितिन चारी, संतोष, एस. करण, बी. वेंकटेश, के. सरोज, दुर्गा प्रसाद, रितेश, यजथ, ऋषिराज, अभिलाष सहित बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एकदंत यूथ एसोसिएशन, रामनगर द्वारा स्थापित गणेश प्रतिमा के दर्शन का लाभ प्राप्त करते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, रामप्रकाश भंडारी, एसीपी जी. रणवीर रेड्डी, डीएसपी डी. बबिता, इंस्पेक्टर एल. मधु बाबू, सब–इंस्पेक्टर मो. करीम, टीआरएस नेता जयसिम्हा, गोविंद सोमाणी, दीपक बंग, हेमंत झंवर, नरेंद्र झंवर, दामोदर झंवर, सीए कैलाश बंग, विशाल झंवर एवं अन्य।

गांग निवास पर स्थापित भगवान गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाते हुए अनिता एवं श्रद्धा देवी गांग।

टैंक बंड पर भगवान गणेश जी की प्रतिमा का विसर्जन करती हुई भाजपा नेता सपना गुप्ता एवं अन्य।

किशनगंज यूथ एसोसिएशन द्वारा आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में आज बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष श्री एन. आर. लक्ष्मण राव के साथ हरि, साई, संतोष, नरेंद्र यादव, वेंकटेश यादव एवं उनकी टीम ने सहभागिता की। बजरंग सेना तेलंगाना ने इस सार्थक पहल के लिए किशनगंज यूथ एसोसिएशन की सराहना की और सामाजिक सेवा के प्रति उनके निरंतर समर्पण की प्रशंसा की।

गोशामहल के गणपति महाराज के दर्शन करते हुए अरुणा गुप्ता एवं अन्य।

बेगम बाजार स्थित यादव गणेश मंडप एवं पहलवान गणेश के दर्शन कर भगवान श्री गणेश जी का आशीर्वाद लेते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह। इस अवसर पर गजानंद चौधरी, साई बाबा यादव, आदित्य सिंह, गुलाबचंद यादव एवं अन्य उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली के येल्लम्मा गुंडम्मा चेरुवु कट्टा में गणपति विसर्जन समारोह का शुभारंभ करते राज्य सरकार के सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक श्री चिंताकुंता विजयरामना राव। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष, आयुक्त, पुलिस अधिकारी, नगर अधिकारी, जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता एवं अन्य उपस्थित रहे। विशाल क्रेन की सहायता से श्रद्धा–पूर्वक पूजे गए भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

मदनूर मंडल के धन्नूर गांव में नौ दिवसीय विनायक नवरात्रि उत्सव श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। ग्राम सरपंच जयश्री देविदास पाटिल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने भजन–कीर्तन के साथ गणेश प्रतिमा को बैलगाड़ी में विराजमान कर विसर्जन किया। पुलिस के कड़े बंदोबस्त के बीच विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

काचीगुड़ा स्थित रॉयल हेल्थ केयर में श्री गणेश विसर्जन पूजा के पश्चात आयोजित भव्य अन्न प्रसादम के पावन अवसर पर आयोजक डॉ. डी. डी. शाह, प्रसिद्ध फिल्म स्टार डॉ. प्रशांत शाह, इशिका शाह एवं धारा शाह के साथ गुजराती प्रगति समाज के दिनेश गोसर, प्राणीमित्र रमेश जागीरदार फाउंडेशन के अध्यक्ष रिद्धिश जागीरदार, भरत भट्ट, इंदिरा गोसर, दत्तुभाई एवं अन्य गणमान्य भक्तजन उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली में गणपति नवरात्रि समारोह के दौरान दरभा गणपति (गद्दी गणपति) के 51 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सनातन धर्म प्रचार भजन मंडली द्वारा भजन एवं पारायण सेवा का आयोजन किया गया। पेद्दापल्ली तेलुगुवाड़ा में पेद्दापल्ली जिला मत्स्य सहकारी समिति द्वारा आयोजित गर्भ गणपति कार्यक्रम वार्ड 18 के पार्षद कोलिपाका संपत के तत्वावधान में संपन्न हुआ। इस अवसर पर एत्तेम वीरास्वामी, मंदारपु राजू, सीलम बाबू, बालाजी सिंह ठाकुर, कोट्टे शंकर, आदेपु रघु, निखिल, रघु, श्रीनिवास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मारवाड़ी गणेश उत्सव समिति द्वारा आयोजित गणेश मंडपम में हैदराबाद पुलिस कमिश्नर सज्जनार ने भव्य एसी मंडप में गणेश महाराज की आरती की। इस अवसर पर गोविंद नारायण राठी, श्रीनिवास लोया, सुमित राठी, घनश्याम तोषनीवाल एवं समिति के सदस्यों ने सज्जनार का शॉल तथा माला से उनका सत्कार किया।

बेगम बाजार, हैदराबाद स्थित रंगीन यूथ क्लब एवं रंगीन व्यायामशाला में फिशरमैन चेयरमैन मिट्टू साई अन्ना के साथ विजय शंकर चौधरी, भोला राम जी, सतनारायण भगत, अजय भगत, बजरंग गोपे, मसरत पहलवान, पप्पू मातरे एवं अन्य।

बरकतपुरा स्थित गोकुलधाम अपार्टमेंट में आयोजित गणेश पूजा में मुख्य अतिथि ईस्ट जोन एडिशनल डीसीपी नरसैय्या सहित समिति चेयरमैन दिलीप डागा, अध्यक्ष अरुणा सिंधे, राधिका रेड्डी, संयोजक सुरेंद्र शास्त्री, धीरज नाहटा, अरविंद अग्रवाल, अभिषेक जैन, हेमंत सेठिया, विकास हिंदोचा, अंकित ढोका, संजय गुप्ता, प्रशांत मोदी आदि उपस्थित रहे।

जय शंकर स्पोर्ट्स क्लब, फीलखाना स्थित आचार्य भवन में स्थापित गणेश पंडाल में छप्पन भोग प्रसादी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नर्सिंग ओझा, नियति ओझा, हृदय एवं तन्विता ने गणपति के दर्शन लाभ लिया।

तप और वैराग्य

तप और वैराग्य की पतवार के सहारे ही जीवन-रूपी नाव को सहजता से किनारे ले जा सकते हैं। सत्य की प्राप्ति तपस्वी ही कर सकता है। शारीरिक और मानसिक प्रलोभनों से बचने में जिस सहिष्णुता, धैर्य और संयम की आवश्यकता पडती है, उसे जुटा लेने का नाम ही तप है। अकारण शरीर को सताने का नाम तप नहीं है। सताना तो किसी का भी बुरा है, फिर शरीर को व्यथित और संतप्त करने से क्या होगा। तपस्या वह है, जो सत्य जीवन का लक्ष्य निर्धारित करने के कारण सीमित उपार्जन से निर्वाह करने की स्थिति में मितव्ययिता अपनानी पडती है। इसे प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार और शिरोधार्य करने का नाम ही तो तप- साधना है। इसी प्रकार, वैराग्य का अर्थ घर-परिवार को छोड, विचित्र वेश बनाना या भिक्षाटन करना नहीं है, वरन यह है कि जिस राग-द्वेष की धूप-छांह में सारा जगत हंसता, रोता, अशांत और उद्विग्न रहता है, उस विडंबना से बचते हुए महान लक्ष्य की ओर अनवरत गति से चलते जाना। सत्यनिष्ठ व्यक्ति इस असत्यमग्न संसार को एक विचित्र प्राणी लगता है। उसे भी अज्ञान के अंधकार में भटकती दुनिया दयनीय लगती है। दोनों का तालमेल नहीं बैठता। यह विसंगति कहीं कटुता उत्पन्न करती है, कहीं तिरस्कार उलीचती है। कहीं अवरोध उत्पन्न करती है, तो कहीं त्रास देती है। इसे उपेक्षापूर्वक देखना वैराग्य है और इस पर भी जो त्रास सहने पडे, उन्हें संतोषपूर्वक सहने का नाम तप है। वैराग्य और तप की पतवार के सहारे विवेकवान व्यक्ति अपनी साधना की नाव खेते हैं और सत्य के परम लक्ष्य तक जा पहुंचते हैं।

जो भक्त करते हैं साईं बाबा का व्रत उनके दूर हो जाते हैं कष्ट

कहते हैं अगर साईं बाबा का व्रत 9 गुरुवार तक लगातार किया जाए , तो साईं भक्त की हर मनोकामना पूरी हो सकती है। फिर चाहे वह मनोकामना नौकरी, शादी, स्थानांतरण की हो या फिर किसी भी तरह की। दुख से भरे मन को साईं सहारा देते हैं। गुरुवार का दिन साईं का रहता है और इस दिन जो साईं भक्त व्रत और पूजा करता है। साईं की उस पर विशेष कृपा बरसती है। साईं बाबा का व्रत कोई भी कर सकता है। यहां तक की बच्चें भी साईं के व्रत को कर सकते हैं। साईं अपने भक्तों में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करते हैं, अमीर हो या गरीब सभी बाबा के दर पर आते हैं और झोली भरकर खुशियां ले जाते हैं। साईं बाबा का व्रत एक बार शुरु करने के बाद 9 गुरुवार तक किया जाता है। इस व्रत को आप बीच में नहीं छोड सकते हैं। मुश्किल कैसी भी हो 9 व्रत पूरे तक इसे नहीं छोडा जा सकता है।

जब 9 व्रत करते हुए नौ गुरुवार पूरे हो जाएं तो पांच गरीबों को भोजन और अपनी इच्छानुसार दान देना होता है। इसके साथ ही साईं बाबा की पुस्तकें भी बांटनी होती हैं। गुरुवार के दिन शुक्लपक्ष या कृष्णपक्ष किसी भी तिथि में व्रत शुरु कर सकते हैं। 9 गुरुवार तक व्रत करने से मकान मिलना, नौकरी मिलना या विदेश यात्रा पर जाना संभव हो पाता है। मान्यता है कि साईं को कुमकुम लगाने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है। मौली (कलावा या रक्षा सूत्र) बांधने से इंसान मर्यादा में रहता है।

दूध अर्पित करने से वंश की वृद्धि होती है। दही समर्पित करने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है और शहद अर्पित करने से जीवन में मधुरता आती है। साईं बाबा की पूजा करते समय हमेशा दाहिनी और घी का दीपक और बायीं और तेल का दीपक प्रज्वलित करना चाहिए।

घी का दीपक प्रज्वलित करने से घर में यश और खुशी की आती है और तेल का दीपक प्रज्वलित करने से किसी भी प्रकार की गृहदशा, मंगल दोष शनिदोष दूर होता है।

इस तैरते हुए मंदिर में आने से सुख सृमद्धि बढती है, यही जटायु ने किया था रावण से युद्ध

आँध्रप्रदेश के अनंतपुर में स्थित एक छोटा सा गाँव है, मान्यता है की यह रामायण के समय की वो ही जगह है जहाँ रावण से युद्ध के पश्चात घायल हो के गिद्धराज-जटायू गिरे थे। साथ ही यंहा ये मंदिर सोलहवीं सदी में बना है जो अपने जबरदस्त हस्तकला के लिए जाना जाता है। मंदिर काफी बडे क्षेत्र में फैला है और इसमे नारायण महादेव और वीरभद्रा के तीन अलग अलग मंदिर भी आकर्षण का केंद्र है।

मंदिर को झूलते हुए मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, इसमे सत्तर खम्भे लगे है जिसमे से एक हवा में तैर रहा है। इस एक झूलते हुए खम्भे के कारण इसे हैंगिंग टेम्पल कहा जाता है। ये खम्भा पहले हवा में नहीं तैर रहा था पर एक ब्रितानी कारीगर ने जब ये जानना चाहा के ये खम्बे टीके किस पर है और नीचे से सफाई की तो ये खम्भा भी झूल गया, इसका मतलब ये भी है की बाकि के खंभे भी हवा में है।

मंदिर की मान्यता यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं की मान्यता है की इसके नीचे से कपडा निकलने से सुख सृमद्धि बढती है। इस मंदिर का निर्माण कि पौराणिक मान्यता यह है की लेपाक्षी परिसर में स्थित विरभद्र मंदिर का निर्माण ऋषि अगस्तय ने करवाया था। जब राम सीता को तलाशते हुए यहां राम लखन पहुंचे तो उन्होंने उस घायल पक्षी को देख कर कहा 'ले पाक्षी' यानी की उठो पक्षी जो कि एक तेलगु शब्द है। मंदिर से 200 मीटर दूर मेन रोड पर एक ही पत्थर से बनी विशाल नंदी प्रतिमा है जो की 27 फीट लम्बी, 4.5 मीटर ऊंची है। यह एक ही पत्थर से बनी नंदी की सबसे विशाल प्रतिमा है जबकि एक ही पत्थर से बनी दूसरी सबसे बडी प्रतिमा है (गोमतेश्वर सबसे बडी)। एक ही ग्रेनाइट पत्थर से बनी विशाल नागलिंग प्रतिमा भी स्थापित है जो की संभवतया सबसे विशाल नागलिंग प्रतिमा हैं। इस काले ग्रेनाइट से बनी प्रतिमा में एक शिवलिंग के ऊपर सात फन वाला नाग फन फैलाय बैठा है। मंदिर में स्थित है राम पदचिन्ह जबकि कइयों का मानना है की यह माता सीता के पैरों के निशान है।

जानिये ऐसा क्या हुआ की कृष्ण ने कर्ण की प्रशंसा की

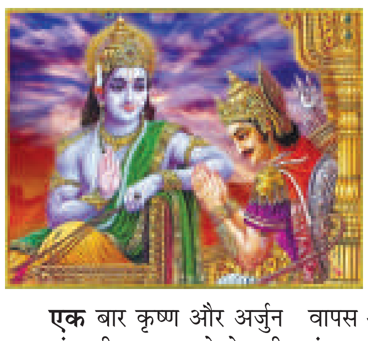

एक बार कृष्ण और अर्जुन एक गांव की तरफजा रहे थे तभी अर्जुन ने कृष्ण से कहा कि क्यों कर्ण को दानवीर कहा जाता है और उन्हें नहीं। यह सुन कर कृष्ण ने दो पर्वत को सोने में बदल दिया, और अर्जुन से कहा कि वह इसका सारा सोना गाँव वालो के बीच में बाट दे। तब अर्जुन गाँव गए और सारे लोगों से कहा कि वे पर्वत के पास इक्कट्ठा हो जाएं क्योंकि वे सोना बाटने जा रहें हैं।

पांचों पांडवों से ज्यादा बलवान और बुद्धिमान कर्ण से सीखें ये 7 चीजें यह सुन कर गाँव वालो ने अर्जुन की जय जय कार करनी शुरू कर दी और अर्जुन छाती चौडी कर पर्वत की तरफचल दिए। दो दिन और दो रातों तक अर्जुन ने सोने के पर्वत खोदा और खोद कर सोना गाँव वालो में बाटा। इतने से पर्वत पर कोई असर नहीं हुआ। लेकिन बहुत सारे गाँव वाले वापस आके कतार में खडे होकर इंतजार करने लगे। अर्जुन अब थक चुके थे लेकिन अपने अहंकार को नहीं छोड रहे थे। उन्होंने कृष्ण से कहा कि अब वो थोडा आराम करना चाहते हैं इसके बिना वो खुदाई नहीं कर पाएंगे। तब कृष्ण ने कर्ण को बुलाया और कहा कि सोने के पर्वत को इन गाँव वालों के बीच में बाट दें। गीता के इन उपदेशों को मानिये, जीवन में कभी नहीं होगी आपकी हार कर्ण ने सारे गाँव वालों को बुलाया और कहा कि ये दोनों सोने के पर्वत उनके हैं और उनसे आ कर सोना ले लो। अर्जुन भौंचक्के हो गये और सोचने लगे कि यह ख्याल उनके दिमाग में क्यों नहीं आया।

तभी कृष्ण मुस्कुराये और अर्जुन से बोले कि तम्हे सोने से मोह हो गया था और तुम गाँव वालो को उतना ही सोना दे रहे थे जितना तुम्हें लगता था कि उन्हें जरुरत है। इसलिए सोने को दान में कितना देना है इसका आकार तुम तय कर रहे थे।

ये हैं महाभारत की 10 प्रेम कहानियाँ जो कोई नहीं जानता लेकिन कर्ण ने यह सब नहीं सोचा और दान देने के बाद कर्ण वह से दूर हट गया। वह नहीं चाहता कि कोई उसकी प्रशंसा करे और ना उसे इस बात से कोई फर्क पडता है कि कोई उसके पीछे उसके बारे में क्या बोलता है। यह एक निशानी है उस आदमी की जो आत्मज्ञान हासिल कर चुका है। दान देने के बदले में धन्यवाद या बधाई की उम्मीद करना उपहार नहीं सौदा कहलाता है। इसलिए दान करो बिना किसी उम्मीद के ।

यमुना नदी, यमराज की बहन है

हिंदू पौराणिक ग्रंथों के अनुसार यमुना नदी, यमराज की बहन है। जिसका नाम यमी भी है। यमराज और यमी के पिता सूर्य हैं। यमुना नदी का जल पहले साफ, कुछ नीला, कुछ सांवला था, इसलिए इन्हें 'काली गंगा और 'असित' भी कहते हैं। असित एक ऋषि थे। सबसे पहले यमुना नदी को इन्होंने ही खोजा था। तभी से यमुना का एक नाम 'असित' संबोधित किया जाने लगा। यमुना जिसे यमुनोत्री भी कहा जाता है। यह नदी उत्तरकाशी से 30 किमी उत्तर, गढवाल से निकली है। और अंत में इलाहाबाद में गंगा नदी से मिल जाती है। जहां यह त्रिवेणी(गंगा, सरस्वती, जमुना या यमुना) कहलाती है। यमुना की सहायक नदियां चम्बल, सेंगर, छोटी सिन्ध, बेतवा और केन हैं। यमुना के तटवर्ती नगरों में दिल्ली और आगरा के अतिरिक्त इटावा, काल्पी, हमीरपुर और प्रयाग मुख्य है। जिस तरह भगवान श्रीकृष्ण को ब्रज संस्कृति का जनक कहा जाता है, ठीक उसी तरह यमुना को जननी का स्थान दिया गया है।

किस करण से कुंभकर्ण सोता था 6 महीनों तक, जानें रहस्य

इंद्र-इंद्र देवताओं के देवता थे लेकिन वे कुंभकर्ण से ईर्षा करते थे क्योंकि वह बहुत बुद्धिमान और बहादुर था। इसके लिए इंद्र कुंभकर्ण से बदला लेने के लिए सही समय का इंजार कर रहे थे।

यज्ञ-तीनों भाई रावण, कुंभकर्ण और विभीषण ने ब्रहमा को प्रसन्न करने के लिए यज्ञ और यागा किया।

वरदान या अभिशाप-यज्ञ से प्रसन्न होके तीनो भाइयों को वरदान देने के लिए ब्रहमा प्रकट हुए। और उन्होंने ने कुंभकर्ण से पूछा की उसे क्या वरदान चाहिए। तब कुंभकर्ण ने कहा कि उसे इंद्रासन चाहिए लेकिन उसके मुँह से निद्रासन निकला।

व्याकुल कुंभकर्ण-जब कुंभकर्ण ने इंद्रासन की बजाये निद्रासन कहा तब उसे अपनी गलती का अहसास हुआ की उसने क्या कहा दिया। जब तक उसे कुछ समझ आता ब्रहमा तथाअस्तु बोल चुके थे। हालांकि की कुंभकर्ण ने कहा कि उसकी इच्छा पूरा ना करें लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

इंद्र की चाल-जैसे की हम सब जानते थे कि इंद्र कुंभकर्ण ईर्षा करते थे। जिसके चलते इंद्र ने देवी सरस्वती से जाके अनुरोध किया कि कुंभकर्ण इंद्रासन की बजाये निद्रासन कहे।

कुंभकर्ण की नींद-तभी से कुंभकर्ण 6 महीने की नींद में चले जाने के बाद फिर से 6 महीने के बाद तग जगता रहा और उसे जो कुछ भी प्राप्त हुआ वह उससे अपनी भूख मिटाता रहा।

केनोपनिषद: कुछ इस तरह पाएं मन की इच्छाओं से आत्मज्ञान

केनोपनिषद को चार खंडो में बांटा गया है। पहले खंड में मन की इच्छाओं, दूसरे खंड में ईश्वर के निराकार रूप, तीसरे खंड में परब्रहमा की सत्त के बारे में और चौथे खंड में विद्या की देवी सरस्वती द्वारा परब्रहम की विजय के बारे में बताया है। जिंदगी में आप ईश्वर के अध्यात्मरूपी प्रकाश से प्रकाशवान हो सकते हैं उसके बारे में बडी ही सरलता सहजता से बताया गया है।

शांतिपाठ

ऊँ अप्यायंतु ममांगानि
वाक्प्राणचक्षुष: श्रोतमथो
बलमिन्द्रियाणि च सर्वाणि सर्वं
ब्रहमोनिषदं माहं ब्रहमा निराकुर्या
मा मा ब्रहम निराकरोद
निराकरणमस्त्वनिराकरणं मे
अपिस्तुतदात्मानि निरते य
उपनिषत्सु धर्मास्ते मयि संतु।

यानि मेरे सभी अंग पुष्ट हों और मेरी वाणी, आत्मा, सुनने की शक्ति के साथ पूरी इंद्रियां पुष्ट हों। सभी विद्या ब्रहमा ने उपनिषदों के रूप में दी है। मैं ब्रहमा का निराकरण न करूं, ब्रह्मा मेरा निराकरण न करे। इस प्रकार हमारा परस्पर अनिराकरण हो। उपनिषदों में जो धर्म है, वह आत्मज्ञान में लगे हुए मुझ में निहित हो, वह मेरे अंदर समा जाए , उपनिषदों में जो धर्म है उसका निराकार आत्मज्ञान मुझ में समा जाए और मेरे कई प्रकार के तापों को शांति मिले।

प्रथम खंड

1.जिसे कोई नेत्र नहीं देखता, किंतु जिसकी सहायता से नेत्र अपने विषय(लक्ष्य) को देखते हैं, उसी को ब्रहमा(ईश्वर) समझना चाहिए। जिसे कोई कान नहीं सुनता, परंतु जिसकी सहायता से कान सुनने का कार्य करते हैं, उसी को ब्रहमा समझो।

2.यह मन किसकी इच्छा से प्रेरित होकर अपने विषयों में गिरता है। यह प्राण किसके द्वारा प्रयुक्त होने पर चलता है। यह वाणी किसके द्वारा इच्छा किए जाने पर बोलती है। कौन देव या देवी नेत्रों और कानों को प्रेरित करते हैं। यह कुछ ऐसे प्रश्न हैं जिनके जावाब मन की इच्छाओं में छिपे हैं। जिन्हें एक सात्विक मनुष्य के अलावा कोई दूसरा नहीं खोज सकता है।

3.जो कानों का भी कान, मन का भी मन और वाणी की भी वाणी है, वहीं प्राणों का भी प्राण और आंखों की भी आंखें हैं। इस विचार को जानकरा धैर्यवान पुरुष मरने के बाद मुक्त होकर अमर हो जाते हैं।

4.जिसके विषय में मन, मनन नहीं कर सकता, पर जिसकी सत्ता से मन, मनन करने का सामर्थ्य रखता है, ऐसा कहा जाता है कि उसी को ब्रहमा समझना चाहिए। जिसे विशेष नामयुक्त ईश्वर की लोग उपासना करते हैं, वह ब्रहमा नहीं है।

द्वितीय खंड

1.यदि तुम यह समझते हो कि तुम ईश्वर को अच्छी तरह जानते हो, तो निश्चित ही तुम ब्रहम का अल्प रूप ही जानते हो। इसका जो रूप तुम जानते हो और जो रूप देवताओं में जाना जाता है, वह भी कम है। अत: तुम्हारे लिए ईश्वर को विचार करने योग्य है।

2.सभी इंद्रियां ब्रह्मा की सत्ता से ही कार्य करते हैं इसलिए प्रत्येक इंद्रिय के विषय से उसका ही ज्ञान होता है, इसी से वह जाना जाता है, यही उसका ज्ञान है। इसी ब्रहमज्ञान से अमरता प्राप्त होती है।

3.यदि इसी जन्म में ब्रहम को जान लिया जाए तो, तब तो ठीक है। यदि ऐसा न हो पाए तो यह प्राणी के सर्वाधिक हानि की बात है। कहते है ज्ञानी लोग केवल प्राणी में ब्रहम की सत्ता को देखकर, मृत्यु के पश्चात अमर हो जाते हैं।

तृतीय खंड

1.कहते हैं ब्रहम जब यक्ष रूप में आए तो देवता नहीं पहचान सके कि ये कौन हैं। तब देवराज इंद्र बोले की हे अग्निदेव पता लगाओ को यह यक्ष कौन है। अग्नि ने जब यज्ञ से पूछा कि आप कौन हैं तो यक्ष ने कहा हे अग्नि देव आपके नाम के अनुरूप आप में कौन सी शक्ति है। अग्निदेव बोले कि मैं संपूर्ण पृथ्वी को जला सकता हूं तब यक्ष ने एक तिनका दिया और कहां इसे जलाकर दिखाओ तब अग्नि देव उस तिनके को जलाने में असफल रहे। इसके बाद देवराज इंद्र ने पवन देव को भेजा उन्होंने भी यक्ष से वही प्रश्न किया तब यक्ष बोले कि इस तिनके को उडाओ पवनदेव भी ऐसा करने में जब असफल हुए और जब यक्ष के सामने इंद्र गए तो तब यक्ष अंतर्धान(गायब) हो गए। तब इंद्र ने हिमालय की पुत्री उमा(ब्रहम विद्या) से पूछा कि यह यक्ष कौन है।

उस ब्रहम विद्या ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह ब्रहम हैं, इसकी विजय से ही तुम महिमामय हुए हो। ऐसा कहते हैं कि तभी इंद्र ने जाना कि वह ब्रहमा थे। इंद्र ने सबसे पहले समीप ब्रहमा का स्पर्श किया इसलिए वह देवों में प्रमुख माने गए और उन्हें स्वर्ग का राजा नियुक्त किया गया।

चतुर्थ खंड

1.मन को गतिमान कहा जाता है। यह ब्रहम इस प्रकार मन से ही बार-बार ब्रहम का स्मरण होता है, तथा निरंतर संकल्प किया जाता है।

2.उपनिषद तप, कर्म, वेद और संपूर्ण वेदांग(व्याकरण, ज्योतिष, छंद आदि) यह सब प्रतिष्ठाहैं तथा सत्य उसका घर है।

3.जो निश्चयपूर्वक उपनिषद को इस प्रकार जानता है। वह अपने पापों को नष्ट करके अनंत और महान स्वर्गलोक में चला जाता है।

ऐसा दानव जिसकी मृत्यु न तो पशु और न ही मनुष्य से हुई

ऊँ उग्रं वीरं महाविष्णुं ज्वलन्तं सर्वतोमुखम्म
नृसिंहं भीषणं भद्रं मृत्यु मृत्युं नमाम्यहम।।
ऊँ नृम नृम नृम नर सिंहाय नम:।

भगवान नृसिंह शक्ति के देवता हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी तिथि को भगवान विष्णु ने 'नृसिंह अवतार' लेकर दैत्यराज हिरण्यकशिपु का वध किया था। भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए तथा धर्म की स्थापना की और अपने भक्तों की सदेव संकट आने पर सहायता की।

नृसिंह अवतार

भगवान विष्णु ने अधर्म के नाश के लिए कई अवतार लिए पर दैत्यों के राजा हिरण्यकशिपु का वध करने के लिए ही नृसिंह अवतार लिया था। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार दैत्यों का राजा हिरण्यकशिपु स्वयं को भगवान से भी अधिक शक्तिशाली मानता था। उसे मनुष्य, देवता, पक्षी, पशु, न दिन में, न रात में, न धरती पर, न आकाश में, न अस्त्र से, न शस्त्र से मरने का वरदान प्राप्त था। उसके राज में जो भी भगवान विष्णु की पूजा करता था उसको दंड दिया जाता था। उसके पुत्र का नाम प्रहाद था। प्रहाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था।

यह बात जब हिरण्यकशिपु का पता चली तो वह बहुत क्रोधित हुआ और प्रहाद को समझाने का प्रयास किया लेकिन फिर भी जब प्रहाद नहीं माना तो हिरण्यकशिपु ने उसे मृत्युदंड दे दिया। लेकिन भगवान विष्णु के चमत्कार से वह बच गया। हिरण्यकशिपु की बहन होलिका, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था, वह प्रहाद को लेकर धधकती हुई अग्नि में बैठ गई। तब भी भगवान विष्णु की कृपा से प्रह्लाद बच गया और होलिका जल गई। जब हिरण्यकशिपु स्वयं प्रहाद को मारने ही वाला था तब भगवान विष्णु नृसिंह का अवतार लेकर खंबे से प्रकट हुए और उन्होंने अपने नाखुनों से हिरण्यकशिपु का वध कर दिया।

ऐसे करें व्रत

ब्रहम मुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिए तथा भगवान नृसिंह की विधी विधान के साथ पूजा-अर्चना करनी चाहिए। भगवान नृसिंह तथा लक्ष्मीजी की मूर्ति स्थापित करना चाहिए , तत्पश्चात वेद मंत्रों से इनकी प्राण-प्रतिष्ठा कर षोडशोपचार से पूजन करना चाहिए। भगवान नृसिंह की पूजा के लिए फल, पुष्प, पंचमेवा, कुमकुम, केसर, नारियल, अक्षत व पीताम्बर रखना चाहिए। गंगाजल, काले तिल, पंच गव्य व हवन सामग्री का पूजन में उपयोग करें। भगवान नृसिंह को प्रसन्न करने के लिए उनके नृसिंह गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए। पूजा के पश्चात एकांत में कुश के आसन पर बैठकर रुद्राक्ष की माला से नृसिंह भगवान के मंत्र का जप करना चाहिए। इस दिन व्रती को सामर्थ्य अनुसार तिल, स्वर्ण तथा वस्त्रादि का दान देना चाहिए। इस व्रत को करने वाला व्यक्ति लौकिक दु:खों से मुक्त हो जाता है।

बच्चों के झूठ बोलने का कारण कही पेरेंट्स तो नहीं

झूठ बोलने की आदत बच्चों में ही नहीं बल्कि बड़ों को भी होती हैं। झूठ बोलना तो मानो आजकल का ट्रैंड बन चुका है। ज्यादातर लोग छोटी-छोटी बात को छिपाने के लिए झूठ का सहारा ले लेते है। बच्चों अक्सर अपने पेरेंट्स से झूठ बोलते है लेकिन शायद उनकी इस आदत के पीछे कहीं न कहीं पेरेंट्स ही जिम्मेदार है। पेरेंट्स अक्सर बच्चों पर ऐसा दवाब बनाने लगते है जिससे डरकर बच्चों को झूठ बोलना पड़ जाता है। आइए जानते है कुछ ऐसे ही कारण, जिस वजह से बच्चों झूठ का सहारा लेते है।

अधिक रोका-टोकी

माना कि बच्चो नादान होते है। जल्द ही किसी के झांसे में आ जाते है लेकिन पेरेंट्स अक्सर उनपर जरूरत से ज्यादा रोक-टोक लगाने लग जाते है। इस वजह से बच्चे अक्सर पेरेंट्स से बातें छिपाने लगते है और झूठ बोलना शुरू कर देते है।

पेरेंट्स की लड़ाई

बहुत से मां-बाप है जो बात-बात पर बच्चों के सामने लड़ाई- झगड़े करने लगते है। जब बच्चे अपने पेरेंट्स को झगड़ा करते देखते है तो उनके मन में अलग तरह का डर बैठ जाता है। ऐसे में बच्चों को लगता है कि अगर मैने घर में सच बताया तो शायद मुझे भी डांट पड़ जाएगी, जिस वजह से बच्चे झूठ बोलने लगते है।

हर बात पर शक

अधिकतर पेरेंट्स अपने बच्चे की हर बात को लेकर शक करने लगते है। अगर बच्चा सच भी बोल रहा होता है तो उसे शक की नजरों से देखना शुरू कर देते है। ऐसे में बच्चों को लगता है कि अगर पेरेंट्स हर बात को लेकर शक कर देते है तो बेहतर है कि उनको झूठ ही बोल दिया जाएं।

विश्वास की कमी

रिश्ते में विश्वास काफी मायने रखता है लेकिन बहुत से पेरेंट्स को अपने बच्चे पर विश्वास नहीं होता है। अगर बच्चा सच्चा भी होता है तो भी उसको गलत बताने लगते है। इसी वजह से बच्चे अक्सर पेरेंट्स से झूठ बोलना शुरू कर देते है।

पढ़ाई का दबाव

पेरेंट्स अपने बच्चों की पढ़ाई को लेकर कुछ ज्यादा ही सोचने लगता है। इसी चक्कर में मां-बाप अपने बच्चों पर पढ़ाई का दवाब ज्यादा ही डालने लगते है। ऐसा में बच्चों के अपने पढाई को लेकर अक्सर पेरेंट्स से छोटे-छोटे झूठ बोलने लगता है।

बाईपास सर्जरी से बचाएंगी औषधियां और व्यायाम

आज के समय में हृदय रोग आम होते जा रहे हैं। इसके पीछे अव्यवस्थित जीनशैली, खान-पान की खराब आदतें व कई अन्य कारण हैं। इसके अवाला वात पित्त कफ आदि दोष घट व बढ़कर रक्त में स्थित रक्त कणों के अतिरिक्त जो कुछ हैं, को दूषित कर के हृदय में जाकर रूकावट पैदा करते हैं। मतलब कि हृदय को रक्त प्रदान करने में बाधा डालते हैं और फिर गंभीर हृदय रोग का कारण बनते हैं।

जिसके चलते बाईपास सर्जरी भी आम बात होती जा रही हैं। लेकिन स्वस्थ जीवनशैली, नियमित व्यायाम व स्वस्थ खान-पान से इस प्रकार की स्थिति से बचा जा सकता है। इसके अलावा 3 ऐसी आयुर्वेदिक औषधियां हैं जिनसे बाईपास सर्जरी की नौबत से बचाव होता है। चलिये विस्तार से जानें कौंन सी हैं ये 3 आयुर्वेदिक औषधियां।

शल्य क्रिया से बचाव के लिए 3 औषधियां प्रमुख हैं और वे हैं शिलाजीत, अर्जुन और बला। इनका सेवन कम से कम एक वर्ष करने से अच्छा परिणाम मिलता है।

शिलाजीत

भारतीय जड़ी-बूटियों में शिलाजीत का एक महत्वपूर्ण स्थान है। आयुर्वेद में शिलाजीत की बहुत प्रशंसा की गई है और इसकी गुणवत्ता को प्रतिष्ठित किया है। इसीलिये अधिकांश आयुर्वेदिक नुस्खों में शिलाजीत का प्रयोग किया जाता है। इसकी कमाल की बात यह है कि यह सिर्फ रोग ग्रस्त लोगों का रोग दूर करने के लिए ही, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी उपयोगी होती है। विशेषकर मधुमेह, धातु क्षीणता, बहुमूत्र, स्वप्नदोष, सब प्रकार के प्रमेह, नपुंसकता, शरीर की निर्बलता, वृद्धावस्था की निर्बलता आदि व्याधियों को दूर करने के लिए शिलाजीत गुणकारी होती है।

अर्जुन

अर्जुन का मुख्य उपयोग हृदय रोग के उपचार में किया जाता है। इसे हृदय रोग की महाऔषधि भी माना जाता है। इसके अलावा इसका उपयोग रक्तपित्त, प्रमेह, मूत्राघात, रक्तातिसार तथा क्षय और खांसी आदि के उपचार में भी लाभप्रद होता है।

बला

बला जिसे खिरैटी के नाम से भी जाना जाता है, जो जड़ी-बूटी वाजीकारक एवं पौष्टिक गुण के साथ ही अन्य गुण एवं प्रभाव भी रखती है। मसलन यह यौन दौर्बल्य, धातु क्षीणता, नपुंसकता तथा शारीरिक दुर्बलता दूर करने के अलावा अन्य व्याधियों को भी दूर करने की अच्छी क्षमता रखती है। लेकिन उपरोक्त में से किसी भी औषधी का सेवन करने से पले अपने डॉक्टर से एक बार सलाह जरूर ले लें। वह आपके स्वास्थ्य से बेहतर ढंग से वाकिफ होता है, और जानता है कि आप किन औषधियों का सेवन कर सकते हैं।

शरीर के लिए फायदेमंद है नमक वाला पानी

नमक, इसका इस्तेमाल तो रसोई में खाना बनाने के लिए किया जाता है। यह खाने का स्वाद और बढ़ा देता है। स्वाद के साथ अगर देखा जाए तो नमक प्राकृतिक रूप से एक औषधि भी है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार साबित होता है। अगर रोज सुबह नमक वाले पानी का सेवन किया जाए तो ऐसे में शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे मिलते हैं। क्योंकि नमक में ऐसे कई तत्व मौजूद होते हैं।जो शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं।

वजन घटाएं: नमक वाला पानी पाचन को दुरुस्त करके शरीर की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचाता है, जिससे कि मोटापे को कंट्रोल में किया जा सकता है।

त्वचा: नमक में मौजूद क्रोमियम और सल्फर होता है जो एक्ने से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा यह त्वचा को कोमल और साफ बनाएं रखता है।

डिटॉक्स: प्राकृतिक रूप अगर देखा जाए तो नमक बॉडी को डिटॉक्स करने का काम करता है। इसलिए रोजाना सुबह उठकर नमक वाले पानी का सेवन करें।

हड्डियां मजबूत: नमक वाले पानी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करके हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

एंटीबैक्टिरियल: नमक में खनिज भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो एंटीबैक्टिरियल का काम करते हैं और शरीर को तंदरूस्त बनाने में मदद करते हैं।

कई बीमारियों से दूर रखती है अजवाइन

अजवाइन का इस्तेमाल मसाले के रूप में हर रसोई में किया जाता है। दादी-नानी के नुस्खे में पेट दर्द होने पर अजवाइन की फक्की मार लेने की सलाह दी जाती है। यह खाने का स्वाद तो बढ़ाती ही है साथ ही सेहत से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करती है। इसका चूर्ण बनाकर खाने से पाचन क्रिया दुरूस्त रहती है।

इसके लाजवाब फायदों के बारे में

अपच: खाना खाने के बाद भारीपन होने पर 1 चम्मच अजवाइन को चुटकी भर अदरक के पाउडर के साथ खाने से फायदा मिलता है।

गुर्दे की पथरी: गुर्दे की पथरी के इलाज के लिए अजवाइन बहुत लाभकारी है। अजवाइन, शहद और सिरका का लगातार 15 दिनों तक सेवन करने से फायदा मिलता है।

अस्थमा: अस्थमा के इल ाज के लिए भी अजवाइन बहुत फायदेमंद मानी जाती है। रोजाना दिन में 2 बार अजवाइन के साथ गुड का सेवन करने से लाभ मिलता है।

पेट दर्द: पेट दर्द से परेशान हैं तो अजवाइन और नमक का सेवन गुनगुने पानी के साथ करें।

पीरियड्स: पीरियड्स में होने वाली दर्द से छुटकारा पाने के लिए अजवाइन का पानी बहुत लाभदायक है।

गठिया: गठिया यानि जोड़ों का दर्द। गठिए के रोगी को रोजाना अजवाइन के तेल के साथ जोड़ों की मालिश करनी चाहिए। इससे आराम मिलेगा।

मिनटों में दूर होंगा होंठो का कालापन, अपनाएं ये नैचुरल टिप्स

चेहरे का सबसे खूबसूरत अंग होंठ है। इनकी खूबसूरती में बाधा डालने का काम करता है कालापन। होंठों का कालापन दूर कररने के लिए लड़कियां अक्सर लिपस्टिक, लिपबाम, मॉइश्चराइजर और न जाने कौन-कौन से ट्रीटमेंट का सहारा लेती है। अगर आप भी होंठों का कालापन दूर करने की हर कोशिश कर चुके है तो हम आपको कुछ घरेलू नुस्खे बताएंगे जिनके मदद से आप अपने होंठों के नैचुरली गुलाबी बना सकते है।

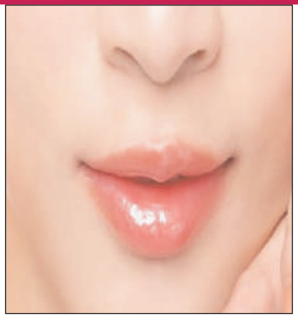

गुलाब की पंखुडियां : गुलाब की पंखुड़ियां के नियमित इस्तेमाल से होठों का रंग हल्का गुलाबी और चमकदार होता है। गुलाब की पंखुडियां रातभर दूध में भिगोकर रखें और सुबह इसे पीसकर होंठों पर लगाएं। थोड़ी देर बाद धो दें।

दही और एलोवेरा : अगर आप अपने होंठो को नैचुरली गुलाबी और मुलायम बनाना चाहती है तो दही और एलोवेरा के पेस्ट इस्तेमाल करे। इससे काफी फायदा मिलेगा।

नींबू और शहद : होठों का कालापन दूर करने के लिए 1 चम्मच शहद और 1/2 चम्मच नींबू का रस मिला लें। फिर दोनों को अच्छी तरह मिलाकर होंठों पर लगाएं। इससे होंठ नैचुरली गुलाबी होंगे।

रोज 10 चेरी खाएं और इन 5 बीमारियों को दूर भगाएं

चेरी एक खट्टा-मीठा फल है जो लाल, काले और पीले रंगों में मिलती है। चेरी को खाना बहुत से लोग पसंद करते है। जहां यह स्वाद में काफी अच्छी होती है, वहीं इसमें जरूरी पोषक तत्व जैसे कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, बी और सी, बीटा कैरोटीन, कैल्शियम, लोहा, पोटेशियम, फॉस्फोरस मौजूद होते है। यह तत्व शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी कई प्रॉबल्म को दूर करने में मदद करते है। अगर रोज 10 चेरी खाई जाए तो आप कई बीमारियों से बच सकते है। आइए जानते है कैसे।

गठिया : चेरी में एन्थोसियानिन तत्व होता है जो गठिया रोगी के लिए काफी फायदेमंद होता है। गठिया में यूरिक एसिड अधिक मात्रा में बनता है और हाथ-पैर सूज जाते है। चेरी में मौजूद एन्थोसियानिन गठिया के रोग से जल्द छुटकारा दिलाते है। दिन में जरूर 10 खट्टी चेरी का सेवन करें।

हृदय रोग : चेरी में पोटैशियम, लोहा, जस्ता, मैगनीज जैसे खनिज लवण होते हैं जो हृदय रोग को रोकने में अधिक सक्षम होते हैं। इसलिए अगर आप हृदय रोग से बचे रहना चाहते है तो चेरी को अपनी रूटिन का हिस्सा बना लें।

कैंसर : चेरी में मौजूज एंटीआक्सीडेंट्स शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति देते है। इसके अलावा चेरी में फिनॉनिक एसिड और फ्लेवोनॉयड भी होता है जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के ऊतकों को बढ़ने से रोकते है।

रक्तचाप : चेरी में पोटैशियम की मात्रा होती है जो शरीर में स्थित सोडियम की मात्रा कम कर देता है। इस वजह से शरीर का रक्तचाप स्तर सामान्य हो जाता है। इसी के साथ कोलेस्ट्रोल का स्तर भी कंट्रोल में रहता है।

हड्डियां मजबूत : बहुत से लोगों को हड्डियां संबंधी कई प्रॉबल्म का सामना करना पड़ता है। इसलिए नियमित चेरी का सेवन करें क्योंकि चेरी को खाने से हड्डियों में मजबूत होती हैं।

रोजाना 1 सेब खाओ बीमारी दूर भगाओ

सेब में पौष्टिक तत्व बहुत अधिक मात्रा में होते हैं। मिनरल और विटामिन से भरपूर सेब में फाइबर भी बहुत अधिक मात्रा में होता है और कोलेस्ट्रॉल बिलकुल भी नहीं होता। सेब को हमें सुबह के समय खाना चाहिए। जी हां सेब यदि खाली पेट खाया जाये तो आपके शरीर के टॉक्सिक (गंदगी) आसानी से बाहर निकल जाते है। एनर्जी भी अधिक मिलेगी और वजन कम होने के साथ-साथ स्फूर्ति भी रहेगी।साथ ही पेट को साफ रखने तथा सेहत को दुरुस्त रखने के लिए खाली पेट सेब का सेवन करना सबसे बेहतर रहता है। क्योंकि सेब में व्याप्त सभी विटामिन और मिनरल्स खाली पेट खाये जानें पर उसमें अच्छी तरह से अवशोषित कर लिये जाते हैं। आइए जानें रोजाना खाली पेट 1 सेब खाना आपको किन-किन बीमारियों से दूर रखता है।

सेब खाने के फायदे

रोजाना सुबह-सुबह खाली पेट सेब खाना वास्तव में सेहत के लिए लाभदायक होता हैंद्व सेब को कभी छीलकर नहीं खाना चाहिए क्योंकि सेब के छिलके में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण छरिये तत्व मौजूद होते हैं और अगर आप सेब को छिल कर खायेंगे तो वह सभी तत्व नष्ट हो जायेंगे। इसके अलावा क्या आप जानते हैं कि सेब के गूदे की अपेक्षा उसके छिलके में अधिक ताकत होती हैं। सेब के छिलके में विटामिन सी के साथ ही अन्य फलों की तुलना में सेब में फास्फोरस की मात्रा भी सबसे अधिक होती हैं।

हाई ब्लड प्रेशर

अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से बचना चाहते हैं तो रोजाना खाली पेट एक सेब का सेवन करें। वैज्ञानिकों का मानना है कि रोजाना एक सेब छिलका उतारे बगैर खाते रहने से हाई ब्लड प्रेशर आपसे कोसों दूर रह सकता है। कनाडा के वैज्ञानिकों ने पाया कि यह अन्य 'सुपरफूड' की तुलना में अधिक प्रभावी है। टेलीग्राफ में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय से सेब को 'एंटीऑक्सीडेंट' और 'फ्लेवानोइड्स' का प्राकृतिक स्रोत माना जाता रहा है। ये दिल के लिए अच्छे माने जाते हैं।

हार्ट बर्न की शिकायत दूर करें

अगर आप सीने में जलन जैसी समस्याओं से परेशान रहते हैं तो रोजाना एक सेब खाने की आदत डाल लें। दरअसल सेब हमारे इम्यून सिस्टम को भी प्रभावित करता है। लाल सेब में क्यूर्सेटिन नामक एंटीआक्सीडेंट होता है जो कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। यानी अगर आपने गलती से थोड़ा ज्यादा खा भी लिया तो बदहजमी या सीने में जलन जैसी शिकायतें नहीं होंगी।

सेब बढ़ाता है याददाश्त

1 सेब रोज खाने से आपकी याददाश्त बढ़ती है। शरीर में मौजूद मुक्त कण दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं, यह दिमाग की बाहरी परत यानी न्यूरॉन्स को क्षतिग्रस्त कर सकते हैं। क्यूर्सेटिन दिमाग को सूजन से बचाता है और सूजन के कारण कम हो रही याद्दाश्त को भी क्षीण नहीं होने देता।

मोटापे से बचाए

सेब में मौजूद भरपूर मात्रा में फाइबर, शरीर में पानी बनाए रखने में मदद करते हैं। जिससे आपको सेब खाने के बाद पेट भरा सा लगता है और अनावश्यक भोजन की इच्छा नहीं होती है। डाइटिंग करने वालों के लिए सेब एक उपयोगी फल है।

केली फेल्डर ने की शानदार शुरुआत

कोलंबो और मेलबर्न के बाद अंतरराष्ट्रीय हाई-स्ट्रीट फैशन ब्रांड केली फेल्डर ने भारत में अपना पहला स्टोर हैदराबाद में खोलकर अपने वैश्विक विस्तार की दिशा में एक नया अध्याय शुरू किया है। कंपनी इस स्टोर को भारत भर में अपने बड़े विस्तार नेटवर्क की पहली कड़ी मान रही है।

इस भव्य लॉन्च को और अधिक खास बनाने के लिए प्रसिद्ध अभिनेत्री नेहा शर्मा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उनके साथ कई प्रमुख डिजिटल क्रिएटर्स, आमंत्रित अतिथि और नागरिक मौजूद रहे, जिससे यह आयोजन फैशन, संस्कृति और समुदाय के एक जीवंत उत्सव में बदल गया। पारंपरिक स्टोर ओपनिंग से इतर, इस इवेंट को इंटरैक्टिव एक्टिवेशन्स के साथ एक अनोखा अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

केली फेल्डर का नया हैदराबाद स्टोर एक ही छत के नीचे महिलाओं के परिधान, पुरुषों के परिधान, परफॉरमेंस-वेयर और एक्सेसरीज की एक विस्तृत रेंज पेश कर रहा है। यह स्टोर अब आम जनता के लिए आधिकारिक तौर पर खुल गया है, जहाँ ग्राहक ब्रांड के अंतरराष्ट्रीय फैशन कलेक्शन को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

संपादकीय

यूएन रुकवा सकेगा युद्ध?

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 193 सदस्य देशों की बैठकें आरंभ हो रही हैं। युद्ध, शांति, स्थिरता महासभा के बुनियादी एजेंडे में शामिल हैं। हालांकि युद्ध तभी शांत और समाप्त हो सकते हैं, जब युद्धरत देशों में संवाद और समझौता हो सके। फिलहाल ऐसे आसार न तो रूस-यूक्रेन युद्ध और न ही ईरान युद्ध में दिखाई दे रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की महत्ता, उसके आह्वान, उसकी मध्यस्थता और सामूहिक प्रासंगिकता खंडित, क्षीण हो चुके हैं, लिहाजा युद्ध भड़क रहे हैं। आम आदमी मर रहा है या विस्थापन को विवश है अथवा भुखमरी-शरण का शिकार है। महासभा के दौरान अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेन के आपातकालीन राष्ट्रपति जेलेंस्की के अतिरिक्त राष्ट्रपति ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकातें और संवाद 'व्हाइट हाउस' में होने हैं। जेलेंस्की को युद्ध रोकने को ट्रंप बाध्य कर पाएंगे, इसके प्रमाणद्रष्टया आसार नहीं हैं। ट्रंप ने जेलेंस्की को फोन पर भी अपील की थी कि रूस के तेल ठिकानों, ऊर्जा-संयंत्रों, रिफाइनरियों पर हमले न किए जाएं। उससे वैश्विक संकट गहराता जाएगा। जेलेंस्की नहीं माने और एक साथ 1600 से अधिक ड्रोन दाग कर मॉस्को और आसपास के ऊर्जा-ठिकानों पर ही हमले कराए। यूक्रेन का रूस पर यह सबसे बड़ा और विनाशक हमला था। हालांकि रूस का दावा है कि उसके वायु रक्षा तंत्र ने 1110 ड्रोन हवा में ही मार गिराए, लेकिन 450 से अधिक ड्रोनों के हमले विध्वंसकारी, भस्मकारी, विनाशक साबित हुए। रूस का करीब 40 फीसदी रिफाइनिंग सिस्टम नष्ट हो चुका है। भारत से पेट्रोल, डीजल खरीदने पड़ रहे हैं, जबकि भारत को सबसे अधिक कच्चा तेल रूस ही सप्लाई कर रहा है। अमरीकी पाबंदियों की परवाह नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप का बयान आया है कि अब यह 'बेतुका युद्ध' रुकना चाहिए, क्योंकि हर महीने 25,000 से ज्यादा लोग और सैनिक मर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध 'बेतुका' है, तो ईरान में कौन-सा युद्ध जारी है? उस युद्ध को किसने जबरन थोपा था? राष्ट्रपति ट्रंप शेष विश्व को 'मूर्ख' और 'अज्ञानी' न समझें। खौफनाक आंकड़े ये हैं कि साढ़े 4 साल से जारी युद्ध में रूस के करीब 3-4.5 लाख सैनिक हताहत हो चुके हैं। कुछ रपटों में हताहत और घायल सैनिकों की संख्या 10 लाख से अधिक बताई गई है। यह 'मानवीय संहार' की स्थिति है। स्वतंत्र और पश्चिमी संस्थाओं के अनुमान के मुताबिक, यूक्रेन के 1-1.5 लाख सैनिक मारे जा चुके हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की अक्सर ये आंकड़े करीब 46,000 से 55,000 के बीच मानते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्च आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, फरवरी, 2022 से जुलाई, 2026 तक यूक्रेन में कमोबेश 16,874 आम नागरिक मारे गए और 51,000 से ज्यादा घायल हुए हैं। दरअसल रूस और यूक्रेन ने आधिकारिक रूप से हताहत सैनिकों और नागरिकों तथा विस्थापित लोगों के डाटा कभी नहीं दिए हैं, लिहाजा विभिन्न संस्थाओं के अनुमान ही मान्य हैं। सबसे खौफनाक, विनाशक, तबाही-बर्बादी के नतीजतन आने वाली सर्दियों में यूरोप और यूक्रेन किस कदर कांपते-ठिठुरते रहेंगे, इसका मानवीय अंदाजा ही लगाया जा सकता है, क्योंकि एक तरफ रूस और दूसरी तरफ सऊदी अरब की पाइपलाइन फिलहाल खंडित अवस्था में हैं और गैस आपूर्ति करने में असहाय, असमर्थ हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव और प्रमुख शहरों, स्टील और ऊर्जा के संयंत्रों में 70-90 फीसदी तक की तबाही बताई जा रही है। रूस के अत्यंत विनाशकारी, विध्वंसकारी हमले जारी हैं। दोनों देशों ने मिसाइल-ड्रोन हमले कर सैन्य गोदाम, कैंप, सप्लाई के भंडार, हथियार डिपो, लॉजिस्टिक सेंटर, मॉल और तेल-गैस ठिकानों पर ऐसे हमले किए हैं कि वजूद ही खत्म कर रहे हैं। न जाने इन देशों के पुनर्निर्माण कैसे संभव होंगे? राष्ट्रपति जेलेंस्की किसी खंडहर देश के नेता साबित होना चाहते हैं क्या? रूस सबसे विशालकाय देश है। वहां स्टेट ड्यूमा (लोकसभा के समान) के चुनावों में राष्ट्रपति पुतिन की पार्टी 'यूनाइटेड रशिया' को करीब 58 फीसदी वोट मिले हैं और उन्होंने 355 सीटें जीत कर फिर बहुमत हासिल किया है। बहरहाल लगभग सभी यूरोपीय देशों में तेल-गैस के संकट गहराते जा रहे हैं। तेल खत्म होने के कगार पर है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र, 193 देशों, खासकर राष्ट्रपति ट्रंप और द्विपक्षीय संवाद करने वाले राष्ट्रपतियों से ही आखिरी उम्मीद और अपेक्षा है कि वे युद्ध रुकवाने में अपनी पूरी शक्ति, तमाम प्रभावों को झोंक दें।

भारत से पेट्रोल, डीजल खरीदने पड़ रहे हैं, जबकि भारत को सबसे अधिक कच्चा तेल रूस ही सप्लाई कर रहा है। अमरीकी पाबंदियों की परवाह नहीं है। राष्ट्रपति ट्रंप का बयान आया है कि अब यह 'बेतुका युद्ध' रुकना चाहिए, क्योंकि हर महीने 25,000 से ज्यादा लोग और सैनिक मर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध 'बेतुका' है, तो ईरान में कौन-सा युद्ध जारी है? उस युद्ध को किसने जबरन थोपा था? राष्ट्रपति ट्रंप शेष विश्व को 'मूर्ख' और 'अज्ञानी' न समझें। खौफनाक आंकड़े ये हैं कि साढ़े 4 साल से जारी युद्ध में रूस के करीब 3-4.5 लाख सैनिक हताहत हो चुके हैं। कुछ रपटों में हताहत और घायल सैनिकों की संख्या 10 लाख से अधिक बताई गई है। यह 'मानवीय संहार' की स्थिति है। स्वतंत्र और पश्चिमी संस्थाओं के अनुमान के मुताबिक, यूक्रेन के 1-1.5 लाख सैनिक मारे जा चुके हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की अक्सर ये आंकड़े करीब 46,000 से 55,000 के बीच मानते रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्च आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, फरवरी, 2022 से जुलाई, 2026 तक यूक्रेन में कमोबेश 16,874 आम नागरिक मारे गए और 51,000 से ज्यादा घायल हुए हैं। दरअसल रूस और यूक्रेन ने आधिकारिक रूप से हताहत सैनिकों और नागरिकों तथा विस्थापित लोगों के डाटा कभी नहीं दिए हैं, लिहाजा विभिन्न संस्थाओं के अनुमान ही मान्य हैं। सबसे खौफनाक, विनाशक, तबाही-बर्बादी के नतीजतन आने वाली सर्दियों में यूरोप और यूक्रेन किस कदर कांपते-ठिठुरते रहेंगे, इसका मानवीय अंदाजा ही लगाया जा सकता है, क्योंकि एक तरफ रूस और दूसरी तरफ सऊदी अरब की पाइपलाइन फिलहाल खंडित अवस्था में हैं और गैस आपूर्ति करने में असहाय, असमर्थ हैं।

आप का नजरीया

जो आयोग चाहे, वो वोटर

करीब 98 वर्षीय लालकृष्ण आडवाणी देश के उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री रहे हैं। वह नई दिल्ली से लोकसभा सांसद भी चुने गए थे। उन्हें, बेटी प्रतिभा और बहू को मतदाता सूची में शामिल करने पर सवाल हैं, लिहाजा उन्हें चुनाव आयोग ने नोटिस भेजा है। देश के मौजूदा विदेश मंत्री एस. जयशंकर, उनकी जापानी पत्नी और विदेश सचिव विक्रम मिसरी को भी नोटिस भेजे गए हैं। दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल के मतदाता होने पर भी चुनाव आयोग को संदेह है। बहरहाल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का मामला किसी तरह निपटा लिया गया है, लेकिन केजरीवाल, उनके 85 वर्षीय माता-पिता, उनकी आईआरएस रहीं और सरकारी पेंशनधारी पत्नी और बेटे के दिल्ली में मतदाता होने पर आयोग के सवाल हैं, लिहाजा उन्हें नोटिस के जवाब देने ही पड़ेंगे। देश के कानून मंत्री रहे, चांदनी चौक के पूर्व सांसद, मौजूदा राज्यसभा सांसद एवं सर्वोच्च अदालत के प्रख्यात अधिवक्ता कपिल सिब्बल के मतदाता होने पर आयोग को क्या आपत्तियां हैं, कमोबेश हमारी समझ के बाहर है। यहां तक कि मौजूदा चुनाव आयुक्त एसएस संधू, जो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के समकक्ष ही हैं, को भी नोटिस भेजा गया है कि उनके नाम की स्पेलिंग (वर्तनी) 2002 के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाती, लिहाजा वह स्पष्ट करें। बेहद हास्यास्पद है कि सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद, थलसेना प्रमुख रहे जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, सर्वोच्च अदालत की न्यायाधीश रहीं जस्टिस रंजना देसाई, सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे और केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला आदि अति विशिष्ट चेहरों को भी चुनाव आयोग ने नोटिस भेजे हैं, तो आम मतदाता की कराहें, चीखें, गुहार कौन सुनेगा? कैग प्रमुख के. संजय मूर्ति के माता-पिता के नाम भी नहीं हैं। बेशक चुनाव आयोग द्वारा नोटिस भेजना एक सामान्य प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन हमारा पक्का यकीन है कि अंततः इन सभी नामों को दिल्ली की मतदाता-सूची में जोड़ा जाएगा। क्या चुनाव आयोग अपनी नालायकी पर माफी मांगेगा? दरअसल हमारा बुनियादी और गंभीर सवाल 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के प्रारूप पर है। यह अभियान चलाने वाले अधिकारियों की मेधा, सामान्य बुद्धि, पर भी तरस आता है। ज्ञानेश कुमार भी सामूहिक तौर पर 'खलनायक' हैं। क्या संविधान के अनुच्छेद 324 और 325 में चुनाव आयोग को यही विशेष शक्तियां दी गई

देश के मौजूदा विदेश मंत्री एस. जयशंकर, उनकी जापानी पत्नी और विदेश सचिव विक्रम मिसरी को भी नोटिस भेजे गए हैं। दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और 10 साल तक मुख्यमंत्री रहे अरविंद केजरीवाल के मतदाता होने पर भी चुनाव आयोग को संदेह है। बहरहाल मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का मामला किसी तरह निपटा लिया गया है, लेकिन केजरीवाल, उनके 85 वर्षीय माता-पिता, उनकी आईआरएस रहीं और सरकारी पेंशनधारी पत्नी और बेटे के दिल्ली में मतदाता होने पर आयोग के सवाल हैं, लिहाजा उन्हें नोटिस के जवाब देने ही पड़ेंगे। देश के कानून मंत्री रहे, चांदनी चौक के पूर्व सांसद, मौजूदा राज्यसभा सांसद एवं सर्वोच्च अदालत के प्रख्यात अधिवक्ता कपिल सिब्बल के मतदाता होने पर आयोग को क्या आपत्तियां हैं, कमोबेश हमारी समझ के बाहर है। यहां तक कि मौजूदा चुनाव आयुक्त एसएस संधू, जो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता के समकक्ष ही हैं, को भी नोटिस भेजा गया है कि उनके नाम की स्पेलिंग (वर्तनी) 2002 के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाती, लिहाजा वह स्पष्ट करें।

घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपत्र सामने आया

आईआईटी बॉम्बे के छात्र आत्महत्या से जुड़े सवाल

मुंबई पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसलिए किसी व्यक्ति को घटना के लिए दोषी ठहराना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा। घटना से पहले परीक्षा के दौरान साहिल के मोबाइल और कथित रूप से एआई चैटजीपीटी के इस्तेमाल को लेकर संस्थागत कार्रवाई की स्थिति बनी थी। इसके बाद छात्रों में यह धारणा पैदा हुई कि मामले को जिस तरीके से संभाला गया, उसमें पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं थी। संस्थान ने बाद में अपने पूर्व सार्वजनिक बयान के लिए माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामले में अंतिम निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा।

आईआईटी बॉम्बे के द्वितीय वर्ष के बीटेक छात्र साहिल वाकोडे की 18 सितंबर 2026 को हुई मृत्यु ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की कार्यप्रणाली, विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव, परीक्षा में बढ़ती अनैतिकता, शिक्षकों की जवाबदेही, मानसिक स्वास्थ्य और परिसरों में राजनीतिक हस्तक्षेप जैसे अनेक गंभीर प्रश्न एक साथ खड़े कर दिए हैं। इस घटना को फिलहाल आत्महत्या के रूप में रिपोर्ट किया गया है, इसके पीछे की परिस्थितियों और किसी व्यक्ति की आपराधिक जिम्मेदारी का निर्धारण जांच का विषय है। मुंबई पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और जांच आगे बढ़ाई जा रही है। इसलिए किसी व्यक्ति को घटना के लिए दोषी ठहराना जांच पूरी होने से पहले उचित नहीं होगा। घटना से पहले परीक्षा के दौरान साहिल के मोबाइल और कथित रूप से एआई चैटजीपीटी के इस्तेमाल को लेकर संस्थागत कार्रवाई की स्थिति बनी थी। इसके बाद छात्रों में यह धारणा पैदा हुई कि मामले को जिस तरीके से संभाला गया, उसमें पर्याप्त संवेदनशीलता नहीं थी। संस्थान ने बाद में अपने पूर्व सार्वजनिक बयान के लिए माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि जांच पूरी होने से पहले घटना से जुड़े विवरण सार्वजनिक करना उचित नहीं था। संबंधित प्रोफेसर को डीन के प्रशासनिक पद से हटाया गया है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज मामले में अंतिम निष्कर्ष अभी जांच और न्यायिक प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। इस घटना के बाद तीन दिनों तक छात्रों का विरोध प्रदर्शन हुआ और 18 सूत्रीय मांगपत्र सामने आया। इन मांगों में स्वतंत्र जांच, शिक्षकों के विरुद्ध शिकायतों की स्पष्ट प्रक्रिया, छात्र-प्रतिनिधित्व, बेहतर काउंसलिंग, चौबीसों घंटे मनोचिकित्सकीय सहायता, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण और परीक्षा में अनियमितता के मामलों को संभालने के लिए अधिक मानवीय प्रक्रिया जैसी बातें शामिल हैं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक ने छात्रों के साथ बातचीत के बाद इस चार्टर पर हस्ताक्षर किए, हालांकि संस्थान की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे की कार्रवाई निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होगी। यहीं से इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है।

क्या शिक्षा संस्थान में अनुशासन और मानवीय संवेदना एक-दूसरे के विरोधी हैं? निश्चित रूप से नहीं। परीक्षा में नकल, मोबाइल का अनुचित इस्तेमाल अथवा एआई के माध्यम से अनुचित सहायता लेना शिक्षा की विश्वसनीयता के लिए गंभीर चुनौती है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान ऐसी अनैतिकताओं को रोकने में असफल होते हैं तो डिग्री, शोध और प्रतिभा की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। लेकिन दूसरी ओर अनुशासनात्मक कार्रवाई ऐसी होनी चाहिए जिसमें आरोप की निष्पक्ष जांच, छात्र को अपनी बात रखने का अवसर, अपील की व्यवस्था और मानसिक स्थिति को समझने की संवेदनशीलता शामिल हो। अपराध या अकादमिक कदाचार को नजरअंदाज करना भी गलत है और किसी छात्र को बिना समुचित प्रक्रिया के सामाजिक रूप से दोषी ठहरा देना भी। आज एआई ने शिक्षा के सामने एक बिल्कुल नई चुनौती खड़ी कर दी है। चैटजीपीटी जैसे उपकरण ज्ञान प्राप्त करने, शोध करने और सीखने में उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन परीक्षा में अनुचित तरीके से इनका इस्तेमाल शैक्षणिक ईमानदारी का प्रश्न बन जाता है। इसलिए केवल प्रतिबंध पर्याप्त नहीं होंगे। विश्वविद्यालयों को यह स्पष्ट करना होगा कि एआई का उपयोग कहां स्वीकार्य है, कहां निषिद्ध है और उल्लंघन की स्थिति में कौन-सी पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। शिक्षकों को भी केवल दंड देने वाले अधिकारी की भूमिका से आगे बढ़कर मार्गदर्शक की भूमिका निभानी होगी। साहिल प्रकरण ने जातिगत भेदभाव के आरोपों को भी चर्चा के केंद्र में ला दिया है। परिवार की शिकायत के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है, जबकि संस्थान की ओर से यह कहा गया कि छात्र ने पहले एससी/एसटी सेल या प्रशासन के समक्ष ऐसी शिकायत नहीं की थी। इन दोनों पक्षों में से सत्य क्या है, इसका निर्णय जांच के बाद ही हो सकता है। लेकिन इससे एक व्यापक तथ्य सामने आता है-किसी भी विद्यार्थी को अपनी जाति, आर्थिक स्थिति, भाषा, क्षेत्र या सामाजिक पृष्ठभूमि के कारण स्वयं को अकेला या असुरक्षित महसूस नहीं होना चाहिए। भारत में उच्च शिक्षा को लेकर नियामकीय ढांचा भी लगातार अधिक जवाबदेही और छात्र-केंद्रित व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। यूजीसी की 2023 की छात्र शिकायत निवारण संबंधी नियमावली के साथ-साथ 2026 में प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन रेगुलेशन भी सूचीबद्ध हैं। इसका मूल उद्देश्य यही होना चाहिए कि विद्यार्थी के अधिकार सुरक्षित रहें, शिकायतों का स्वतंत्र और समयबद्ध निवारण हो तथा संस्थान अपनी जिम्मेदारी से बच न सकें। लेकिन यहां एक सावधानी भी आवश्यक है। कानून का अर्थ यह नहीं हो सकता कि हर दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद बिना जांच किसी शिक्षक या अधिकारी को अपराधी घोषित कर दिया जाए। शिक्षक निश्चित रूप से कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन वे कानून की प्रक्रिया से नीचे भी नहीं हैं। यदि किसी शिक्षक ने भेदभाव, उत्पीड़न, धमकी या अन्य गैरकानूनी आचरण किया है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन यदि उसने संस्थागत नियमों के तहत अकादमिक कदाचार पर कार्रवाई की है, तो उस कार्रवाई की वैधानिकता और अनुपातिकता की जांच भी उतनी ही जरूरी है। यही न्यायपूर्ण व्यवस्था का आधार है। सबसे चिंताजनक पहलू तब सामने आता है जब किसी दुखद घटना के बाद विश्वविद्यालय का परिसर राजनीतिक संघर्ष का केंद्र बनने लगता है। राजनीतिक दलों और बाहरी संगठनों को छात्रों की आवाज उठाने का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन शिक्षा परिसर की मूल प्रकृति बची रहनी चाहिए। यदि हर प्रशासनिक निर्णय राजनीतिक नारों, धरनों और दबाव की राजनीति से तय होने लगे तो विश्वविद्यालय में अकादमिक स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। दूसरी ओर यदि प्रशासन छात्रों की आवाज को केवल आंदोलन या राजनीति कहकर खारिज कर दे तो संस्थागत विश्वास और कमजोर होगा। रास्ता दोनों के बीच है-संवाद, पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच। आईआईटी जैसे संस्थानों से देश केवल इंजीनियर, वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञ ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक भी तैयार करने की अपेक्षा करता है। इसलिए सफलता का पैमाना केवल प्लेसमेंट, रैंकिंग, पेटेंट और वैश्विक प्रतिष्ठा नहीं हो सकता। यह भी देखना होगा कि वहां विद्यार्थी अपने प्रश्न कितनी सहजता से उठा सकता है, शिक्षक से असहमति कितनी सुरक्षित है, शिकायत का समाधान कितनी जल्दी होता है और संकट की घड़ी में संस्थान छात्र के साथ किस तरह खड़ा होता है। साहिल की मृत्यु को किसी एक प्रोफेसर, किसी एक प्रशासनिक निर्णय या किसी एक राजनीतिक संगठन तक सीमित कर देना इस त्रासदी के व्यापक संदेश को छोटा कर देगा।

मनी ऑर्डर से यूपीआई तक

कतारों से सेकंडों तक भारत की भुगतान यात्रा

कागजी कार्रवाई, बैंक की कतारों और काउंटर पर भुगतान से निकलकर सेकंडों में धन हस्तांतरण तक कैसे पहुंचा भारत

एक समय था जब किसी दूसरे शहर में रहने वाले परिवार के सदस्य को 100 रुपये भेजने का मतलब केवल पैसा होना नहीं था। इसका मतलब था बैंक जाना, एक फॉर्म भरना, कतार में खड़ा होना और डिमांड ड्राफ्ट के लिए कमीशन देना। डिमांड ड्राफ्ट प्राप्त करने के बाद डाकघर जाना पड़ता था, एक और फॉर्म भरना पड़ता था, दूसरी कतार में खड़ा होना पड़ता था, शुल्क देना पड़ता था और फिर पैसा अपने गंतव्य तक पहुंचने का इंतजार करना पड़ता था। केवल भेजने वाले की ओर से पूरी प्रक्रिया में एक ही लेन-देन पूरा करने में आधा दिन आसानी से लग सकता था। आज वही 100 रुपये कुछ ही सेकंड में भेजे जा सकते हैं। क्यूआर कोड स्कैन करें। राशि दर्ज करें। प्रमाणीकरण करें। काम पूरा।

यह बदलाव केवल तकनीक द्वारा कागजी कार्रवाई की जगह लेने की कहानी नहीं है। यह इस बात की कहानी है कि भारत ने धन, समय और वित्तीय व्यवस्था तक पहुंच को लेकर अपनी अपेक्षाएं किस तरह बदल दी हैं।

भारत की भुगतान क्रांति में सबसे बड़ा बदलाव शायद यह नहीं है कि पैसा तेजी से चलता है। बल्कि यह है कि लोगों ने भुगतान के लिए इंतजार करना एक अपरिहार्य हिस्सा मानना बंद कर दिया है।

डाकघर के काउंटर से स्मार्टफोन तक

मनी ऑर्डर के बाद वित्तीय साधनों और तकनीकों की एक लंबी श्रृंखला आई डाक बैंकिंग, चेक, डिमांड ड्राफ्ट, इलेक्ट्रॉनिक हस्तांतरण, एटीएम, इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग।इनमें से प्रत्येक ने धन हस्तांतरण से जुड़ी किसी न किसी बाधा को कम किया।

लेकिन भौतिक बैंकिंग लंबे समय तक केंद्र में बनी रही। डिमांड ड्राफ्ट के लिए बैंक जाना पड़ता था। चेक के लिए समाशोधन की प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना पड़ता था। यहां तक कि शुरुआती इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग के लिए भी कंप्यूटर या किसी बैंक के विशेष इंटरफेस तक पहुंच आवश्यक थी। स्मार्टफोन ने इस समीकरण को बदल दिया।

वर्ष 2016 में एकीकृत भुगतान अंतरफलक यानी यूपीआई के आगमन ने एक ऐसा परस्पर-संचालनीय डिजिटल भुगतान तंत्र बनाया, जिसके माध्यम से एक साझा व्यवस्था के जरिए बैंक खातों के बीच धन का हस्तांतरण संभव हुआ। यूपीआई की शुरुआत 21 बैंकों के साथ हुई थी। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2026 तक यूपीआई पर 741 बैंक सक्रिय थे।

वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई ने 24,161.69 करोड़ से अधिक लेन-देन संसाधित किए, जिनका कुल मूल्य लगभग 314 लाख करोड़ रुपये रहा। वहीं अगस्त 2026 में यूपीआई पर 24,508.96 मिलियन यानी लगभग 2450.90 करोड़ लेन-देन दर्ज हुए, जिनका मूल्य 29,82,355.95 करोड़ रुपये रहा।

क्यूआर कोड नया भुगतान काउंटर बन गया।

एक छोटी दुकान, टैक्सी, रेस्तरां या सड़क किनारे का विक्रेता अब ग्राहक से नकद या पारंपरिक कार्ड मशीन की आवश्यकता के बिना डिजिटल भुगतान स्वीकार कर सकता है। ग्राहक के लिए इस लेन-देन के पीछे मौजूद जटिल बुनियादी ढांचा लगभग अदृश्य हो गया।

यूपीआई ने केवल धन हस्तांतरण में लगने वाले समय को कम नहीं किया है; इसने लाखों लेन-देन के लिए नकदी को छापने, परिवहन करने, संग्रहित करने, गिनने और भौतिक रूप से संभालने की आवश्यकता को भी कम किया है। डाकघर के काउंटर से क्यूआर कोड तक भारत ने एक उल्लेखनीय दूरी तय की है।मनी ऑर्डर फडिमांड ड्राफ्ट फबैंक की कतार फयूपीआई फसेकंडों में भुगतान फकम नकदी प्रबंधन फकम समय फकम भौतिक बुनियादी ढांचा।

यूपीआई ने केवल भुगतान को डिजिटल नहीं बनाया; उसने तत्काल भुगतान की अपेक्षा को भी डिजिटल बना दिया।

सुविधा के पीछे की अर्थव्यवस्था

यूपीआई की दिखाई देने वाली सरलता के पीछे बैंकों, भुगतान सेवा प्रदाताओं, अनुप्रयोगों, प्रमाणीकरण प्रणालियों, साइबर सुरक्षा और निपटान तंत्र का एक विशाल बुनियादी ढांचा काम करता है।डिजिटल भुगतान उपभोक्ता को भले ही मुफ्त महसूस हो, लेकिन उसे समर्थन देने वाले बुनियादी ढांचे की अपनी लागत होती है। यही बात अब भारत की यूपीआई यात्रा के अगले चरण को आकार दे रही है।

15 अक्टूबर 2026 से 2,000 रुपये से अधिक के निर्दिष्ट व्यक्ति-से-व्यापारी यानी पी2एम यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी व्यापारी छूट दर लागू होगी। 75,000 रुपये और उससे अधिक के लेन-देन के लिए यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये तक सीमित रहेगा। यह शुल्क निर्धारित व्यापारी लेन-देन पर लागू होगा और उपभोक्ताओं से यूपीआई भुगतान करने के लिए सीधे शुल्क लेने की व्यवस्था नहीं है।

व्यक्ति-से-व्यक्ति यानी पी2पी हस्तांतरण राशि की परवाह किए बिना मुफ्त रहेंगे। 2,000 रुपये तक के व्यापारी भुगतान भी एमडीआर से मुक्त रहेंगे। इसके अलावा, यूपीआई क्यूआर भुगतान के माध्यम से प्रति माह 1 लाख रुपये तक प्राप्त करने वाले पात्र छोटे व्यापारी जीरो-एमडीआर व्यवस्था के अंतर्गत बने रहेंगे। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, लगभग 96 प्रतिशत पी2एम लेन-देन इस बदलाव से अप्रभावित रहने की उम्मीद है।

यह महत्वपूर्ण है क्योंकि रोजमर्रा के अधिकांश डिजिटल भुगतान अपेक्षाकृत छोटी राशि के होते हैं। इसलिए 2,000 रुपये की सीमा इस बात को रेखांकित करती है कि यूपीआई रोजमर्रा के कारोबार में कितनी गहराई से शामिल हो चुका हैकिराना और दवाइयों से लेकर परिवहन, भोजन और पड़ोस की खरीदारी तक। नीति में कुछ विशेष क्षेत्रों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। रेलवे, दूरसंचार, बीमा, ईंधन और कृषि इनपुट सहित कुछ क्षेत्रों में 2,000 रुपये से अधिक के निर्दिष्ट लेन-देन पर 5 रुपये का स्थिर एमडीआर लागू होगा, जबकि कुछ पूंजी बाजार से जुड़े लेन-देन के लिए अलग से 0.02 प्रतिशत की दर होगी, जो 300 रुपये तक सीमित रहेगी।इसलिए बहस अब इस सवाल से आगे बढ़कर- हम डिजिटल भुगतान को कैसे बढ़ाएं? इस प्रश्न की ओर जा रही है कि उस बुनियादी ढांचे को कैसे टिकाऊ बनाया जाए, जो तत्काल भुगतान को संभव बनाता है?

कतारों से सेकंडों तक

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव शायद मनी ऑर्डर, चेक या बैंक शाखा के गायब होने का नहीं है। इन सभी की आज भी अपनी भूमिका है।

महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि रोजमर्रा के वित्तीय लेन-देन में दूरी का महत्व बहुत कम हो गया है।एक प्रवासी श्रमिक अब रेमिटेंस काउंटर पर जाए बिना अपने परिवार को पैसा भेज सकता है। एक अभिभावक दूसरे शहर में रहने वाले बच्चे को लगभग तुरंत पैसा भेज सकता है। एक छोटा व्यापारी पारंपरिक कार्ड मशीन लगाए बिना भुगतान स्वीकार कर सकता है। ग्राहक बिना नकदी साथ रखे भुगतान कर सकता है।

इस बदलाव का पैमाना असाधारण है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के अनुसार, अगस्त 2026 में यूपीआई पर 24.51 अरब के करीब लेन-देन दर्ज किए गए, जिनका कुल मूल्य लगभग 29.82 लाख करोड़ रुपये रहा।इतना विशाल लेन-देन उन मामलों में नकदी को भौतिक रूप से संभालने की आवश्यकता में भी बड़ी कमी को दर्शाता है। डिजिटल भुगतान मुद्रा को छापने, परिवहन करने, संग्रहित करने, प्रबंधित करने और संभालने से जुड़ी लागत और प्रयास को कम कर सकते हैं। वे भुगतान करने और प्राप्त करनेदोनों स्तरों पर लगने वाले समय को भी कम कर सकते हैं।इसके लाभ केवल सुविधा तक सीमित नहीं हैं। जब कम मात्रा में भौतिक नकदी ले जाने और संग्रहित करने की आवश्यकता होती है, तो व्यक्ति और व्यवसाय नकदी के नुकसान, चोरी और भौतिक सुरक्षा से जुड़े जोखिमों को कम कर सकते हैं। भंडारण की आवश्यकता भी कम हो सकती है, जबकि नकदी प्रबंधन से जुड़ी कई लॉजिस्टिक प्रक्रियाएं अनावश्यक हो जाती हैं।

दूसरे शब्दों में, डिजिटल भुगतान का मूल्य केवल लेन-देन की गति में नहीं है। इसका महत्व उस समय, बुनियादी ढांचे, भौतिक श्रम और जोखिमों को कम करने में भी है, जिनसे बचा जा सकता है जब भुगतान नकदी के बजाय डिजिटल माध्यम से होता है।पुरानी व्यवस्था लोगों, कागज और वित्तीय साधनों की भौतिक आवाजाही पर निर्भर थी।नई व्यवस्था मुख्य रूप से सूचनाओं की आवाजाही पर निर्भर है।

यूपीआई केवल तेज भुगतान के बारे में नहीं है; यह धन को स्थानांतरित करने के लिए पारंपरिक रूप से आवश्यक भौतिक प्रयास, समय और बुनियादी ढांचे को कम करने के बारे में है।

यह एक गहरा परिवर्तन है।

भारत की भुगतान यात्रा

1879080: भारतीय डाक ने मनी ऑर्डर सेवा शुरू की।

1882: डाकघर बचत बैंक की शुरुआत हुई और डाक नेटवर्क की वित्तीय भूमिका का विस्तार हुआ। भारतीय डाक के आधिकारिक इतिहास में 1879080 में मनी ऑर्डर और 1882 में पोस्ट ऑफिस सेविंग्स बैंक की शुरुआत दर्ज है।

2016: 21 बैंकों के साथ यूपीआई की शुरुआत हुई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के अनुसार, इसका पायलट शुभारंभ 11 अप्रैल 2016 को हुआ और 25 अगस्त 2016 से यह ग्राहकों के लिए उपलब्ध हुआ।

2025026: यूपीआई ने 24,162 करोड़ से अधिक लेन-देन किए, जिनका मूल्य लगभग 314 लाख करोड़ रुपये रहा।

अगस्त 2026: यूपीआई ने 24.51 अरब से अधिक लेन-देन दर्ज किए, जिनका मूल्य लगभग 29.82 लाख करोड़ रुपये रहा।

15 अक्टूबर 2026: 2,000 रुपये से अधिक के निर्दिष्ट व्यक्ति-से-व्यापारी यानी पी2एम यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा। 75,000 रुपये और उससे अधिक के लेन-देन पर इसकी अधिकतम सीमा 300 रुपये होगी।

व्यक्ति-से-व्यक्ति यानी पी2पी भुगतान:

लेन-देन की राशि की परवाह किए बिना मुफ्त रहेंगे।

छोटे मूल्य वाले व्यापारी भुगतान:

2,000 रुपये तक के भुगतान एमडीआर से मुक्त रहेंगे।

छोटे व्यापारी

यूपीआई क्यूआर के माध्यम से प्रति माह 1 लाख रुपये तक प्राप्त करने वाले पात्र व्यापारी जीरो-एमडीआर व्यवस्था के अंतर्गत बने रहेंगे।

96 प्रतिशत

अनुमानित पी2एम लेन-देन का हिस्सा, जो नए एमडीआर ढांचे से अप्रभावित रहने की उम्मीद है।

समयरेखा । कागज से डिजिटल तक

1879080 ` मनी ऑर्डर

डाक के माध्यम से धन हस्तांतरण ने व्यक्तिगत रूप से यात्रा किए बिना दूरी के पार पैसा भेजने का रास्ता उपलब्ध कराया। भारतीय डाक के आधिकारिक इतिहास के अनुसार, इसी अवधि में मनी ऑर्डर सेवा शुरू हुई।

1882 ` डाक बैंकिंग: डाकघर बचत बैंक ने डाक नेटवर्क के माध्यम से वित्तीय सेवाओं का विस्तार किया।

198001990 का दशक ` इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग: एटीएम और इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग नेटवर्क ने पारंपरिक बैंक काउंटरों पर निर्भरता कम करना शुरू किया।

2000 का दशक – इंटरनेट बैंकिंग: ग्राहकों ने तेजी से ऑनलाइन अपने खातों का प्रबंधन और धन हस्तांतरण शुरू किया।

2010 का दशक – मोबाइल बैंकिंग: स्मार्टफोन ने बैंकिंग सेवाओं को ग्राहकों के हाथों तक पहुंचा दिया।

2016 – यूपीआई: भारत की परस्पर-संचालनीय तत्काल भुगतान प्रणाली शुरू हुई। शुरुआत 21 बैंकों के साथ हुई।

2020 का दशक- क्यूआर क्रांति: बड़े खुदरा विक्रेताओं से लेकर पड़ोस के दुकानदारों तक डिजिटल भुगतान रोजमर्रा के कारोबार का हिस्सा बन गया।

2025026 – बड़े पैमाने पर अपनापन: यूपीआई ने 24,162 करोड़ वार्षिक लेन-देन का आंकड़ा पार किया।

अगस्त 2026- व्यापक पैमाना: एक ही महीने में 24.5 अरब से अधिक यूपीआई लेन-देन दर्ज किए गए।

15 अक्टूबर 2026-नया चरण: निर्दिष्ट उच्च-मूल्य वाले व्यापारी लेन-देन के लिए लक्षित एमडीआर व्यवस्था शुरू होगी।

भारत की भुगतान यात्रा अंततः समय, विश्वास और परिवर्तन की कहानी है।

मनी ऑर्डर के लिए व्यक्ति को यात्रा करनी पड़ती थी। चेक के लिए एक प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था। डिमांड ड्राफ्ट के लिए बैंक जाना पड़ता था।

इंटरनेट बैंकिंग के लिए कंप्यूटर की आवश्यकता थी। मोबाइल बैंकिंग बैंक को हथेली तक ले आई। यूपीआई ने इससे एक कदम आगे बढ़कर भुगतान करने की प्रक्रिया को लगभग अदृश्य बना दिया।

जिस काम में कभी कतार, कागजी कार्रवाई और धैर्य की आवश्यकता होती थी, वह अब केवल कुछ सेकंड में पूरा हो सकता है। लेकिन वास्तविक उपलब्धि केवल यह नहीं है कि भारत ने एक तेज भुगतान प्रणाली बनाई है।

उपलब्धि यह है कि डिजिटल भुगतान ने देश की अपेक्षाओं को बदल दिया है। गति सामान्य हो गई है। सुविधा आवश्यक बन गई है। पहुंच रोजमर्रा के वित्तीय जीवन का हिस्सा बन गई है।डाकघर के काउंटर से क्यूआर कोड तक भारत ने एक उल्लेखनीय दूरी तय की है।मनी ऑर्डर ने दूरी के पार पैसा पहुंचाया। यूपीआई ने भारत को इंतजार के समय से आगे पहुंचा दिया है।और शायद यही भारत के डिजिटल परिवर्तन का सबसे शक्तिशाली पैमाना है:यह यात्रा अब केवल पैसे को तेजी से स्थानांतरित करने की नहीं है यह वित्तीय पहुंच के लिए समय को ही कम बाधा बनाने की यात्रा है।

कैलास नागेश
हैदराबाद

एशियाई खेल टेबल टेनिस : मानुष-दीया और हरमीत यशस्विनी की जोड़ी मिश्रित युगल स्पर्धा के तीसरे दौर में

आइची-नगोया

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मानुष शाह-दीया चितले और हरमीत देसाई-यशस्विनी घोरपड़े ने एशियाई खेलों की मिश्रित युगल स्पर्धा के दूसरे दौर में अपने-अपने मुकाबले जीतकर अगले चरण में जगह बनाई।

मानुष और दीया ने श्रीलंका के चानुल कुलप्पुवावडु और बिमांडी स्वर्णा को 3-0 से हराया। भारतीय जोड़ी ने मुकाबला 11-8, 12-10, 11-4 से अपने नाम किया।

वहीं, हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े ने मालदीव के मोहम्मद इस्माइल और फातिमाथ अली को हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

कैनो स्प्रिंट में भारत की पार्वती गीता और फाइरेम्बम सोनिया देवी ने महिलाओं की कयाक डबल 500 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी हीट ए में 2 मिनट 02.538 सेकंड के समय के साथ अंतिम स्थान पर रही और शीर्ष नाव से 14.820 सेकंड पीछे रही। शीर्ष तीन नावों ने सीधे फाइनल ए के लिए क्वालीफाई किया। रोइंग में बलराज पंवार ने पुरुष सिंगल स्कल्स की हीट में तीसरा स्थान हासिल किया और दोनों हीट के संयुक्त परिणाम में चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुष डबल स्कल्स की हीट में दूसरा स्थान हासिल किया और संयुक्त परिणाम में चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। कैनो स्प्रिंट में हर्षवर्धन शक्तावत, वरिंदर सिंह, एल नाओचा सिंह ओइनाम और अरुण सिंह की भारतीय टीम ने पुरुष कयाक चार 500 मीटर की हीट में तीसरा स्थान हासिल कर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। मेघा प्रदीप ने महिलाओं की कैनो एकल 200 मीटर हीट में पांचवां स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। शूटिंग में मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने क्वालीफिकेशन में 579-20एक्स के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। सुरुचि इंदर सिंह और ईशा सिंह फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। तैराकी में बेनेडिक्टन बेनिस्टन पुरुष 100 मीटर बटरफ्लाई की हीट में चौथे और कुल मिलाकर 13वें स्थान पर रहे, जबकि साजन प्रकाश ने शुरुआत नहीं की। दोनों फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सके। वहीं, वेदांत माधवन पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल की अपनी हीट में छठे और अनीश सुनील चौथे स्थान पर रहे। इन दोनों के फाइनल में पहुंचने की स्थिति परिणाम पर निर्भर है। रोइंग में जसविंदर सिंह और नितिन कुमार ने पुरुष पेयर हीट में चौथा स्थान हासिल किया और फाइनल बी के लिए क्वालीफाई किया।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेलः महिला स्कीट टीम ने जीता कांस्य, भारत को दिलाया आठवां पदक

आइची-नगोया। माहेश्वरी चौहान, परिनाज धालीवाल और राइजा ढिल्लों की भारतीय महिला स्कीट टीम ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतकर भारत को आठवां पदक दिलाया। तीनों निशानेबाजों ने तीन दिनों तक चले क्वालीफिकेशन मुकाबलों के बाद कुल 331 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 357 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि कजाकिस्तान की टीम 336 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही और उसे रजत पदक मिला। भारत का यह एशियाई खेलों में आठवां पदक है। वहीं, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। मनु ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। शूटिंग में भारत की पदक तालिका भारत ने एशियाई खेलों में शूटिंग से अब तक छह पदक जीते हैं, जिनमें चार रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। भारतीय निशानेबाजों को हालांकि अब भी स्वर्ण पदक का इंतजार है।

एशियाई खेलः मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में बनाई जगह

आइची-नगोया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर ने बुधवार को एशियाई खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली। मनु ने क्वालीफिकेशन में 579 अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु ने क्वालीफिकेशन में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और शीर्ष तीन में रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। भारत की ईशा सिंह 572 अंक के साथ 15वें स्थान पर रहीं और फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। वहीं, सुरुचि सिंह ने 568 अंक के साथ 26वां स्थान हासिल किया। शूटिंग में भारत की पदक तालिका भारत को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में वियतनाम से पदक के लिए कड़े मुकाबले में हार मिली। दोनों टीमों के 1719 अंक बराबर रहे, लेकिन इनर-10 के आधार पर भारत चौथे स्थान पर रहा। भारत ने एशियाई खेलों में शूटिंग से अब तक पांच पदक जीते हैं, जिनमें चार रजत और एक कांस्य पदक शामिल है। हालांकि, भारतीय निशानेबाजों को अब भी स्वर्ण पदक का इंतजार है।

एशियाई खेलः जय मीना ने रचा इतिहास, साफ्ट टेनिस में भारत का पहला पदक पक्का

आइची-नगोया। भारतीय साफ्ट टेनिस खिलाड़ी जय मीना ने एशियाई खेलों में इतिहास रचते हुए पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही भारत का साफ्ट टेनिस में एशियाई खेलों का पहला पदक भी पक्का हो गया है। जय मीना ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस के शेरविन नुगुइट को 4-3 से हराया। उतार-चढ़ाव से भरे मुकाबले में जय ने 0-4, 4-2, 2-4, 5-3, 2-4, 7-5 से जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही जय का पदक पक्का हो गया है, क्योंकि अंतिम चार में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ियों को पदक मिलता है। अब जय की नजरें सेमीफाइनल पर हैं, जहां जीत उन्हें स्वर्ण पदक मुकाबले में पहुंचा देगी। आइची-नगोया में उनका शानदार अभियान भारत के लिए साफ्ट टेनिस में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बन गया है। जय का साफ्ट टेनिस से जुड़ाव लगभग संयोग से हुआ। बचपन में उनकी रुचि क्रिकेट में थी और वह क्रिकेटर बनना चाहते थे। देवास के पायनियर पब्लिक स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्होंने पहली बार साफ्ट टेनिस कोर्ट देखा। शुरुआत में वह खिलाड़ियों को देखने और बाल बाय के तौर पर मदद करने लगे, लेकिन धीरे-धीरे खुद इस खेल को खेलने लगे। स्कूल और जिला स्तर से आगे बढ़ते हुए उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पहचान बनाई। 14 साल की उम्र में ही उन्होंने साफ्ट टेनिस के गढ़ जापान में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। जय ने 2022 में गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों में पुरुष एकल का स्वर्ण पदक जीतकर भारत के शीर्ष साफ्ट टेनिस खिलाड़ियों में अपनी जगह मजबूत की। उन्होंने पुरुष टीम और युगल स्पर्धाओं में भी मध्य प्रदेश की पदक जीतने वाली टीमों में योगदान दिया। 2025 में वह पुरुष एकल में राष्ट्रीय चैंपियन बने। 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों में जय ने पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था और पुरुष टीम स्पर्धा में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इसके बाद 2024 में आध्या तिवारी के साथ जोड़ी बनाकर उन्होंने विश्व साफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में मिश्रित युगल का कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए इस प्रतियोगिता में पहला पदक हासिल किया। 2025 की एशियाई साफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में जय पुरुष एकल के सेमीफाइनल में पहुंचकर कांस्य पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने इस प्रतियोगिता में कुल चार पदक अपने नाम किए। आइची-नगोया एशियाई खेलों में यह उनका तीसरा एशियाई खेल है।

एशियन गेम्स में 28 साल बाद भारत को वेटलिफ्टिंग में पदक

मीराबाई ने दिलाया रजत, रोशिबिना देवी वुशु के फाइनल में पहुंचीं

एशियन गेम्स 2026 मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	47	20	10	77
2	जापान	15	24	27	66
3	साउथ कोरिया	8	8	24	40
4	कजाकिस्तान	7	4	8	19
5	थाईलैंड	5	3	4	12
6	हांगकांग, चीन	3	6	7	16
7	मलेशिया	3	0	5	8
8	ईरान	2	3	2	7
9	कुवैत	2	1	2	5
10	नॉर्थ कोरिया	2	1	1	4
11	कतर	2	1	1	4
12	ताजिकिस्तान	2	1	1	4
13	भारत	1	5	6	12
14	उज्बेकिस्तान	1	4	5	10

आइची-नागोया । भारत को एशियन गेम्स में 28 साल बाद वेटलिफ्टिंग में पदक मिला है। यह पदक मीराबाई चानू ने दिलाया है। वर्ष 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने रजत पदक जीता था। इसके अलावा रोशिबिना देवी महिला वुशु के 60 किलोग्राम वर्ग के फाइनल में पहुंच गई हैं।

बुधवार को मीराबाई महिलाओं की 49 किलोग्राम वेटलिफ्टिंग श्रेणी में कुल 198 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने स्नैच में 87 किलोग्राम और क्लीन एंड जर्क में 111 किलोग्राम वजन उठाया।

32 वर्षीय मीराबाई ने एशियाई खेलों में पहली बार पदक जीता है। वह ओलंपिक खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व चैंपियनशिप जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुकी हैं।

भारत को दिन का चौथा पदक मिला

एशियन गेम्स के चौथे दिन भारत को चौथा पदक मिला है। इनमें दो पदक निशानेबाजी के स्कीट टीम मुकाबले में आए। रायजा ढिल्लों, परिनाज धालीवाल और माहेश्वरी चौहान की महिला टीम 331 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही। पुरुष वर्ग में अनंतजीत सिंह नारुका, मैराज अहमद खान और भवतेघ सिंह गिल ने शूट-ऑफ में कजाकिस्तान को हराकर कांस्य पदक जीता। एक पदक सॉफ्ट टेनिस में जय मीणा ने दिलाया।

मनु भाकर पदक से चूकीं, भारतीय टीम भी हारी

मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पदक से चूक गईं। वह पांचवें स्थान पर रहीं। पदक नहीं जीत पाने के बाद मनु ने खुद को संभाले रखा, लेकिन मीडिया से बातचीत में जसपाल राणा का नाम आते ही उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। कुछ महीने पहले जसपाल राणा का 49 वर्ष की उम्र में दिल से जुड़ी समस्या के कारण निधन हो गया था।

बराबरी के बावजूद भारतीय टीम कांस्य से चूकी

एशियन गेम्स की निशानेबाजी में व्यक्तिगत योग्यता दौर का टीम मुकाबला भी पदक राउंड का हिस्सा होता है। भारत की तीनों खिलाड़ी मनु भाकर, ईशा और सुरुचि ने मिलकर कुल 1719 अंक हासिल किए। यह तीसरे स्थान पर रही वियतनाम की टीम के अंकों के बराबर थे। इसके बावजूद भारत कांस्य पदक से चूक गया।

दो टीमों का स्कोर बराबर रहने पर अधिक परफेक्ट 10 की संख्या के आधार पर विजेता का फैसला होता है।

वियतनाम की निशानेबाजों ने कुल 46 परफेक्ट 10 लगाए थे, जबकि भारतीय निशानेबाजों ने 44 परफेक्ट 10 ही लगाए। चीन ने 1735 अंकों के साथ स्वर्ण और दक्षिण कोरिया ने 1730 अंकों के साथ रजत पदक जीता।

भारतीय पुरुष टीम चीन से 1-3 से हारी, कांस्य पदक जीता

भारत की पुरुष बैडमिंटन टीम सेमीफाइनल में चीन से 1-3 से हार गई। उसे कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। चौथे मुकाबले में हे जी टिंग और लियू यी ने हरिहरन अम्साकरुनन और एमआर अर्जुन को 21-16, 17-21, 21-9 से हराया।

भारत ने टीम स्पर्धा में लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स का पदक जीता है। पिछली बार भारत और चीन के बीच फाइनल हुआ था, जो बेहद करीबी रहा था।

लक्ष्य सेन और अयुश शेट्टी के एकल मुकाबले हारने के बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जीत ने भारत की वापसी कराई। उन्होंने मौजूदा विश्व चैंपियन लियांग वेइकेंग और वांग चांग को हराया।

एशियाई खेलः भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ईरान को 37-23 से हराया, सेमीफाइनल के करीब पहुंची

आइची-नगोया

गत चैंपियन भारतीय महिला कबड्डी टीम ने एशियाई खेलों में अपने खिताब बचाने के अभियान को जारी रखते हुए ग्रुप ए के मुकाबले में ईरान को 37-23 से हराया। टोकेई सिटीजन्स जिम्नेजियम में मिली इस जीत के साथ भारत सेमीफाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है। ईरान ने मुकाबले की तेज शुरुआत करते हुए भारत के खिलाफ 8-4 की बढ़त बना ली और भारतीय रक्षापंक्ति पर दबाव बनाया। इसके बाद पूजा ने शानदार सुपर रेड लगाकर ईरान की बढ़त कम की।

इसके बाद उनकी एक और बेहतरीन रेड से भारत ने स्कोर बराबर कर दिया और मुकाबले का रुख पूरी तरह अपनी ओर मोड़ लिया।

इसके बाद भारतीय टीम ने नियंत्रण हासिल कर लिया और रेडिंग तथा डिफेंस दोनों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ की समाप्ति तक 19-15 की बढ़त बना ली।

दूसरे हाफ में भी भारत ने अपनी लय कायम रखी और लगातार बढ़त बढ़ाता गया। ईरान दबाव को अंकों में बदलने में संघर्ष करता रहा और दूसरे हाफ में भारत ने 18-8 से बढ़त बनाते हुए मुकाबला 37-23 से अपने नाम कर लिया। भारत के 37 अंकों में सात बोनस अंक और चार आल-आउट अंक शामिल रहे। ईरान ने पूरे मुकाबले में छह बोनस अंक हासिल किए। भारत के डिफेंस ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया और दूसरे हाफ में एक सुपर टैकल अंक हासिल किया।

भारत अब ग्रुप ए के अपने अंतिम मुकाबले में 24 सितंबर को शाम 4:15 बजे जापान का सामना करेगा। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम की सेमीफाइनल में जगह की स्थिति तय होगी।

एशियाई खेलः सतनाम-सलमान और बलराज पंवार रोइंग के फाइनल में पहुंचे

आइची-नगोया। भारतीय रोइंग खिलाड़ियों सतनाम सिंह, सलमान खान और बलराज पंवार ने एशियाई खेलों में अपने-अपने मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली। सतनाम सिंह और सलमान खान ने पुरुष डबल स्कल्स स्पर्धा के फाइनल ए में प्रवेश किया। दोनों ने अपनी हीट में 6 मिनट 15.63 सेकंड का समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों हीट के संयुक्त परिणाम में वे चौथे स्थान पर रहे। डबल स्कल्स का फाइनल गुरुवार को होगा। पुरुष सिंगल स्कल्स स्पर्धा में बलराज पंवार ने भी फाइनल ए में जगह बनाई। उन्होंने अपनी हीट में 6 मिनट 52.84 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। दोनों हीट के संयुक्त परिणाम में बलराज चौथे स्थान पर रहे और अब उनके पास पदक जीतने का मौका होगा। भारतीय रोइंग टीम इन क्वालीफाइंग प्रदर्शनों के बाद फाइनल में भी मजबूत प्रदर्शन के साथ पदक हासिल करने की कोशिश करेगी। इसके अलावा भारतीय पुरुष कयाक चार 500 मीटर टीम ने भी फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया। हर्षवर्धन शक्तावत, वरिंदर सिंह, एल नाओचा सिंह ओइनाम और अरुण सिंह की टीम ने अपनी हीट में 1 मिनट 29.447 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड ने घोषित की 16 सदस्यीय टीम, सैंटनर कप्तान

आकलैंड

न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। सफेद गेंद के कप्तान मिशेल सैंटनर टीम की अगुआई करेंगे। टीम में सात तेज गेंदबाजों को शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, पांच मैचों की सीरीज की शुरुआत 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होगी। 11 दिनों के दौरान चार शहरों में मुकाबले खेले जाएंगे। यह सीरीज भारत के न्यूजीलैंड दौरे का हिस्सा है, जिसमें पांच एकदिवसीय और दो टेस्ट मैच भी शामिल हैं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुताबिक, इस दौरे के लिए अब तक 76,000 से अधिक टिकट बिक चुके हैं। न्यूजीलैंड की टीम में इस साल आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत से हारकर उपविजेता रहने वाली टीम के 13 खिलाड़ी शामिल हैं। स्पिन आलराउंडर माइकल ब्रेसवेल और तेज गेंदबाज एडम मिल्न चोट के कारण विश्व कप से बाहर रहने के बाद टीम में लौटे हैं। 34 वर्षीय मिल्न ने अब तक 243 टी20 मैच खेले हैं, जिनमें 56 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं। उन्होंने एक साल से अधिक समय बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी की है। मिल्न के साथ लाकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन और जैकब

डफी जैसे अनुभवी तेज गेंदबाज हैं, जबकि जैक फाउल्क्स और नाथन स्मिथ को भी टीम में जगह मिली है। हालांकि, बल्लेबाजी आलराउंडर रचिन रवींद्र चोट के कारण टी20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। पिछले सप्ताह एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान उनके दाहिने कंधे का जोड़ खिसक गया था। उनके करीब छह सप्ताह तक पुनर्वास की उम्मीद है और वह चार नवंबर से आकलैंड के ईडन पार्क में शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज से वापसी का लक्ष्य बना रहे हैं। न्यूजीलैंड ने टी20 विश्व कप के बाद पहली बार आक्रामक सलामी बल्लेबाजों टिम सेफर्ट और फिन एलन को शीर्ष क्रम में फिर से साथ रखा है। विश्व कप के सेमीफाइनल में एलन ने ईडन गार्डन्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 33 गेंदों में नाबाद शतक लगाया था, जबकि सेफर्ट ने 33 गेंदों में 58 रन बनाकर न्यूजीलैंड को नौ विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सेफर्ट को द हंड्रेड में टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया था। उन्होंने 394 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 168 रहा। फाइनल में उन्होंने 38 गेंदों में 72 रन की मैच विजयी पारी खेली थी। तेज गेंदबाज बेन सीयर्स को टखने की चोट से उबरने के कारण चयन के लिए विचार में नहीं रखा गया। भारत के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीमः मिशेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कानवे, जैकब डफी, लाकी फर्ग्यूसन, जैक फाउल्क्स, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्न, डैरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सेफर्ट, नाथन स्मिथ।

भारत के खिलाफ पहले वनडे के लिए वेस्टइंडीज टीम तिरुवनंतपुरम पहुंची

तिरुवनंतपुरम

भारत के खिलाफ 27 सितंबर से शुरु होने वाले पहले एकदिवसीय सीरीज के लिए वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम तिरुवनंतपुरम पहुंच गई। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर दो बजे शुरू होगा।

शाई होप की कप्तानी वाली वेस्टइंडीज टीम तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में भारत का सामना करेगी। श्रृंखला का दूसरा मुकाबला 30 सितंबर को गुवाहाटी में और तीसरा मैच तीन अक्टूबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने भारत दौरे के लिए तीन एकदिवसीय और पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की टीमों की घोषणा की है। यह दौरा 27 सितंबर से 18 अक्टूबर तक आठ शहरों में खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज की एकदिवसीय टीम में जान कैंपबेल की वापसी हुई है। वह हैमस्ट्रिंग चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम दो एकदिवसीय मैचों में नहीं खेल सके थे। एकेम आगस्टे की जगह ज्वेल एंड्रयू को टीम में शामिल किया गया है। आगस्टे अगस्त में सर्जरी के बाद अभी पुनर्वास की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। शिमरान हेटमायर न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम दो एकदिवसीय मैचों में खेले थे। उन्हें कैरेबियन प्रीमियर लीग के बाद अतिरिक्त आराम दिए जाने के कारण वह भारत के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में टीम के साथ नहीं होंगे और टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला

के लिए जुड़ेंगे। भारत के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मैचों के साथ आईसीसी पुरुष 50 ओवर विश्व कप का मौजूदा क्वालीफिकेशन चक्र भी समाप्त होगा। हालांकि, परिणाम चाहे जो भी हों, वेस्टइंडीज अंक तालिका में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों को पीछे नहीं छोड़ पाएगा। ऐसे में उसे अगले साल की शुरुआत में होने वाले क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के जरिए विश्व कप में जगह बनाने की कोशिश करनी होगी। भारत की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे, जबकि केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है। रोहित शर्मा और विराट कोहली को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। यह श्रृंखला भारत के लिए 2027 एकदिवसीय विश्व कप की तैयारियों के बीच खिलाड़ियों के प्रदर्शन को परखने का महत्वपूर्ण अवसर होगी। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज की भी भारत की एकदिवसीय टीम में वापसी हुई है। वहीं, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी और पंजाब के आलराउंडर नमन धीर को पहली बार एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है।

वेस्टइंडीज एकदिवसीय टीमः शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, जान कैंपबेल, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, अमीर जांगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, विटेल लाज, गुडाकेश मोती, कीमो पाल, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स।

भारत की एकदिवसीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, रुतुराज गायकवाड़, केएल राहुल (उपकप्तान), ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी, यशस्वी जायसवाल, नमन धीर।

रंगताली सीजन 5 का ग्रैंड पोस्टर लॉन्च, प्रवेश पत्र भी जारी

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रंगताली सीजन-5 का उत्सवी काउंटडाउन आधिकारिक रूप से शुरू हो गया है। हैदराबाद के बहुप्रतीक्षित नवरात्रि उत्सव के 2026 संस्करण के ग्रैंड पोस्टर लॉन्च, तारीख घोषणा और पास जारी होने के साथ यह सिलसिला शुरू हुआ।

रंगताली का पाँचवाँ सीजन 11 से 20 अक्टूबर 2026 तक दस उत्सवी रातों में सिटाडेल कन्वेंशन, शमशाबाद, हैदराबाद में आयोजित होगा। यह गर्बा, डांडिया, लाइव म्यूजिक, मनोरंजन, भोजन और सांस्कृतिक उत्सवों को एक साथ लाएगा, जो परिवारों, युवाओं और पूरे शहर के नवरात्रि प्रेमियों के लिए होगा।

सीजन 5 का भव्य पोस्टर आयोजकों- अंजनी कुमार अग्रवाल, राकेश जालान, शुभम अग्रवाल, लोकेश कुमार, लक्ष्य अग्रवाल और अलका मेहता की उपस्थिति में अनावरण किया गया। इसमें स्पॉन्सर और आयोजन टीम के सदस्य भी मौजूद रहे, जिसने उत्सवों की आधिकारिक शुरुआत को चिह्नित किया।

उत्साह बढ़ाने वाली खबर यह है कि रंगताली सीजन 5 के पास (प्रवेश पत्र) आधिकारिक रूप से जारी कर दिए गए हैं। इससे हैदराबाद भर के गरबा और डांडिया प्रेमियों को सभी दस उत्सवी रातों के लिए प्रवेश सुनिश्चित करने का अवसर मिल गया है।

दस रातों के उत्सव की योजना के साथ रंगताली से सिटाडेल कन्वेंशन में हजारों संगीत, नृत्य और नवरात्रि प्रेमियों को एक विस्तारित उत्सवी अनुभव के लिए एक साथ लाने की उम्मीद है।

रंगताली का 2026 संस्करण दीव्याशक्ति रियल्टी द्वारा प्रस्तुत, काबरा टायर्स (कमल काबरा) द्वारा पावर्ड और रामोजी फिल्म सिटी द्वारा को-पावर्ड है।

अर्बन मनी एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में शामिल है, जबकि पाखी फ्यूल्स एलएलपी, राजलक्ष्मी ज्वेलर्स, किंग कॉपर, संगीता प्लास्टिक एजेंसीज – कलकत्ता प्लास्टिक इंडस्ट्रीज, मेटल हाउस बाई संदीप अग्रवाल, श्री जगदंबा पर्ल्स-गोल्ड-डायमंड्स, श्री सालासर डेवलपर और सेलेस्टाइल को-स्पॉन्सर के रूप में इस उत्सव से जुड़े हैं। कार्यक्रम को लीला एस्टेट्स, जिन्ना'स मेहंदी एंड कॉन्सेप्ट्स बाई दीप्ति, लैंटर्न मार्केटिंग के साथ-साथ गिफ्टिंग, कंटेंट, रील और फोटोग्राफी पार्टनर्स का भी समर्थन प्राप्त है।

उत्सवों की ऊर्जा बढ़ाने के लिए नेहा पलन दस दिवसीय भव्य कार्यक्रम की एंकरिंग करेंगी और अपनी बहुमुखी होस्टिंग स्टाइल से उत्सव में रंग भरेंगी।

सीजन 5 के केंद्र में आयोजन समिति – टीम एके है, जो परंपरा, मनोरंजन, आतिथ्य और बड़े पैमाने पर इवेंट प्रोडक्शन को एक साथ लाकर एक जीवंत और सुव्यवस्थित नवरात्रि अनुभव तैयार करने की दिशा में काम कर रही है।

राजस्थानी शिक्षा समिति ने मनाया हिन्दी दिवस समारोह

हिन्दी को मन की भाषा बनाने का विद्यार्थियों से किया आह्वान

निजामाबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रपति मार्ग स्थित हरिचरण मारवाड़ी हिन्दी विद्यालय परिसर में राजस्थानी शिक्षा समिति द्वारा संचालित हरिचरण मारवाड़ी हिन्दी विद्यालय (हिन्दी माध्यम), आदर्श हिन्दी विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) एवं अक्षरधाम हाई स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हरिचरण शिक्षा ट्रस्ट की चेयरमैन श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल तथा विशेष अतिथि के रूप में फलकनुमा सरकारी डिग्री कॉलेज में कार्यरत सहायक प्रोफेसर डॉ. बाबू राव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत-सत्कार के साथ हुआ। मुख्य अतिथि श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल का स्वागत संस्था के अध्यक्ष श्री श्रीवल्लभ सारड़ा ने, विशेष अतिथि डॉ. बाबू राव का स्वागत संस्था के मंत्री श्री जितेन्द्र मालाणी ने तथा सभापति श्री श्रीवल्लभ सारड़ा का स्वागत अक्षरधाम शासिका सभा के संयोजक श्री आनंद राठी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया।

तत्पश्चात विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षण प्रमुखों ने हिन्दी भाषा के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। स्वागत भाषण में संस्था के अध्यक्ष श्री श्रीवल्लभ सारड़ा ने हिन्दी भाषा की प्राथमिकता और आवश्यकता को विस्तार से समझाया।

संस्था के मानद मंत्री श्री जितेन्द्र मालाणी ने कहा कि वर्तमान समय में अंग्रेजी को अधिक प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे विद्यार्थियों की अन्य भाषाओं पर पकड़ कमजोर हो रही है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि प्रतिदिन विद्यार्थियों को अंग्रेजी के साथ-साथ राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दों का अर्थ समझाएं और लिखवाएं, ताकि विद्यार्थियों की सभी भाषाओं पर पकड़ मजबूत हो सके।

विशेष अतिथि डॉ. बाबू राव ने सभी को हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हिन्दी ऐसी भाषा है, जो रिश्तों और भावनाओं को जोड़कर रखती है। हम देश के किसी भी प्रदेश, शहर या गांव में चले जाएं, हर जगह हिन्दी भाषी मिल जाते हैं। क्षेत्रीय भाषा नहीं आने पर भी हमारे अनेक कार्य हिन्दी के माध्यम से पूरे हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि आज का युग तकनीक का युग है और यह गर्व की बात है कि हिन्दी आज गूगल, मोबाइल और कंप्यूटर की भाषा बन गई है।

मुख्य अतिथि श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि हिन्दी सिर्फ एक भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान है। अंग्रेजी सीखना अच्छी बात है, लेकिन हिन्दी को अपनाना गर्व की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने हस्ताक्षर, रोजमर्रा के काम और अपनी सोच में हिन्दी को स्थान दें।

उन्होंने कहा कि हिन्दी बोलने में संकोच नहीं, बल्कि गर्व महसूस करना चाहिए। दिन में कम से कम एक काम हिन्दी में करने का संकल्प लें। हिन्दी को केवल मंच की नहीं, बल्कि मन की भाषा बनाएं।

कार्यक्रम के अंत में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित भाषण एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। उपस्थित पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल एवं विशेष अतिथि डॉ. बाबू राव को शॉल, मोतियों की माला एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य रामजीवन व्यास गुड्डू, नितिन दायमा, हिन्दी माध्यम के प्रधानाध्यापक आनंद उपाध्याय, अंग्रेजी माध्यम के प्रधानाध्यापक घनश्याम व्यास सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

केबीआर पार्क पर किया गया अन्नदान

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क के वॉटर टैंक के समीप नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता एवं जयप्रकाश सारडा सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति में सेवा और पुण्य का महत्वपूर्ण माध्यम माना गया है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल पेट भरने का कार्य नहीं, बल्कि मानवता के प्रति संवेदनशीलता और करुणा का भाव है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा इसी निस्वार्थ सेवा भावना का प्रतीक है।

सदस्यों ने कहा कि सेवा कार्य में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाकर समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत किया जा सकता है। राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य भी इसी भावना के साथ निरंतर मानव सेवा करना है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य को नियमित रूप से जारी रखने तथा अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे और अन्नसेवा में सहयोग किया।

बेगम बाजार स्थित वानर सेना गणपति परिसर में विश्वविजय मित्र मंडल के तत्वावधान में सहस्र मोदक सहित 51 नारिकेल महागणपति हवन का भव्य एवं भक्तिमय आयोजन किया गया।
इस पावन अवसर पर विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान श्री महागणपति की पूजा-अर्चना और हवन संपन्न किया गया। हवन में सहस्र मोदकों तथा 51 नारियल सहित विभिन्न द्रव्यों की आहुति अर्पित की गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर भगवान महागणपति के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।मंडल की ओर से भगवान महागणपति से सभी भक्तों एवं समाज के कल्याण, सुख-समृद्धि और शांति की प्रार्थना की गई। भगवान श्री महागणपति हम सभी पर अपनी कृपा एवं आशीर्वाद बनाए रखें और सभी के जीवन में सुख, समृद्धि एवं मंगल प्रदान करें।

टाटा हिटाची की नई डीलरशिप सुविधा उद्घाटित

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। टाटा हिटाची ने आज हैदराबाद में आर्टेमिस इंजीनियर्स की नई डीलरशिप सुविधा का उद्घाटन कर तेलंगाना में अपनी ग्राहक पहुंच और सेवा नेटवर्क को मजबूत किया।

कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री संदीप सिंह ने इस सुविधा का उद्घाटन किया। यह डीलरशिप बिक्री, असली स्पेयर पार्ट्स और आफ्टर-सेल्स सर्विस के लिए वन-स्टॉप सेंटर के रूप में काम करेगी, जिसमें कॉम्पैक्ट निर्माण उपकरणों पर विशेष ध्यान दिया गया है। श्री संदीप सिंह ने कहा कि यह डीलरशिप ग्राहकों के करीब पहुंचने और उन्हें बेहतर सेवा देने का महत्वपूर्ण कदम है। आर्टेमिस इंजीनियर्स तेलंगाना में टाटा हिताची का अधिकृत डीलर है और शिनराई बैकहो लोडर्स तथा मिनी एक्स्केवेटर्स सहित कॉम्पैक्ट उपकरणों की बिक्री व सेवा उपलब्ध कराएगा।

गणेश विसर्जन शोभायात्रा में तिलक और शिवाजी के चित्र प्रदर्शित करें

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश विसर्जन शोभायात्राओं में गणेश मंडप आयोजकों को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र अनिवार्य रूप से लगाने चाहिए। यह अपील शिवसेना गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के संयोजक राम किशन जी अगल ड्यूटी ने की।इस अवसर पर उन्होंने शहर के दिंसी चौक क्षेत्र में गणेश मंडप आयोजकों को लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक और छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र वितरित किए। उन्होंने बताया कि अब तक शहरभर में करीब 1,500 गणेश मंडप आयोजकों को दोनों महापुरुषों के चित्र वितरित किए जा चुके हैं।

राम किशन जी अगल ड्यूटी ने कहा कि अंग्रेजों के शासनकाल में वर्ष 1883 में घरों तक सीमित गणेश उत्सव को सार्वजनिक उत्सव का स्वरूप देने तथा राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता आंदोलन की भावना को जन-जन तक पहुंचाने में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिंदू धर्म की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। उन्होंने गणेश मंडप आयोजकों से अपील की कि दोनों महापुरुषों के चित्र अपने-अपने मंडपों में स्थापित करने के साथ-साथ गणेश विसर्जन शोभायात्रा में भी उन्हें प्रदर्शित करें।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बंसल...

कर्नाटक में डॉ. एम. वेंकटेश्वरलु को सह-प्रभारी बनाया गया है। द्विवेदी इससे पहले असम के प्रभारी रह चुके हैं और अगस्त में उन्हें भाजपा की केंद्रीय टीम में राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया था।

सतीश पूनिया को पंजाब और जम्मू-कश्मीर

राजस्थान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और राष्ट्रीय महासचिव सतीश पूनिया को पंजाब और जम्मू-कश्मीर का प्रभारी बनाया गया है। पंजाब में वीरेंद्र सचदेवा और अलका गुर्जर तथा जम्मू-कश्मीर में रीना कश्यप सह-प्रभारी होंगी। पंजाब में वर्ष 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के लिए भी पार्टी ने अलग संगठनात्मक जिम्मेदारी तय की है।

महाराष्ट्र में बैजयंत जय पांडा को जिम्मेदारी

महाराष्ट्र में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बैजयंत जय पांडा को प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ अमित मालवीय, सदानंद शेट तानावड़े और कमलजीत सहरावत को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है।अमित मालवीय लंबे समय से भाजपा के सूचना प्रौद्योगिकी और सामाजिक माध्यम से जुड़े संगठनात्मक कार्यों में सक्रिय रहे हैं, जबकि सदानंद शेट तानावड़े को गोवा के संगठनात्मक अनुभव के लिए जाना जाता है।

बिहार में अनुभव और नए चेहरों का मेल

बिहार में विनोद तावड़े के स्थान पर हरीश द्विवेदी को प्रभारी बनाया गया है। उनके साथ संगीता यादव और रोहन गुप्ता को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। रोहन गुप्ता पहले कांग्रेस में थे और बाद में भाजपा में शामिल हुए। बिहार के अन्य नेताओं को भी महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारियां मिली हैं। मंगल पांडे को असम का प्रभारी बनाया गया है। पूर्व विधान परिषद सदस्य देवेश कुमार को अरुणाचल प्रदेश का प्रभारी बनाया गया है। निवेदिता सिंह को झारखंड का सह-प्रभारी तथा राजेंद्र सिंह और पिंकी कुशवाहा को पश्चिम बंगाल का सह-प्रभारी बनाया गया है।

दिल्ली की जिम्मेदारी विनय सहस्रबुद्धे को

देश की राजधानी दिल्ली के लिए विनय सहस्रबुद्धे को प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके साथ जामयांग त्सेरिंग नामग्याल और दर्शना जरदोश को सह-प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

पूर्वोत्तर और छोटे राज्यों पर भी ध्यान

भाजपा की नई सूची में अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम, मेघालय सहित पूर्वोत्तर के राज्यों और लद्दाख, लक्षद्वीप तथा अंडमान-निकोबार जैसे केंद्र शासित प्रदेशों को भी शामिल किया गया है।असम में मंगल पांडे के साथ फांगनोन कोन्याक और मनोज टिग्गा को सह-प्रभारी बनाया गया है। हिमाचल प्रदेश में श्रीकांत शर्मा को प्रभारी और दर्शना सिंह को सह-प्रभारी बनाया गया है। झारखंड में गजेंद्र पटेल प्रभारी और सौरभ सिंह तथा निवेदिता सिंह सह-प्रभारी होंगे।

महिला नेताओं को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

नई सूची में महिला नेताओं को भी कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारियां दी गई हैं। स्मृति ईरानी के अलावा वनथी श्रीनिवासन, फांगनोन कोन्याक, संगीता यादव, गोमती साय, दर्शना जरदोश, भारती पवार, दर्शना सिंह, रीना कश्यप, निवेदिता सिंह, डी. पुरंदेश्वरी, कविता पाटीदार, अलका गुर्जर, मेधा कुलकर्णी, बांसुरी स्वराज और पिंकी कुशवाहा को विभिन्न राज्यों में प्रभारी या सह-प्रभारी की जिम्मेदारी मिली है।

36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नियुक्तियां

भाजपा ने कुल 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए हैं। इनमें कई नेताओं को एक से अधिक राज्यों की जिम्मेदारी दी गई है। स्मृति ईरानी को हरियाणा और छत्तीसगढ़, हरीश द्विवेदी को बिहार और कर्नाटक, सतीश पूनिया को पंजाब और जम्मू-कश्मीर, राम माधव को तमिलनाडु और उत्तराखंड तथा सुनील बंसल को तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का प्रभार मिला है।

भाजपा की ओर से जारी सूची तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

लेक्चरर...

पुलिस के मुताबिक, शाम करीब 7:30 बजे नवीन युवती को उसके घर लेकर पहुंचा और बाद में उसके माता-पिता को साथ लेकर सरकारी अस्पताल गया। युवती को अस्पताल में भर्ती कराने के बाद वह कथित तौर पर वहां से चला गया। अगले दिन इलाज के दौरान युवती की मौत हो गई।

सबूत मिटाने की कोशिश का आरोप

जांचकर्ताओं का कहना है कि नवीन ने घटना की परिस्थितियां सामने आने के डर से कथित तौर पर सबूत मिटाने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक, उसने कार को धोया और सुसाइड नोट, कीटनाशक की बोतल तथा मोबाइल फोन के सिम कार्ड को ठिकाने लगाने की कोशिश की। इसके बाद वह कथित तौर पर हैदराबाद भाग गया।

पुलिस ने नवीन की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज, कॉल डाटा, कॉल रिकॉर्डिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया। पेद्दापल्ली के पुलिस उपायुक्त के मुताबिक, जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने नवीन का पता लगाया और उसे हिरासत में लिया।

पुलिस बोम्मकंठी रविकुमार की भूमिका की भी जांच कर रही है, जिसे ओसीपी-5 खदान के पास से हिरासत में लिया गया। पुलिस के मुताबिक, युवती प्रशिक्षण के लिए गोदावरिखानी लौटने के बाद रविकुमार के संपर्क में आई थी। पुलिस इस आरोप की भी जांच कर रही है कि रविकुमार ने युवती की इच्छा के विरुद्ध उसके साथ यौन संबंध बनाए थे।

जांचकर्ता सिंगरेनी अधिकारियों को युवती द्वारा कथित तौर पर दी गई शिकायत, उसमें लगाए गए आरोपों और अधिकारियों की ओर से की गई कार्रवाई की भी जांच कर रहे हैं। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शिकायत के निपटारे में किसी तरह की लापरवाही हुई थी या नहीं।

नकलची...

अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच अपराध शाखा को सौंप दी है। जहां एक ओर संस्थान प्रशासन का कहना था कि छात्र को परीक्षा में फोन इस्तेमाल करने के मामले में सामान्य परामर्श दिया गया और नियमों की जानकारी दी गई थी, वहीं साहिल के परिवार और प्रदर्शनकारी छात्रों का आरोप है कि परीक्षा हॉल से बाहर ले जाने के बाद साहिल के साथ गंभीर उत्पीड़न, अपमान और जातिगत भेदभाव किया गया। उनका आरोप है कि इससे आहत होकर उसने आत्मघाती कदम उठाया। अब सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद जांच एजेंसियां घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने में जुटी हैं।

दावा है कि साहिल पर परीक्षा के दौरान सवालों को चैटजीपीटी पर अपलोड कर उनके जवाब हासिल करने की कोशिश करने का आरोप था। जिस परीक्षा में यह कथित घटना हुई, उसमें प्रोफेसर डूला निगरानी अधिकारी की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।घटना के बाद साहिल के परिवार ने प्रोफेसर डूला पर जातिगत टिप्पणी करने, मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और धमकी देने समेत कई गंभीर आरोप लगाए। परिवार की शिकायत के आधार पर मुंबई पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत भी धाराएं लगाईं।

जहाज़...

बाईं ओर स्थित सी-डेक के आवासीय हिस्से में लगा, जबकि दूसरा बाईं ओर के उस हिस्से से टकराया, जहां इंजन कक्ष स्थित है। यूनियन ने होर्मुज जलडमरूमध्य और उसके आसपास समुद्री मार्गों पर काम कर रहे नागरिक नाविकों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। उसने सुरक्षित समुद्री रास्ते, जवाबदेही और मृत भारतीय नाविक के लिए न्याय की मांग की है।

नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठा चुके हैं प्रधानमंत्री

बता दें कि नई दिल्ली में हुए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान भी प्रधानमंत्री ने नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था और इस पर सभी देशों से मिलकर काम करने का आग्रह किया था।फिलहाल भारतीय दूतावास ने जहाज पर हुए हमले के जिम्मेदार पक्ष की पहचान या हमले के पीछे की वजह को लेकर कोई दावा नहीं किया है। उसका फोकस जहाज पर मौजूद भारतीयों समेत सभी चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मृतक के परिवार को सहायता उपलब्ध कराने पर है।

फॉर्म-6...

फैसलों से सहमत थे या उनकी राय को नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा, अगर किसी बातचीत में किसी ने अपनी राय रखी है और चुनाव आयोग ने फैसला लेने से पहले उस पर ध्यान दिया है, तो चुनाव आयोग को पूरे तथ्यों और रिकॉर्ड के साथ यह बताना चाहिए। लवासा ने कहा कि औपचारिक असहमति तब मानी जाएगी, जब आयुक्त आयोग के सामने किसी एजेंडे पर अलग-अलग राय रखें।

उन्होंने कहा, असहमति तब होती है जब आयोग के सामने कोई एजेंडा रखा जाता है। दो लोगों की एक राय होती है और एक व्यक्ति की दूसरी राय होती है। इसे ही असहमति कहते हैं।

उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि कोई चुनाव आयुक्त चुनाव आयोग के अंदरूनी कामकाज से जुड़े मामलों पर कैबिनेट सचिव को पत्र क्यों लिखेगा। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को ऐसी बातचीत के पीछे की वजह बतानी चाहिए।

लवासा ने कहा, जांच और संतुलन होने चाहिए। उन्होंने कहा कि निगरानी का एक और स्तर जवाबदेही और पर्यवेक्षण को मजबूत करेगा।

चुनाव आयोग ने कहा, सभी फैसले सर्वसम्मति से हुए

चुनाव आयोग की ओर से कहा गया है कि उसके फैसले, जिनमें एसआईआर से जुड़े फैसले भी शामिल हैं, तीनों चुनाव आयुक्तों की मंजूरी से लिए गए थे। आयोग के सूत्रों ने रिपोर्ट में बताए गए आंतरिक मतभेद की धारणा को खारिज करते हुए कहा कि अलग-अलग बातचीत या राय में अंतर को संस्थागत असहमति नहीं माना जाना चाहिए।

लवासा ने कहा कि पूरे रिकॉर्ड के बिना इस विवाद का सही आकलन नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, इन सभी चीजों पर बहुत ज्यादा स्पष्टीकरण की जरूरत है।

लवासा ने चुनाव आयोग से तीन सवालों के जवाब मांगे

1. फॉर्म-6 में बदलाव क्यों किया गया?
2. जब चुनाव आयुक्तों ने चिंता जताई, तो उनकी चिंताओं के बावजूद आदेश क्यों दिए गए?
3. मतदाता सूची के आंकड़ों को केंद्रीकृत क्यों किया गया?

उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव आयोग की ओर से जारी जवाब में इन सवालों का विस्तृत उत्तर नहीं दिया गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 24 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (का.), हैदराबाद (3) की छमाही बैठक संपन्न

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हैदराबाद (3) की 19वीं छमाही बैठक दिनांक 22.09.2026 को दुपहर 3.00 बजे सीएसआईआर – राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में स्थित एस बी हाल में आयोजित हुई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नराकास (का.) हैदराबाद (3) के अध्यक्ष तथा सीएसआईआर–राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. प्रकाश कुमार ने की। इस अवसर पर अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एन. नागराजु विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस बैठक में परमाणु खनिज अनुसंधान एवं अन्वेषण निदेशालय के दक्षिण मध्यवर्ती क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक श्री ए.आर. मुकुंदन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), बेंगलूरु के उप निदेशक श्री निर्मल कुमार दुबे ने बैठक के दौरान ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित हुए। हिन्दी शिक्षण योजना के सहायक निदेशक डॉ. रवि चन्द्र राव, और श्री चि.वें. सुब्बाराव, समिति के सदस्य सचिव एवं वरि. हिन्दी अधिकारी, सीएसआईआर–एनजीआरआई भी मंचासीन अतिथियों में थे।

इस अवसर पर नराकास, हैदराबाद (3) के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश कुमार ने बैठक में उपस्थित सदस्य कार्यालय अध्यक्षों एवं हिन्दी पदाधिकारियों का स्वागत किया। उन्होंने राजभाषा विभाग द्वारा जारी किए गए वर्ष 2026-27 के वार्षिक कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए हिन्दी में मूल पत्राचार, हिंदी में टिप्पणी, हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में देने, हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण तथा हिंदी में डिक्टेशन/सीधे टंकण के लिए निर्धारित लक्ष्यों के बारे में बताया और कहा कि इन लक्ष्यों को केवल आंकड़ों के रूप में न देखकर हमें इन्हें दैनिक कार्यालयीन कार्य-संस्कृति का हिस्सा बनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि राजभाषा का प्रभावी कार्यान्वयन तभी संभव है, जब प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी यह महसूस करें कि हिंदी में कार्य करना कोई अतिरिक्त कार्य नहीं है, बल्कि हमारे नियमित सरकारी कार्य का स्वाभाविक हिस्सा है। इस दिशा में उन्होंने कुछ सुझाव दिए। 1) तकनीकी और वैज्ञानिक कार्यालयों में यह प्रयास होना चाहिए कि तकनीकी विषयों को भी सरल और स्पष्ट हिंदी में व्यक्त करने का अभ्यास विकसित हो। 2) हिंदी प्रशिक्षण को कार्य-कौशल से जोड़ा जाए। 3) राजभाषा कार्यान्वयन को ई-ऑफिस और डिजिटल माध्यमों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। 4) तकनीकी उपलब्धियों को हिंदी में प्रस्तुत करना चाहिए। 5) नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति को केवल बैठकों तक सीमित न रखते हुए इसे अनुभवों और श्रेष्ठ कार्य-पद्धतियों के आदान-प्रदान का मंच बनाया जाना चाहिए। उन्होंने सभी कार्यालयों से आग्रह किया है कि वे अपने लिए निर्धारित राजभाषा लक्ष्यों की नियमित समीक्षा करें, कमियों की पहचान करें और उन्हें दूर करने के लिए समयबद्ध कार्य-योजना बनाएं। अंत में उन्होंने कहा कि राजभाषा हिंदी का विकास किसी एक विभाग या राजभाषा अधिकारी की जिम्मेदारी नहीं है। यह सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हम सभी को मिलकर यह संकल्प लेना है कि अपने-अपने कार्यालयों में राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करेंगे और हिंदी के प्रयोग को अधिक सरल, सहज, व्यावहारिक एवं प्रभावी बनाएंगे।

तदुपरान्त मुख्य अतिथि श्री ए.आर. मुकुंदन जी ने अपने विचार साझा करते हुए देश के विकास में, श्रेष्ठ भारत-सशक्त भारत के लक्ष्य प्राप्ति में परमाणु खनिज निदेशालय की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि क्रांतिक खनिजों की खोज, उनका प्रसंस्करण आदि में परमाणु खनिज निदेशालय का योगदान बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प.ख.नि. की संपूर्ण गतिविधियों पर विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने इस अवसर पर प.ख.नि. में राजभाषा कार्यान्वयन के लिए उठाए गए विशेष कदम, किए जा रहे कार्यक्रम, आदि के बारे में बताया।

इसके बाद बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे प्रो. एन. नागराजु जी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए देश की भाषाई विरासत, इतिहास, देश के विकास में हिन्दी का योगदान, हिन्दी की बोलियाँ, देश के विभिन्न प्रांतों में भाषाई विकास में, तथा हिन्दी को देश के सुदूर प्रांतों तक पहुंचाने में भारतीय फौज़ की भूमिका, भाषाओं के विकास में नागरिक भागीदारी, 1947 से देश में हुए विकास, आदि के बारे में बहुत ही रोचक और महत्वपूर्ण तथ्यों के साथ उन्होंने विस्तृत उद्बोधन दिया।

इस अवसर पर हिन्दी शिक्षण योजना से पधारे डॉ. रवि चन्द्र राव जी ने अपना वक्तव्य देते हुए हिन्दी शिक्षण योजना की ओर से चलाई जाने वाली भाषा प्रशिक्षण, टंकण एवं आशुलिपि कक्षाओं की समय-सारणी की सूचना दी। पारंगत परीक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि सभी सदस्य कार्यालय हिन्दी शिक्षण संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयों को हिन्दी शिक्षण योजना कार्यालय से संपर्क करके दूर करें। उसके लिए हिन्दी शिक्षण योजना की ओर से हर संभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने नगर द्वय में विभिन्न कार्यालयों में आयोजित की जा रही हिन्दी प्रशिक्षण कक्षाओं के बारे में जानकारी दी।

तदुपरान्त क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, बेंगलूरु से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े उप निदेशक (कार्यान्वयन) श्री निर्मल कुमार दुबे जी ने अपने संबोधन में अपील की कि राजभाषा कार्यान्वयन को लेकर राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए वार्षिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयास करें। उन्होंने भारत सरकार द्वारा विकसित भारतीय अनुवाद सारथी जैसे डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने पर बल दिया। राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में वर्तमान वस्तु स्थिति, नियम, उनका पालन, निर्धारित लक्ष्य आदि के बारे में विस्तृत विवरण दिया।

इसके बाद समिति के सदस्य सचिव श्री चि.वें. सुब्बाराव जी ने सदस्य कार्यालयों द्वारा भेजे गए राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी छमाही प्रगति प्रतिवेदनों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न कार्यालयों द्वारा राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा न.रा.का.स. की बैठकों में कार्यालय प्रमुखों की उपस्थिति की अनिवार्यता को लेकर जानकारी दी। इसके उपरांत बैठक में उपस्थित हिन्दी पदाधिकारियों द्वारा पुछे गए सवालों का भी जवाब दिया गया।

इस बैठक में समिति के अनेक गणमान्य व्यक्तित्व उपस्थित थे। इससे पहले मंचासीन अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छों से किया गया। समिति के अध्यक्ष ने विशिष्ट अतिथि प्रो. एन. नागर-ाजु, मुख्य अतिथि श्री मुकुंदन, तथा डॉ. रवि चंद्र राव जी का सम्मान स्मृति चिह्न एवं शाल से किया।

बैठक की विधिवत् समाप्ति सीएसआईआर-एनजीआरआई के कनि. हिन्दी अनुवादक श्री अजीत कुमार द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन और राष्ट्रगान के साथ हुई। इससे पहले बैठक का शुभारंभ वंदेमातरम से हुआ। बैठक का संचालन समिति के सदस्य सचिव श्री चि.वें. सुब्बाराव ने किया। इस बैठक में समिति के विभिन्न कार्यालयों से 162 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

महाराजा श्री अग्रसेन सेवा समिति कोत्तागुडेम को दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की मान्यता

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। समाज विकास और सेवा के संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करते हुए महाराजा श्री अग्रसेन सेवा समिति कोतागुडेम को दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की आधिकारिक सदस्यता प्रदान की गई। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में विशेष बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें समाज की भावी योजनाओं और विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

कार्यक्रम में दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज के सहमंत्री महेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा (तेलंगाना प्रदेश) के विवाह डाटा बैंक के चेयरमैन सुनील मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि महेश अग्रवाल ने अपने संबोधन में समाज के प्रबुद्धजनों से एकजुट होकर समाज हित में कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने परम पूज्य महाराजा श्री अग्रसेन जी के 'एक रुपया और एक ईंट' के महान एवं विश्वविख्यात सिद्धांत का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सिद्धांत समाज में परस्पर सहयोग, बंधुत्व और सामाजिक समरसता की भावना को मजबूत करता है।

उन्होंने बताया कि इस परंपरा के अनुसार जब भी कोई नया परिवार नगर में बसने आता था, तो समाज का प्रत्येक नागरिक उसे घर बनाने के लिए एक ईंट और व्यापार शुरू करने के लिए एक रुपया सहयोग स्वरूप देता था। उन्होंने अग्रवंश की इस गौरवशाली परंपरा और सोच को अपनाकर समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं फिजूलखर्ची पर अंकुश लगाने का आह्वान किया, ताकि आने वाली पीढ़ी को सुदृढ़, संगठित और प्रगतिशील दिशा मिल सके।

समिति के अध्यक्ष बजरंग कुमार अग्रवाल, मंत्री बृजलाल अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने संयुक्त रूप से आगामी अग्रसेन जयंती को हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि जयंती समारोह के दौरान मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ वृहद स्तर पर अन्नदान (महाप्रसाद) का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से समाज के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों की भी सेवा की जाएगी। कार्यक्रम के सफल एवं सुचारू संचालन में समिति के समर्पित सदस्य सारंजन अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समाज की एकजुटता, सेवा कार्यों के विस्तार और आगामी योजन-ाओं को सफल बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

अनिल अग्रवाल धरसुवाले ने की अन्नसेवा

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल धरसुवाले एवं नीलम विजयवर्गीय सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने सेवा कार्य में सहभागिता करते हुए जरूरतमंदों को अन्नप्रसाद वितरित किया।इस अवसर पर अनिल अग्रवाल धरसुवाले ने कहा कि अन्नदान भारतीय सनातन परंपरा में सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से की जा रही अन्नसेवा समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत कर रही है।नीलम विजयवर्गीय ने कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा का विशेष महत्व है। जरूरतमंदों की सहायता के लिए समाज के लोगों को निरंतर आगे आना चाहिए। सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में प्रेम, करुणा और सद्भाव का संदेश पहुंचता है।ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि अन्नदान के साथ गौसेवा और जरूरतमंदों की सहायता को निरंतर आगे बढ़ाना राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का प्रमुख उद्देश्य है। बिना किसी भेदभाव के की जा रही यह सेवा मानवता और सामाजिक समरसता का संदेश दे रही है।

अग्रवाल समाज तेलंगाना महिला उत्सव के पोस्टर का विमोचन

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में आयोजित किए जाने वाले भव्य महिला उत्सव के पोस्टर का विमोचन समारोह उत्साहपूर्वक किया गया। समाज की सह मंत्री डॉ. सीमा जैन, चेयरमैन डॉ. स्वाति गोयल एवं चेयरमैन प्रीति अग्रवाल ने संयुक्त रूप से महिला उत्सव के पोस्टर का विमोचन किया।

इस अवसर पर पदाधिकारियों ने समाज के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से 7 अक्टूबर को आयोजित होने वाले महिला उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया।

महिला उत्सव में महिलाओं के लिए विभिन्न आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, मेहंदी प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता एवं फैशन शो प्रमुख आकर्षण रहेंगे। इसके साथ ही भव्य सुपर तंबोला का भी आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के स्टॉलों की विशेष व्यवस्था की गई है। इनमें कपड़ों, खान-पान, आभूषण तथा आकर्षक सजावटी सामग्री के स्टॉल प्रमुख रहेंगे। इन स्टॉलों पर महिलाएं विभिन्न उत्पादों की खरीदारी करने के साथ-साथ प्रदर्शनी का आनंद भी ले सकेंगी।

महिला उत्सव का पंजीकरण शुल्क 300 रुपये रखा गया है। कार्यक्रम में शामिल होने वाली पहली 100 पंजीकृत प्रतिभागियों को विशेष उपहार प्रदान किया जाएगा। साथ ही सुबह 10:00 से 10:30 बजे के बीच विशेष निःशुल्क तंबोला आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी प्रतिभागी निःशुल्क भाग ले सकेंगी।

आयोजकों ने सभी महिलाओं से महिला उत्सव में उत्साहपूर्वक भाग लेकर महिला एकता, प्रतिभा और सशक्तिकरण का संदेश देने तथा कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

कुलदेवी जेष्ठायणी माता का छठा जागरण 17 अक्टूबर को

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिखवाल ब्राह्मण समाज के भारद्वाज गोत्र के तुकार तिवारी, नागला तिवारी, पिपाड़ा पाण्डिया एवं लिलरिया व्यास परिवारों की कुलदेवी श्री जेष्ठायणी माता (पाण्डुका) का छठा भव्य जागरण एवं प्रसादी 17 अक्टूबर 2026, शनिवार को ऋषि श्रृंग भवन में आयोजित किया जाएगा।

आयोजन की तैयारियों को लेकर संरक्षक मोतीलाल तिवारी की अध्यक्षता में भवन परिसर में बैठक हुई। श्रृंग वंदना के बाद संयोजक रामदेव नागला ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से माता की कृपा से जागरण एवं प्रसादी का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। इस वर्ष आयोजन को भव्य बनाने के लिए विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा हुई। प्रमुख भजन गायकों से संपर्क की जिम्मेदारी महेंद्र नागला तिवारी को दी गई।

रामदेव नागला ने बताया कि पूर्व में यह आयोजन दो दिवसीय होता था, लेकिन इस वर्ष युवा वर्ग एवं समाजबंधुओं के सुझाव पर इसे एक दिवसीय रखा गया है। 17 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे महिला भजन, शाम 5 बजे माता का दरबार एवं सजावट, इसके बाद माता का भोग, कन्या पूजन और आरती होगी। इसके पश्चात भोजन प्रसादी प्रारंभ होगी।

भारद्वाज गोत्र के सभी बंधुओं ने समाजजनों से सपरिवार पहुंचकर माता के अलौकिक श्रृंगार के दर्शन, प्रसादी एवं आशीर्वाद का लाभ लेने का आग्रह किया। अगली बैठक में कार्यों का विभाजन कर संयोजक मंडल गठित किया जाएगा, जिसमें अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ा जाएगा।

बैठक में मोतीलाल तिवारी, रामदेव नागला, महेंद्र नागला तिवारी, विजय कुमार तिवारी बलुंदा, प्रभुदयाल पाण्डिया, भागीरथ तिवारी, मनोज कुमार पाण्डिया, घनश्याम पाण्डिया, कमल किशोर पाण्डिया टोपीवाला, बिजुप्रसाद पाण्डिया, ओमप्रकाश तिवारी एवं सुरेश तिवारी उपस्थित रहे। ओमप्रकाश तिवारी पिचीयाक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक का समापन हुआ।

एनआईआईएमएच में 11वां आयुर्वेद दिवस उत्साह के साथ मनाया

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद के अंतर्गत कार्यरत राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान में 11वां आयुर्वेद दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशेष योग सत्र से हुआ। इसके बाद रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, एपीयू पार्क एवं तिरुमला कॉलोनी से होते हुए 'वॉक फॉर आयुर्वेद' जागरूकता यात्रा निकाली गई, जिसमें संस्थान के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद ने 'एक स्वस्थ कल के लिए आयुर्वेद', डॉ. वी. श्रीदेवी ने 'एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल', डॉ. साकेत राम ने 'आयुर्वेद में साक्ष्य, अनुसंधान और नवाचार' तथा डॉ. संतोष माने ने 'सामुदायिक कल्याण और टिकाऊ जीवन शैली' विषय पर व्याख्यान दिए। इसके बाद औषधीय पौधों का वितरण किया गया।

समारोह में विभिन्न विद्यालयों के 160 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों को आयुर्वेद दिवस एवं संस्थान की गतिविधियों की जानकारी देने के साथ संग्रहालय, पुस्तकालय और वनौषधि उद्यान का भ्रमण कराया गया। अंत में विद्यार्थियों को पौष्टिक आयुर्वेदिक पेय एवं जागरूकता सामग्री वितरित की गई। संस्थान के सूचना एवं पुस्तकालय सहायक के. श्रीनिवास राव ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सेवा और समर्पण की मिसाल बना राधे-राधे ग्रुप

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के सामने पिलर नंबर 1265-ए के पास बुधवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भाकर राम कुमावत ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा निरंतर की जा रही सेवा वास्तव में निस्वार्थ भाव, सेवा और समर्पण की भावना का जीवंत उदाहरण है। ग्रुप के सदस्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाने के साथ ही समाज में मानव सेवा का संदेश भी दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा कार्य केवल जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से जिस समर्पण के साथ अन्नदान सेवा में जुटे हैं, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। सेवा के इस कार्य में तन-मन-धन से सहयोग करना ही सच्ची मानव सेवा और ईश्वर आराधना का स्वरूप है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, नंदगोपाल एवं जितेंद्र सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहभागिता करते हुए जरूरतमंदों को अन्न वितरित किया और नियमित सेवा को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया.

हैदराबाद में बड़ा गणेश का महा विसर्जन कल 20 हजार सुरक्षाकर्मी का सुरक्षा का घेरा

25 सितंबर को महाविसर्जन, शहर भर में कड़ी सुरक्षा

10 हजार से अधिक निगरानी कैमरे और 24 ड्रोन से नजर

बालापुर से तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर तक 19 किलोमीटर मार्ग पर विशेष निगरानी

त्वरित प्रतिक्रिया दल, केंद्रीय बल और महिला सुरक्षा दल रहेंगे तैनात

ओम प्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 23 सितम्बर

25 सितंबर को होने वाले बड़ा-गणेश महाविसर्जन को लेकर हैदराबाद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना को देखते हुए शहर में करीब 20 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। पुलिस के साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों की कंपनियां, त्वरित प्रतिक्रिया दल, श्वान दल, चेन झपटमारी रोकथाम दल और महिला सुरक्षा दल भी सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे। अधिकारियों का उद्देश्य महाविसर्जन को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना है।

प्रमुख जुलूस मार्गों पर लगे 10 हजार से अधिक निगरानी कैमरों को तेलंगाना राज्य पुलिस एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र, बंजारा हिल्स से जोड़ा गया है। इसके अलावा 24 ड्रोन और करीब 100 उच्च-रिजॉल्यूशन कैमरों के जरिए भीड़, जुलूस और गणेश प्रतिमाओं की आवाजाही पर नजर रखी जाएगी। तकनीकी निगरानी के जरिए किसी भी संभावित स्थिति में पुलिस को तत्काल कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

बालापुर से चंद्रायनगुट्टा, फलकनुमा, चारमीनार और एमजे मार्केट होते हुए तेलुगु तल्ली फ्लाईओवर तक करीब 19 किलोमीटर लंबे प्रमुख विसर्जन मार्ग का वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त निरीक्षण किया है। इस दौरान सड़क की स्थिति, ऊंचाई संबंधी बाधाओं, ऊपर से गुजरने वाले तारों तथा अन्य संभावित अड़चनों की जांच की गई। संबंधित विभागों को महाविसर्जन से पहले आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

महाविसर्जन की तैयारियों में हैदराबाद शहर पुलिस के साथ नगर निगम, हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी, सड़क एवं भवन विभाग, विद्युत विभाग, जल बोर्ड, अग्निशमन विभाग और स्वास्थ्य विभाग के बीच समन्वय रखा जा रहा है। यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा और आपात स्थिति से निपटने के लिए विभागीय स्तर पर तैयारियां की गई हैं।

हैदराबाद शहर पुलिस के अनुसार, अब तक पूरे क्षेत्र में 32,878 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा चुका है। इनमें शहर की सीमा में 6,108 प्रतिमाएं शामिल हैं, जबकि पिछले 24 घंटे में 2,161 प्रतिमाओं का विसर्जन हुआ। महाविसर्जन के दिन बालापुर समेत प्रमुख क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ जुटने की संभावना को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

महिलाओं और युवतियों की सुरक्षा के लिए 26 महिला सुरक्षा दलों को तीन पालियों में तैनात किया जाएगा। भीड़भाड़ वाले इलाकों में सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी भी निगरानी करेंगे। पुलिस ने किसी भी परेशानी या संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल सूचना देने की अपील की है।

संवेदनशील क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई बल और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की कंपनियां भी तैनात रहेंगी। उपलब्ध पुलिस जानकारी के अनुसार चार त्वरित कार्रवाई बल कंपनियां अलग-अलग क्षेत्रों में तथा दो केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल कंपनियां खैरताबाद और सिकंदराबाद क्षेत्रों में तैनात की जाएंगी। इसके अलावा विभिन्न जिलों से अतिरिक्त पुलिस बल भी हैदराबाद बुलाया गया है। विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे, ध्वनि विस्तारक यंत्रों और अत्यधिक तेज आवाज वाले उपकरणों के इस्तेमाल को लेकर जारी नियमों का पालन कराने पर भी पुलिस की नजर रहेगी। आयोजकों को निर्धारित नियमों और ध्वनि सीमा का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हैदराबाद में बारिश की संभावना को देखते हुए गणेश मंडपों और जुलूस आयोजकों को बिजली के तारों तथा विद्युत उपकरणों से विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। पुलिस और संबंधित विभागों ने विद्युत दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन करने की अपील की है।

सिटी पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने नागरिकों से संयम बनाए रखने और पुलिस एवं प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की है। पुलिस ने अफवाहों और अपुष्ट सूचनाओं पर विश्वास नहीं करने तथा सामाजिक माध्यमों पर भड़काऊ या असत्य सामग्री साझा नहीं करने का आग्रह किया है।

25 सितंबर को गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के बीच हैदराबाद में महाविसर्जन होगा। एक ओर श्रद्धालु भक्ति और आस्था के साथ अपने आराध्य को अंतिम विदाई देंगे, वहीं दूसरी ओर हजारों पुलिसकर्मी सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगे। पुलिस ने श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों और सुरक्षा निर्देशों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण ढंग से महाविसर्जन में शामिल होने की अपील की है।

गणेश विसर्जन के लिए 25 सितंबर को अवकाश घोषित

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश मूर्ति विसर्जन जुलूस के मद्देनजर हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में 25 सितंबर को अवकाश रहेगा।

हैदराबाद, सिकंदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मल्काजगिरि जिलों में सरकारी कार्यालय, स्कूल और कॉलेज उस दिन बंद रहेंगे।

यह अवकाश गणेश विसर्जन जुलूस को सुचारू रूप से संपन्न कराने तथा शहर भर में भक्तों और यातायात की बड़े पैमाने पर आवाजाही को व्यवस्थित करने के लिए घोषित किया गया है।

14 नवंबर, जो दूसरे शनिवार को पड़ता है, संबंधित सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और कॉलेजों के लिए कार्य दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे विसर्जन जुलूस के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग करें तथा यातायात और सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करें।

आदिलाबाद रिम्स अग्निकांड: तीन नवजात शिशुओं की मृत्यु पर टीजीएचआरसी ने सरकार से मांगी रिपोर्ट

हैदराबाद, 23 सितंबर(शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना राज्य मानवाधिकार आयोग (टीजीए-चआरसी), जिसके अध्यक्ष माननीय न्यायमूर्ति डॉ. शमीम अख्तर हैं, ने राजीव गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स), आदिलाबाद के विशेष नवजात देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में 21 सितंबर, 2026 की देर रात हुए दर्दनाक अग्निकांड से जुड़ी विभिन्न समाचार पत्रों की रिपोर्टों पर स्वतः संज्ञान लिया है।

आयोग ने प्रमुख समाचार पत्रों की रिपोर्टों पर ध्यान दिया, जिनमें डेक्कन क्रॉनिकल (3 इन्फेंट्स डाई ऑफ स्मोक आफ्टर एसी फायर इन रिम्स बेबी यूनिट); द हिंदू (3 इन्फेंट्स किल्ड इन फायर एक्सीडेंट एट रिम्स आदिलाबाद: 25 रेस्क्यूड); द टाइम्स ऑफ इंडिया (3 प्रीटर्म इन्फेंट्स डाई आफ्टर ब्लेज़ एट रिम्स इन आदिलाबाद); माना तेलंगाना (रिम्स लो अग्नि प्रमादम); दिशा (मुग्गुरु नवजात शिशुवुलु मृति); नव तेलंगाना (आदिलाबाद रिम्स अग्नि प्रमादम); साक्षी (ऊपिराडले.. प्राणालु निलवले); नमस्ते तेलंगाना (अंतुलेनी विषादम. आदिलाबाद रिम्सलो शॉर्ट सर्किट.. मुग्गुरु पिल्लल दुर्मरणं); और ईनाडु (चिकित्सकु वस्ते प्राणाले पोयाय) शामिल हैं।

खबरों के अनुसार, एयर-कंडीशनिंग इकाई में संभावित बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई और एसएनसीयू में घना धुआं फैल गया, जहां लगभग 27 नवजात और समय से पहले जन्मे शिशुओं का इलाज चल रहा था। रिपोर्टों में बताया गया है कि इस दुर्घटना के बाद तीन नवजात शिशुओं की मौत हो गई, जबकि अन्य शिशु धुएं और सांस लेने की समस्या से प्रभावित हुए, जिन्हें इलाज के लिए अन्य वार्डों और पास के अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया।

इन रिपोर्टों में एसएनसीयू में रखरखाव और सुरक्षा व्यवस्था पर भी चिंता जताई गई है, जिसमें एयर-कंडीशनिंग व विद्युत उपकरणों की स्थिति, फायर अलार्म, अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकासी व्यवस्था और अन्य अग्निशमन सुरक्षा उपाय शामिल हैं। कुछ रिपोर्टों में अग्नि-सुरक्षा तैयारियों और विद्युत-प्रणाली के रखरखाव में कथित कमियों का भी उल्लेख किया गया है। आयोग ने इस दुर्घटना और शिशुओं की मृत्यु के कारणों व परिस्थितियों का सटीक पता लगाना आवश्यक समझा है।

तदनुसार, आयोग ने तेलंगाना के स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव से एक विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस रिपोर्ट में आग लगने की परिस्थितियां, एसएनसीयू में सुरक्षा व रखरखाव की व्यवस्था, प्रभावित शिशुओं के बचाव और इलाज के लिए उठाए गए कदम, तथा इस घटना की किसी भी जांच के निष्कर्ष शामिल करने के निर्देश दिए गए हैं।

आयोग ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 27.10.2026 की तिथि तय की है।

विधायक राजा सिंह ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को लिखा पत्र

मामनूर हवाई अड्डे का नाम तेलंगाना के स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर रखने की मांग

हैदराबाद, 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गोशामहल विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) विधायक टी. राजा सिंह लोध ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री श्री अनुमुला रेवंत रेड्डी को एक पत्र लिखकर वरंगल स्थित प्रस्तावित मामनूर हवाई अड्डे (एयरपोर्ट) का नाम किसी भी समकालीन राजनीतिक नेता के बजाय तेलंगाना के महान स्वतंत्रता सेनानी के नाम पर रखने का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र में विधायक राजा सिंह ने उल्लेख किया कि वरंगल का निज़ाम के निरंकुश शासन और तेलंगाना मुक्ति संग्राम के खिलाफ संघर्ष, बलिदान तथा जन आंदोलनों का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। इसलिए इस हवाई अड्डे का नाम तेलंगाना के साहस, बलिदान और ऐतिहासिक विरासत का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्तित्व के नाम पर होना चाहिए, न कि किसी राजनीतिक दल के नेता के नाम पर।

विचार हेतु प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के नाम:

1. डोड्डी कोमुरैया (1927-1946): वरंगल क्षेत्र के कड़ावेंडी में जन्मे और तेलंगाना किसान संघर्ष के शुरुआती शहीद के रूप में याद किए जाने वाले महान सेनानी।
2. चित्याला (चाकली) इलम्मा (1895-1985): वरंगल जिले के कृष्णापुरम में जन्मीं इलम्मा ने निज़ाम सरकार और सामंती उत्पीड़न के खिलाफ तेलंगाना विद्रोह में सक्रिय भूमिका निभाई थी।
3. कालोजी नारायण राव (1914-2002): वरंगल क्षेत्र से जुड़े प्रसिद्ध कवि, स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक। वरंगल स्थित स्वास्थ्य विश्वविद्यालय का नाम भी उन्हीं के नाम पर है।
4. दाशरथि कृष्णामा चार्युलु (1925-1987): तत्कालीन वरंगल जिले के चिन्नागुडूरु में जन्मे दाशरथि ने निज़ाम के निरंकुश शासन के खिलाफ आंदोलन में भाग लिया और जेल भी गए।

इतिहासकारों की समिति गठित करने का अनुरोध

विधायक ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि कांग्रेस सहित किसी भी समकालीन राजनीतिक दल के नेता के नाम पर इस ऐतिहासिक हवाई अड्डे का नाम न रखा जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐतिहासिक अभिलेखों की जांच करने और एक उपयुक्त नाम की सिफारिश करने के लिए इतिहासकारों, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों, विद्वानों और वरंगल क्षेत्र के प्रतिनिधियों की एक विशेष समिति का गठन किया जाए।

इसके बाद राज्य सरकार अंतिम प्रस्ताव केंद्र सरकार को विचार हेतु प्रेषित करे।

संघर्ष से कक्षाओं तक : कैसे आस्था गुरुकुल दंतेवाड़ा में जीवन का पुनर्निर्माण कर रहा है

दंतेवाड़ा , 23 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एक ऐसा क्षेत्र जो दशकों की हिंसा और विघटन से गुज़रा है, जवांगा का एजुकेशन सिटी में एक आवासीय स्कूल बच्चों को वयस्क बनने की राह पर एक अलग मार्ग प्रदान कर रहा है - शिक्षा, स्थिरता और एक ऐसे जीवन की संभावना के माध्यम से, जो उनके बचपन को आकार देने वाली परिस्थितियों से बहुत दूर है ।

आस्था विद्या मंदिर, जिसे आस्था गुरुकुल के नाम से भी जाना जाता है, वर्तमान में कक्षा 1 से 12 तक के लगभग 1,300 छात्रों का घर है । दंतेवाड़ा जिले के जवांगा में एजुकेशन सिटी में स्थित यह आवासीय स्कूल उन समुदायों के बच्चों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान बन गया है, जिन्होंने लंबे समय से चल रहे संघर्ष का खामियाजा भुगता है । अनुमान है कि इसके आधे से अधिक छात्र प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से जुड़ी हिंसा से प्रभावित हुए हैं ।

यह स्कूल ऐसी हिंसा के कारण अनाथ हुए बच्चों, उन बच्चों को जिनके माता-पिता विद्रोह में शामिल थे और प्रभावित क्षेत्रों, विशेष रूप से दंतेवाड़ा और व्यापक बस्तर क्षेत्र के छात्रों को प्राथमिकता देता है ।

कुछ छात्रों पर संघर्ष का प्रभाव कक्षा में प्रवेश करने से पहले ही पड़ जाता है ।

प्राचार्य रवींद्र पाणिग्राही ने कहा कि स्कूल विशेष प्राथमिकता मानदंडों के तहत बच्चों को दाखिला देते समय आधिकारिक दस्तावेज़ों पर निर्भर करता है ।

पुलिस-प्रमाण, जो यह पुष्टि करता है कि छात्र का इलाका एलडब्ल्यूई गतिविधि से प्रभावित हुआ है और किसी परिवार के सदस्य की मृत्यु से संबंधित एफआईआर रिकॉर्ड उन दस्तावेजों में शामिल हैं, जिन पर विचार किया जाता है । यद्यपि, इसका उद्देश्य आवास और स्कूली-शिक्षा तक पहुँच प्रदान करने से परे है । स्कूल ने एक ऐसा वातावरण बनाने का प्रयास किया है, जहां हिंसा के बीच पले-बढ़े बच्चे उबर सकें, सीख सकें और उन परिस्थितियों से परे एक भविष्य की कल्पना कर सकें जो उन्हें विरासत में मिली हैं ।

श्री पाणिग्राही ने कहा, ''जो बच्चे हिंसा से प्रभावित हुए हैं, उन्हें विशेषज्ञों द्वारा परामर्श दिया जाता है । आईएएस अधिकारियों जैसे कुशल व्यक्ति भी विशेष व्याख्यान देते हैं और छात्रों को प्रेरित करने के लिए उनसे बातचीत करते हैं ।

स्कूल सीबीएसई पाठ्यक्रम का अनुसरण करता है, जबकि शिक्षण में प्रौद्योगिकी को शामिल करने के लिए क्लासरूम स्मार्ट-स्क्रीन सिस्टम से सुसज्जित हैं । दूर-दराज के गांवों से आने वाले छात्रों के लिए, जिनमें से कुछ ने लंबे समय तक संघर्ष का अनुभव किया है और जिनकी पहुँच सीमित शैक्षिक बुनियादी ढांचे तक थी, ये सुविधाएं उनके सीखने के माहौल में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती हैं ।

एजुकेशन सिटी में स्कूल का परिचालन एनएमडीसी सीएसआर द्वारा वित्त-पोषित है और प्रशासन राज्य सरकार के पास है । अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके छात्रों को पढ़ाने के लिए कक्षाएँ स्मार्ट-स्क्रीन सिस्टम से सुसज्जित हैं । श्री पाणिग्राही ने बताया ।

आस्था गुरुकुल 2013 में शुरू किया गया था, जिसमें एनएमडीसी ने इसके बुनियादी ढांचे के विकास के लिए सीए-सआर सहायता प्रदान की थी । परिसर में लड़कों और लड़कियों के लिए अलग-अलग आवासीय भवन और 1,000 से अधिक छात्रों की क्षमता वाला एक सभागार शामिल है ।

वित्तीय प्रतिबद्धता निर्माण के बाद भी जारी है । एनएमडीसी का सीएसआर वित्त-पोषण स्कूल संचालन में सहायता करता है, जिसमें वार्षिक परिचालन व्यय अकेले लगभग 3.5 करोड़ रुपये है ।

इस व्यवस्था ने एक पब्लिक-कारपोरेट मॉडल बनाया है, जिसमें स्कूल राज्य सरकार द्वारा संचालित संस्थान है, जबकि एनएमडीसी का सीएसआर वित्त-पोषण इसके बुनियादी ढांचे और निरंतर संचालन में सहायता करता है। एक बच्चे के लिए, जिसने हिंसा के कारण अपने माता-पिता को खो दिया है, संघर्ष में फँसे गाँव में पला-बढ़ा है अथवा उग्रवाद से प्रभावित परिवार में पैदा हुआ है, आवासीय विद्यालय का महत्व शिक्षा से कहीं अधिक है। परिसर एक संरचित वातावरण, औपचारिक स्कूली-शिक्षा, परामर्श और लोगों व अवसरों से परिचिति कराता है, जो अन्यथा बस्तर के दूर-दराज के बच्चों के लिए पहुँच से दूर होते हैं । अपनी शुरुआत के एक दशक से अधिक समय बाद, आस्था गुरुकुल शिक्षा के माध्यम से संघर्ष के परिणामों को निपटने के एक व्यापक प्रयास का हिस्सा बन गया है।

इसके क्लासरूम अब सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत अध्ययन करने वाले बच्चों से भरे हुए हैं, इसके आवासीय भवनों में पूरे क्षेत्र के छात्र रहते हैं, और इसका परिसर दैनिक दिनचर्या प्रदान करता है, जो उनके कई परिवारों को प्रभावित करने वाली हिंसा से बहुत दूर है ।

दंतेवाड़ा में, जहां संघर्ष के परिणामों को अक्सर जीवन-हानि और समुदायों के उजड़ने से मापा जाता है, स्कूल का दीर्घकालिक प्रभाव अंततः तब दिखता है जब इसके छात्र जावंगा छोड़ने के बाद कुछ करने में सक्षम होते हैं - और यह शिक्षा उन्हें ऐसा भविष्य चुनने की स्वतंत्रता देती है, जो यह परिभाषित नहीं करती है कि वे कहां से आए हैं, बल्कि इस बात से तय होता है कि वे कहाँ जाना चाहते हैं ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.